डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 26.08.2024 से 01.09.2024 वर्ष-41 अंक-35 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

एमजीएम इन्दौर को मिला पहला एंडोजेनस ब्लड इरेडिएटर

इंदौर, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज इंदौर को बीएआरसी (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र) द्वारा निर्मित 50 लाख रुपये की लागत वाला एंडोजेनस ब्लड इरेडिएटर प्राप्त हुआ है। इसमें कोबाल्ट-60 स्रोत का उपयोग किया गया है। यह उपकरण मध्य भारत में अपनी तरह का पहला है। यह उन्नत उपकरण बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए अत्यधिक लाभकारी है। यह ग्राफ्ट रिजेक्शन की संभावना को कम करता है साथ ही ग्राफ्ट वर्सेस होस्ट रिएक्शन को रोकने में मदद करता है, जिससे मरीजों के उपचार में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रो. विशाल एवं प्रो. आर. महालक्ष्मी को दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के प्रो. विशाल राय एवं प्रो. आर. महालक्ष्मी को रसायन एवं जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार-2024 'विज्ञान युवा - शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार' से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में इनका अभूतपूर्व योगदान है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में दोनों वैज्ञानिकों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री की पहल को यूनिसेफ से मिली सराहना

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्यप्रदेश में किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये किये जा रहे प्रयासों को यूनिसेफ ने सराहा है। यूनिसेफ ने अपने एक्स पर किये गये पोस्ट में मुख्यमंत्री द्वारा किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये सेनिटेशन एवं हाईजीन योजना को अनूठी पहल बताकर प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने 11 अगस्त को भोपाल में छात्राओं के संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम में समग्र शिक्षा के अंतर्गत सेनिटेशन एवं हाईजीन योजना में 19 लाख छात्राओं के खाते में 57 करोड़ 18 लाख रुपये की राशि अंतरित की थी।

ग्लोबल स्किल पार्क में एडवांस कोर्सेस में प्रशिक्षण प्रारंभ

भोपाल, विश्वस्तरीय संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (एसएसआर-जीएसपी) में एडवांस कोर्सेस में प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है। जिसमें एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मेकाट्रोनिक्स, एडवांस्ड मेकेनिकल इलेक्ट्रिकल, सर्विसेस, एडवांस्ड ऑटोमोबाइल ट्रेड्स में सिंगापुर से ट्रेनिंग लेकर आए ट्रेनर्स द्वारा युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में किया क्षेत्रीय उद्योगपतियों से संवाद

रेलवे, हवाई और सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने से प्रदेश के ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में मौजूद हैं निवेश की बड़ी संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में "रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव" की तैयारियों के संबंध में उद्योगपतियों से संवाद किया

ग्वालियर, प्रदेश में निवेश के लिये ग्वालियर-चंबल क्षेत्र सबसे अच्छी और बड़ी संभावनाओं वाला क्षेत्र है। ग्वालियर शहर देश की राजधानी नई दिल्ली के नजदीक होने के साथ-साथ उत्कृष्ट हवाई, रेलवे एवं सड़क सेवाओं से पूरे देश से जुड़ा है। हमें भरोसा है कि ग्वालियर में 28 अगस्त को आयोजित होने जा रही "रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव" से इस क्षेत्र के लिए बड़ा औद्योगिक निवेश प्राप्त होगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों के उद्योगपतियों तथा औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों से संवाद करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि निवेश केवल बड़ी इकाइयों में ही नहीं, बल्कि रोज़गारपरक इंडस्ट्रीज में हो, जिससे ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को रोज़गार मिले।

औद्योगिक इकाइयों को हुआ भूमि का आवंटन

कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री के साथ उद्योगपतियों की वन-टू-वन बैठकें निवेश की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी। फिलहाल 73 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन किया गया है। यह इकाइयां 98 एकड़ क्षेत्रफल में 345 करोड़ रुपये के निवेश से लगभग तीन हजार लोगों को रोज़गार उपलब्ध करवाएंगी। कॉन्क्लेव में विभिन्न 27 औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और भूमिपूजन भी सम्पन्न होंगे। इनसे 1420.39 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव क्रियान्वित होंगे और 3451 लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा।

डिफेंस सेक्टर के लिये करेंगे विशेष प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर-चंबल अंचल के बीहड़ क्षेत्र की जमीन पर डिफेन्स सेक्टर में निवेश के लिये विशेष प्रयास किए जायेंगे। इसके लिए केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से जल्द ही चर्चा की जायेगी। उन्होंने कहा अडानी समूह तथा अन्य बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के लिये रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक लिमिटेड को प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया गया है।

उद्योगपतियों की समस्याओं का समाधान

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि औद्योगिक इकाइयों से संबंधित उनकी हर समस्या का समाधान तत्परता से करने के लिये सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि वे उद्यमियों की समस्याओं का समाधान विशेष हेल्प डेस्क लगाकर करें।

लाड़ली बहनों की सम्पन्नता से मध्यप्रदेश होगा खुशहाल

उज्जैन, मैं लाड़ली बहनों का मुख्यमंत्री नहीं मुख्य सेवक हूं। बहनों से ही सम्पूर्ण परिवार की खुशहाली होती है और बहनें परिवार की समृद्धता का प्रतीक होती हैं। बहनों के समृद्धशाली होने से परिवार में भी सम्पन्नता आती है। प्रदेश की लाड़ली बहनों में सम्पन्नता आती है तो मध्यप्रदेश भी आर्थिक रूप से खुशहाल और संपन्न होगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में आयोजित लाड़ली बहना रक्षाबंधन पर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री को लाड़ली बहनों ने कलाई पर राखी बांधकर आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री ने भाई-बहन के असीम स्नेह एवं अटूट रिश्ते के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व के हृदय से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश की लाड़ली बहनों से मिले आशीर्वाद और विश्वास से मैं भाव-विभोर हूँ। बहनों से मिले आशीर्वाद का ही प्रताप है कि प्रदेश विकास के रथ पर निरन्तर चलायमान

है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से ही बहनों को देवी के रूप में पूजा जा रहा है। हमारे तीज-त्योहार समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोते हैं। भारतीय संस्कृति तीज-त्योहारों से समृद्ध है। तीज-त्योहारों से बने सांस्कृतिक संबंधों की वजह से हमारी भारतीय संस्कृति अनादिकाल से सतत रूप से विकासशील है।

प्रदेश की समृद्ध जनजातीय गोंड चित्रकला को मिला जीआई टैग

भोपाल, प्रदेश की गोंड जनजाति की अपनी विशिष्ट चित्रकला पद्धति को अब विश्व पटल पर विशेष पहचान मिल गई है। गोंड चित्रकला को बौद्धिक संपदा के संरक्षण के तय मानकों में सफल पाया गया है। इससे गोंड चित्रकला को जियोग्राफिकल इंडीकेशन (जी.आई.) टैग मिल गया है। यह प्रदेश की जनजातीय चित्रकारी को वैश्विक स्तर पर मिली मान्यता का प्रमाण है। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन कला संबंधी कार्यों के विकास, विस्तार एवं संरक्षण के लिये वन्या प्रकाशन कला साहित्य संकलन, प्रकाशन एवं प्रमाणन का कार्य करती है। वन्या की ओर से प्रदेश की गोंड चित्रकारी के वैशिष्ट्य एवं कला सौन्दर्य को मान्यता दिलाने के लिये जीआई टैग प्रस्ताव भेजा गया था। पुरातन कला संपदा होने एवं सभी मानकों में खरी पायी जाने पर गोंड चित्रकारी को जीआई टैग से नवाजा गया है।

'मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन' योजना वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा काशी, अयोध्या और द्वारका की यात्रा का लाभ

भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी 'मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन' योजना का आगामी शेड्यूल जारी कर दिया गया है। 14 सितम्बर से 26 फरवरी 2025 तक प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न शहरों में धार्मिक यात्रा कराई जाएगी।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा तीर्थ दर्शन योजना में इस बार नागरिकों को वाराणसी (काशी), रामेश्वरम, मथुरा-वृंदावन, कामाख्या, अमृतसर, अयोध्या, द्वारका, जगन्नाथपुरी, शिर्डी और नागपुर जैसे धार्मिक स्थल निर्धारित किये गये हैं। उक्त अवधि में 15 हजार से ज्यादा तीर्थ यात्री विभिन्न तीर्थ-स्थलों की यात्रा करेंगे।

प्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो आयकरदाता नहीं हैं और 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के हैं, योजना का लाभ ले सकेंगे। महिला तीर्थ-यात्रियों के मामले में आयु वर्ग में 2 वर्ष की छूट दी गई है।

उज्जैन से रवाना होगी ट्रेन

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में पहली ट्रेन 14 सितम्बर को उज्जैन से वाराणसी (काशी)- अयोध्या के लिये रवाना होगी। इसमें उज्जैन जिले के 300, सीहोर के 200 और विदिशा के 279 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। यह ट्रेन 19 सितम्बर को लौटेगी। दूसरी ट्रेन 21 सितम्बर को रामेश्वरम के लिये रवाना होगी। इसमें इंदौर से 300, उज्जैन 200 और सीहोर से 279 तीर्थ यात्री रवाना होंगे। यह ट्रेन 26 सितम्बर को लौटेगी।

मथुरा-वृंदावन तीर्थ के लिये 19 सितम्बर को मेघनगर से तीसरी ट्रेन रवाना होगी और 2 अक्टूबर को वापस लौटेगी। इसमें झाबुआ से 200, रतलाम से 279 और उज्जैन से 300 दर्शनार्थी यात्रा करेंगे।

चौथी ट्रेन उज्जैन से 13 अक्टूबर को कामाख्या तीर्थदर्शन के लिये रवाना होगी।

21 अक्टूबर को अमृतसर रवाना होगी

5वीं ट्रेन इंदौर से अमृतसर के लिये 21 अक्टूबर को रवाना होगी। इसमें इंदौर से 200, धार से 100, उज्जैन से 200 और शिवपुरी से 279 यात्री रवाना होंगे। वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ स्थल के लिये 5 नवम्बर को विदिशा से छठवीं ट्रेन 300 यात्रियों के साथ रवाना होगी। सातवीं ट्रेन से भोपाल से 13 नवम्बर को रामेश्वरम के लिये 300 यात्री, सीहोर से 200 और नर्मदापुरम से 279 तीर्थ यात्री रवाना होंगे। यह ट्रेन 18 नवम्बर को वापस लौटेगी। 21 नवम्बर को आठवीं ट्रेन रीवा से द्वारका के लिये रवाना होगी। इसमें रीवा से 279, सतना से 300 और दमोह से 200 यात्री रवाना होंगे जो 26 नवम्बर को वापस लौटेंगे। दमोह से 29 नवम्बर को नौवीं ट्रेन वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ स्थल के लिये यात्री रवाना होगी।

17 अगस्त

इसरो के एसएसएलवी-डी3 ने भरी सफलता की उड़ान

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने छोटे राकेट एसएसएलवी-डी3 को

लॉन्च कर एक और कीर्तिमान रचा है। एसएसएलवी-डी3 ने अर्थ आब्जर्वेशन सैटेलाइट (ईओएस-08) एवं स्टार्टअप कंपनी स्पेस रिक्शा के एसआर-O डेमोसैट के साथ सफल उड़ान भरी। यह लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) की तीसरी तथा अंतिम विकासात्मक उड़ान थी। एसएसएलवी ने दोनों सैटेलाइट को सटीक तरीके से कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड उद्योग के उन सहयोगियों के लिए एसएसएलवी का कमर्शियल प्रक्षेपण शुरू कर सकेगी, जो 500 किलोग्राम तक वजन वाले उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षाओं (एलईओ) में या पृथ्वी से 500 किलोमीटर ऊपर तक प्रक्षेपित करने के इच्छुक हैं।

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने स्कूलों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है। सीबीएसई ने स्कूलों को पहली कक्षा से आठवीं तक के लिए एनसीईआरटी या एससीईआरटी की पुस्तकों का पालन करने की भी सख्त सलाह दी है। बोर्ड द्वारा किए गए संशोधन में निजी प्रकाशकों द्वारा पुस्तकों के उपयोग को सीमित करते हुए सीबीएसई द्वारा निर्धारित पुस्तकों के इस्तेमाल पर अधिक जोर दिया गया है।

● केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल के बागडोगरा और बिहार के बिहटा में हवाई अड्डा परियोजनाओं को मंजूरी दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बागडोगरा हवाई अड्डे पर 1,549 करोड़ रुपये की लागत से नया सिविल एन्क्लेव बनाया जाएगा। बिहार के बिहटा में भी 1,413 करोड़ रुपये की लागत से नया सिविल एन्क्लेव विकसित किया जाएगा। बागडोगरा हवाई अड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव के हिस्से के रूप में प्रस्तावित टर्मिनल भवन 70,390 वर्ग मीटर में फैला होगा। व्यस्त समय में इसकी क्षमता 3,000 यात्रियों की होगी। इसके अलावा बिहटा में नया एकीकृत टर्मिनल भवन 66 हजार वर्ग मीटर में फैला होगा। व्यस्त समय में इसकी क्षमता 3,000 यात्रियों की होगी।

18 अगस्त

होटलों और अस्पतालों में नकद लेनदेन की जांच करेगा आयकर विभाग

● केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग को ऐसे होटल, अस्पताल तथा आईवी क्लीनिक जैसे संस्थानों की जांच के निर्देश दिए हैं, जो कैश में कारोबार करते हैं। हालांकि सीबीडीटी ने जांच में सावधानी भी बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि अनावश्यक हस्तक्षेप न किया जाए। सीबीडीटी को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कर चोरी करने के लिए होटल, अस्पताल एवं आईवी में ऑनलाइन लेन देन की जगह नकदी पर जोर दिया जाता है।

● संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार 16 जुलाई से 4 अगस्त के बीच बांग्लादेश में हुई अशांति में लगभग 650 लोग मारे गए हैं। रिपोर्ट में हत्याओं एवं मनमानी गिरफ्तारियों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लगभग 400, जबकि 5 और 6 अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों की नई लहर के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई। जिनेवा में जारी रिपोर्ट में बताया गया कि मृतकों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार व सुरक्षा बल शामिल हैं।

● दीवारों पर जिगजैग पैटर्न बनाने से इमारतों को ठंडा रखने में मदद मिल सकती है। यह जानकारी कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दी है। इससे बिजली के बिना दीवारें सामान्य दीवारों की तुलना में करीब 3 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी रह सकती हैं। जिगजैग पैटर्न से सूरज की रोशनी और जमीन से आने वाली गर्मी दीवार पर कम पड़ती है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में 40 प्रतिशत बिजली इमारतों पर खर्च होती है, जो कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के एक तिहाई से ज्यादा के लिए जिम्मेदार है।

19 अगस्त

सेना देख रही है मशीन पिस्टल के विकल्प

● भारतीय सेना में सैनिकों की फायर पावर बढ़ाने के लिए नई 9 गुणा 19 एमएम मशीन

पिस्टल लेने की प्रक्रिया चल रही है। इसमें डीआरडीओ द्वारा विकसित अस्मि भी दावेदार है। अस्मि पहली स्वदेशी मशीन पिस्टल है। यह खरीद बाय इंडियन कैटिगरी के तहत की जाएगी। सेना की उत्तरी कमान (नॉर्दन कमांड) ने सेना कमांडर की विशेष वित्तीय शक्ति का इस्तेमाल करते हुए पहले ही 550 अस्मि पिस्टल और 550 टी-9 पिस्टल खरीदी हैं। बता दें कि आतंकविरोधी मिशन के लिए पिस्टल की जरूरत होती है।

● रूस के पूर्वी तट के पास 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की वजह से इलाके में मौजूद शिवेलुच नाम के ज्वालामुखी में विस्फोट हो गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद उठा धुएं का गुब्बार समुद्र तट से 8 किलोमीटर की ऊंचाई तक दिखाई दिया। यह ज्वालामुखी रूस के तटीय शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 450 किलोमीटर दूर है। हालांकि विस्फोट में किसी भी तरह के नुकसान और जान-माल की हानि की खबर नहीं है। अमेरिका के भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र पैट्रोपावलोस्क कामचत्रकी शहर से लगभग 88 किलोमीटर दूर समुद्र में था।

● ब्रिटेन में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर लगाम लगाने के लिए नए प्रस्तावित कानूनों के मुताबिक महिलाओं के खिलाफ हिंसा को आतंकवाद के रूप में देखा जाएगा और उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने कहा की महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के मामलों से निपटने के लिए मौजूदा कानून की खामियों की पहचान के लिए समीक्षा की जा रही है।

20 अगस्त

यूके स्पेस कमांड ने किया पहले सैन्य उपग्रह का सफल प्रक्षेपण

● यूके स्पेस कमांड ने अपना पहला सैन्य उपग्रह टाइचे सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया

निगरानी के साथ ही सैन्य अभियानों और प्राकृतिक आपदाओं में मददगार होगा। इसके साथ ही यह उपग्रह मानचित्रण, पर्यावरण निगरानी और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर नजर रखने में भी सहायक होगा। 150 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह पांच वर्ष की अवधि तक पृथ्वी की निचली कक्षा में डेटा उपलब्ध कराएगा।

● इटली के सिसिली के पास तूफान की चपेट में आने से एक लक्जरी नौका (याच) डूब गई। घटना में ब्रिटेन के जाने-माने उद्योगपति माइक लिंच की मौत हो गई। छह लोग अभी भी लापता हैं। इन लोगों में लिंच की पुत्री हन्नाह भी शामिल है। हादसे में उनकी पत्नी को बचा लिया गया। ब्रिटेन की यह याच 56 मीटर लंबी थी और इसमें 22 लोग सवार थे। लापता लोग ब्रिटिश,अमरीकी और कनाडाई नागरिक हैं।

● भारतीय रेलवे एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) टेक्निक के उपयोग से कोच के पानी की निगरानी रखी जाएगी। इससे यात्रियों को कोच में 24 घंटे पानी मिलेगा। एआई और आईओटी तकनीक पर आधारित ये सुविधा फिलहाल कामाख्या-दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल में शुरू की जा रही है। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो लंबी दूरी की सभी ट्रेनों में इस एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकेगा। पानी के टैंक में ऐसे उपकरण लगाए हैं, जो वाटर लेवल 30 प्रतिशत से कम होते ही कंट्रोल रूम को अलर्ट कर देंगे।

21 अगस्त

इसरो ने तैयार किया चंद्रयान 4 और चंद्रयान 5 का डिजाइन

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 की डिजाइन तैयार है। हमें अब सरकार की तरफ से मंजूरी मिलने का इंतजार है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले पांच साल में 70 सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना है। चंद्रयान-4 मिशन चंद्रमा की सतह से पत्थर और मिट्टी का सैंपल लेकर आएगा। उसकी चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी। मिशन में स्पेस डॉकिंग होगा। इसका मतलब है कि चंद्रयान-4 को टुकड़ों में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके बाद उसे अंतरिक्ष में जोड़ा जाएगा।

● रेलवे बोर्ड प्रत्येक लोकोमोटिव (इंजन) और रेल यार्डों पर एआई तकनीक से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाएगा। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी जया वर्मा सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान पटरियों की लगातार निगरानी करेंगी ताकि कोई असामाजिक तत्व पटरियों को नुकसान न पहुंचाए। वर्ष 2025 में होने जा रहे कुंभ के लिए करीब 100 विशेष ट्रेनें चलने की उम्मीद है।

22 अगस्त

पूर्वी लद्दाख में 4जी नेटवर्क शुरू

● पूर्वी लद्दाख में चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर डिजिटल कनेक्टिविटी का नया दौर शुरू हो गया है। सीमांत फोबरांग गांव में तेज इंटरनेट का 4जी नेटवर्क शुरू हो गया है। सीमांत क्षेत्रों में बेहतर नेटवर्क और सुविधाएं देने की दिशा में सरकार का यह बड़ा कदम है। 4जी नेटवर्क से सेना

और मौजूदा ग्रामीणों को फायदा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा से सटे अपने इलाकों में बुनियादी ढांचे को विकसित करने के साथ संचार सेवाओं को भी लगातार मजबूत बना रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार भी अब पूर्वी लद्दाख के अग्रिम इलाकों में तेज इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराकर संचार सेवाओं को बेहतर बना रही है।

● यूक्रेन ने रूस की राजधानी मास्को पर ड्रोन हमला किया। इस दौरान यूक्रेन के हमलावर ड्रोन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय तथा आवास क्रेमलिन के 38 किलोमीटर नजदीक तक पहुंच गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने 11 ड्रोन को आकाश में ही नष्ट करने का दावा किया है। इसे फरवरी 2022 से जारी युद्ध में मॉस्को पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

● ईरान की संसद ने राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को मंजूरी दे दी। दो दशक में ईरान में पहली बार कोई नेता अपने सभी अधिकारियों को संसद से यह मंजूरी दिलाने में सफल रहा है। कैबिनेट में एक महिला मंत्री को भी स्थान मिला है। उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी एकमात्र राष्ट्रपति थे, जिन्होंने 1997 और 2001 दोनों में अपने सभी प्रस्तावित मंत्रियों के लिए विश्वास मत प्राप्त किया था।

23 अगस्त

बोर्ड परीक्षाओं की अवधि देश में हो सकती है एक समान

● सभी राज्यों के स्कूली शिक्षा बोर्डों की दसवीं तथा बारहवीं की परीक्षाओं की

मंत्रालय ने पहल तेज की है। राज्यों के साथ इसे लेकर विमर्श शुरू किया गया है। शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों के स्कूली शिक्षा बोर्डों के परीक्षा पैटर्न का अध्ययन करने के बाद यह पहल शुरू की है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी स्कूली शिक्षा में एकरूपता लाने की पहल की गई है। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि देश में एक ही कक्षा में पढ़ने वाले सभी छात्रों के पढ़ाई के स्तर को एक समान रखना है, तो जरूरी है कि सभी स्कूली शिक्षा बोर्ड मूल्यांकन के तरीके में भी एकरूपता लाएं।

● केंद्रीय सरकार ने बुखार, जुकाम, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 156 फिक्स्ड-डोज कांबिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाजार में अब ये दवाएं नहीं बिक सकेंगी। केन्द्रीय सरकार ने कहा कि ये दवाएं स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने फार्मा कंपनियों द्वारा निर्मित दर्द की दवाओं के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले 'एसेक्लोफेनाक 50 एमजी प्लस पैरासिटामोल 125 एमजी टैबलेट' पर प्रतिबंध लगा दिया है।

● सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार कंटेंट क्रिएटरों को प्रोत्साहित कर रही है, इसमें रोज़गार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कंटेंट क्रिएटरों को लत लगाने वाले कंटेंट बनाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंटेंट क्रिएटरों की अर्थव्यवस्था में अपार संभावनाएं हैं। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवन शैली, योग, पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और व्यंजनों में विविधता को प्रदर्शित करने के लिए अद्भुत उपकरण के रूप में उभरी है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

KOTHARI COLLEGE
OF MANAGEMENT, SCIENCE & TECHNOLOGY, INDORE
REQUIRED
Department of Science : Physics / Mathematics
Department of Management & Commerce : Professor / Assistant Professor / Associate Professor
Department of Computer : CS / IT : Assistant Professor / Associate Professor
Department of Arts : Assistant Professor : / Associate Professor
History, Political Science, Geography & Economics / Sociology / English / Hindi
Department of Social Work : Professor / Assistant Professor/ Associate Professor
Lab Assistant :- Computer / Physics
Accounted, Training, Placement Officer & Academic Counsellor / Marketing Excutive(field), MP online portal/data entry Oprater.
Qualification & Pay Scales as per UGC Norms, Candidates have to bring all testimonials in original along with one set of photo copy, certificates, Apply within 7 days.
Scheme No. 140, Greater Brajeshwari, Pipliyahana Chouraha, Indore (M.P.)
E-Mail : kotharicollege@gmail.com
Call - 93007-28836
R-49980/2024

वर्ष 41, अंक 35 26.08.2024 से 01.09.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

खुशहाल मध्यप्रदेश के शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति तक जारी रहेगी विकास यात्रा

मध्यप्रदेश ने पिछले वर्षों में प्रगति और विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। समृद्ध, साक्षर, स्वस्थ और खुशहाल मध्यप्रदेश के शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए शुरू की गई विकास यात्रा निरंतर जारी है। राज्य सरकार युवा, महिला, गरीब और किसान भाइयों के विकास और कल्याण के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। प्रदेश में नवीन औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने और निवेश को बढ़ाने के लिये रीजनल इन्वेस्ट समिट का श्रृंखलाबद्ध आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की विशेषताओं और यहां दी जा रही सुविधाओं से निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। प्रदेश के बाहर के नामी उद्योगपतियों ने राज्य सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई है। प्रदेश में आने वाले निवेश और उद्योगों से स्थानीय युवाओं को रोज़गार मिलेगा, जिससे वे आत्म-निर्भरता की ओर अग्रसर होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश की जनता के नाम संदेश देते हुए कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं का संकल्प, मेहनत और सोच ही देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचायेगी। प्रदेश में शुरू होने वाला युवा शक्ति मिशन युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल और सशक्त बनाने का संकल्प है। समय की मांग के अनुसार युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), मशीन लर्निंग और कोडिंग जैसी उभरती तकनीकों की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने 485 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्रदेश के 55 जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बायो-टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर साइंस जैसे नए विषयों को जोड़ा गया है। पाठ्यक्रम में 35 नए व्यावसायिक विषयों को भी शामिल किया गया है। युवा अपने कौशल को निखार सकें और उन्हें बेहतर व्यवसाय के अवसर प्राप्त हों, इस उद्देश्य से मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में इन्टर्नशिप को बढ़ावा दिया गया है। योजना में 8 हजार चयनित प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रुपये का स्टायपेंड प्रदान किया गया है। प्रदेश में 22 नई आईटीआई की स्थापना की गई है जिनसे 5 हजार 280 सीटों की बढ़ोतरी होगी। देवास, छिंदवाड़ा और धार में ग्रीन स्किलिंग आईटीआई स्थापित किए गए हैं जहां सोलर टेक्नीशियन और इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ाने के लिए 6 विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केंद्र स्थापित किए गए हैं। स्टार्टअप को 50 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा रही है। यह कदम युवाओं के नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही औद्योगिक जगत की सम-सामयिक आवश्यकतानुसार रोज़गार उपलब्ध कराने और उद्यमिता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने में मदद करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण नहीं होगा, जब तक प्रदेश का वास्तविक विकास अधूरा है। गरीब कल्याण मिशन से प्रदेश में गरीब और कमजोर वर्गों के युवाओं के जीवन में एक नया अध्याय लिखने का संकल्प लिया गया है। यह मिशन समाज के सबसे वंचित तबके को सशक्त और समर्थ बनाने के लिए समर्पित है। गरीब कल्याण मिशन, स्व-रोज़गार योजनाओं में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा की दिशा में कार्य करेगा। गरीब व्यक्ति को गरीबी के चक्रव्यूह से निकाल कर सम्मानित और सुरक्षित जीवन प्रदान करना हमारा ध्येय है। गरीबों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 7 लाख मकानों तथा शहरी क्षेत्र में 7 लाख 51 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना और निकाह सहायता योजना में वर्ष 2023-24 में 62 हजार 583 कन्याओं के विवाह के लिए सहायता राशि दी गई। समाज के वरिष्ठजन, दिव्यांगजन, निराश्रितों और कल्याणी बहनों को प्रत्येक माह 600 रुपये दिए जा रहे हैं। बीते वर्ष 34 हजार दिव्यांगों को 43 करोड़ 80 लाख रुपये लागत के 66 हजार से अधिक कृत्रिम अंग लगवाए गए हैं। गरीब कल्याण की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया जा रहा है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नया मिशन फ्रैम-2 लॉन्च करने की तैयारी में है स्पेस एजेंसी

कैलिफोर्निया स्थित प्रमुख स्पेस एजेंसी स्पेस एक्स एक बार फिर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नया प्रयोग करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। दरअसल कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह इस वर्ष के अंत तक पृथ्वी के ध्रुवों पर एक खास मिशन लॉन्च करने की तैयारी में है। यह पहला मिशन होगा जिसमें मानव को ध्रुवों पर भेजने की योजना है। इस मिशन को एक क्रिप्टो उद्यमी चुन वांग संचालित करेंगे। कंपनी ने इस मिशन को 'फ्रैम-2' नाम दिया है। यह मिशन पांच दिन तक चलेगा। चुन वांग ने इस मिशन को खरीदा है। वह एक बड़े बिटकॉइन व्यापारी हैं और उन्होंने 'एफ2पूल' और 'स्टेकफिश'नाम की कंपनियों की भी शुरुआत की है।

यह मिशन खासतौर पर निजी अंतरिक्ष पर्यटन के क्षेत्र में नई शुरुआत है, जो हाल के वर्षों में अमेरिका में तेजी से बढ़ा है। चुन वांग ने कहा कि मिशन के लिए सभी योजना, डिजाइन और टीम का चयन उन्होंने खुद किया है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष खोज में हमारे सामने एक नया अध्याय खुलने जा रहा है। अंतरिक्ष में उपग्रह ध्रुवीय क्षेत्रों के ऊपर से गुजर चुके हैं। लेकिन पृथ्वी की घुमावदार दिशा के कारण वहां पहुंचना मुश्किल होता है और रेडिएशन भी एक समस्या हो सकती है। मिशन में एक स्पेस एक्स ड्रैगन कैप्सूल का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसमें एक ऑब्जर्वेशन डोम होगा। यह कैप्सूल 265 से 280 मील (425 से 450 किलोमीटर) ऊंचाई पर उड़ान भरेगा। इस मिशन में पहली बार अंतरिक्ष में एक्स-रे चित्र लिए जाएंगे और एक आर्कटिक लाइन फेनॉमेनन का अध्ययन भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्पेस एक्स ने पिछले चार वर्ष में 13 मानव मिशन किए हैं।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

विषमताओं के बीच व्यक्तित्व, परिवार, राष्ट्र निर्माण के साथ पर्यावरण सुरक्षा और गो-संवर्धन का संदेश

भगवान श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व, कृतित्व और चिंतन कालजयी है। उनका पूरा जीवन सक्रियता, संघर्ष और विषमताओं से भरा रहा। प्रत्येक घटना, नीतियां, निर्णय और दर्शन मानव ही नहीं प्रकृति कल्याण के लिये प्रत्येक युग में मार्गदर्शक रहा है।

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दोनों प्रकार से श्रेष्ठतम है। वेदों को छोड़कर भारतीय वाड्मय के सभी पौराणिक ग्रंथों में भगवान श्रीकृष्ण का व्यापक उल्लेख है। श्रीमद्भागवत की कथाएं तो उनके चिंतन और दर्शन का महासागर हैं। श्रीमद्भागवतगीता में सृष्टि, प्रकृति और जीवन का ऐसा कौन सा प्रसंग है, जिसमें जीवन उन्नयन के सूत्र न हों। पौराणिक संदर्भ में उन्हें नारायण का अवतार माना। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उन्हें परम् ब्रह्म का अवतार कहा। दशावतार गणना में उनका क्रम आठवां है। उन्हें सोलह कलाओं से पूर्ण पहला एवं सर्वव्यापक अवतार माना गया। यदि हम मानवीय स्वरूप में देखे तो उनका प्रत्येक कार्य और कथन असामान्य है, अलौकिक है। उनका प्रत्येक कार्य, प्रत्येक शब्द और मार्गदर्शन कालजयी है। समय बदला, परिस्थितियां बदली, जीवन शैली और प्राथमिकताएं भी बदल गईं, लेकिन उनका संदेश हर युग में जीवन्त है, जो बीते हुए कल में भी था, आज भी है और आने वाले समय में भी रहेगा।

भारत का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां उनकी स्मृति के चिन्ह न हों। वे स्वयं कहीं के शासक नहीं बने, लेकिन उन्होंने पूरे भारत राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया। समाज को समझाने के लिये उन्होंने केवल चिंतन, मनन या संभाषण ही नहीं किया अपितु घटनाओं में सक्रिय सहभागिता का निर्वहन भी किया। उन्होंने समाज के सभी समूहों को, हर आयु वर्ग के लोगों को उनके अनुरूप व्यक्तित्व विकास के सूत्र दिये। उनके जन्म की परिस्थिति भी असाधारण थी और संसार से विदा होने का दृश्य भी असाधारण। इसी प्रकार जीवन की हर घटना असाधारण रही। कोई कल्पना कर सकता है उस बालक के भविष्य की जिसका जन्म जेल में हुआ? इन असाधारण परिस्थितियों और घटनाओं से लड़कर ही तो वे योगेश्वर और कर्मेश्वर बने।

जन्म परिस्थिति और बालपन से व्यक्तित्व निर्माण का संदेश

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म जेल में हुआ था। जेल की परिस्थिति भी साधारण न थी, द्वार पर मृत्यु का पहरा था। जन्म लेते ही बालक को मार डालने की योजना थी। गर्भकाल में माता-पिता चिंतित रहे कि कैसे जन्म के बाद बालक को सुरक्षित किया जाये। इसी चिंतन में नौ माह बीते और भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि को कृष्णजी का जन्म हुआ। वह रात्रि भी घनघोर बरसात और बिजली की कड़क के साथ आई थी। जन्म की यह कथा उन माता-पिता को संदेश है जो अपनी संतान को श्रेष्ठतम बनाना चाहते हैं। आधुनिक विज्ञान ने भी यह घोषित किया है कि गर्भावस्था के दौरान माता पिता के मन में जो संकल्प होता है, जैसे विचार होते हैं, वैसा ही बालक आकार लेता है। व्यक्ति का संकल्प ही वह परिस्थितियाँ निर्मित करता है जिससे विषमताओं के बीच मार्ग बनता है। कृष्णजी के जन्म क्षणों में प्रकृति के शोर के बीच कुछ सुनाई न देना और द्वारपालों का सो जाना, माता देवकी और पिता वसुदेव की संकल्पना का ही परिणाम था। और बालक को सुरक्षित गोकुल पहुंचा दिया गया। ऐसी संकल्पना और योजना का दूसरा उदाहरण औरंगजेब की जेल से शिवाजी महाराज के सुरक्षित मथुरा पहुँचने का मिलता है।

कन्हैयाजी का बचपन गोकुल में बीता। यहां उन्हें यशोदाजी माता और नंद बाबा पिता के रूप में मिले। उनका पूरा बालपन सक्रियता और शारीरिक सामर्थ्य बढ़ाने में बीता। अपनी सुरक्षा के लिये मल्लयुद्ध, दंड प्रहार सीखे। गेंद फेंक, कबड्डी, पत्तों में छिपना, तैरकर यमुना पार करना और बरसाने तक दौड़ लगाने जैसे खेलों ने उनकी शारीरिक और मानसिक सामर्थ्य बढ़ाई। जंगल के हिंसक पशुओं से गोरक्षा का सामर्थ्य भी विकसित किया। गोवर्धन प्रसंग के माध्यम से वनोपज और वनौषधि की सुरक्षा और सुरक्षित गौ अभयारण्य निर्माण का संदेश दिया। बचपन में उन पर तीन प्राणलेवा हमले हुए। उन्होंने स्वयं अपनी बल बुद्धि से सुरक्षा की। वह पूरे गांव के बच्चों की टोली के समन्वयक थे। शरारत इतनी कि पूरे गांव की दृष्टि में रहे। लेकिन, यदि माँ ने डांट लगाई या खंबे से बांध दिया तो प्रतिकार में कोई शब्द नहीं। पिता से वार्तालाप में नीतियां समझना और अतीत के प्रसंगों के माध्यम से बौद्धिक विकास का उदाहरण भी कन्हैयाजी का है। कन्हैयाजी का बालपन आज के माता-पिता को भी संदेश है और बच्चों को भी। बच्चों को क्या खेलना, किनके साथ खेलना और कैसे उनकी जीवटता में वृद्धि हो, यह स्वयं बच्चों को सोचना और माता-पिता को ऐसा वातावरण देना चाहिए जिससे बच्चे पराक्रमी, पुरुषार्थी और परिश्रमी बनें। बच्चों की शरारतें भी सकारात्मक होनी चाहिए, विध्वंसात्मक नहीं। कन्हैया जी की बाल लीला में विध्वंसात्मक उदाहरण एक भी नहीं है। माता-पिता का कैसा आदर होना चाहिए यह भी उनके बाल प्रसंगों में है।

परिवार संरक्षण और कुटुम्ब समन्वय का संदेश

कन्हैयाजी जब ग्यारह वर्ष, सात माह के हुए तब अक्रूरजी लेने आये। उनके साथ मथुरा आये, मथुरा का शासक कंस था। कंस अपने पिता उग्रसेन को जेल में डालकर शासक बना था। उग्रसेन रिश्ते में कन्हैयाजी के नाना थे। कन्हैया जी ने मल्लयुद्ध करके कंस का वध किया और नानाजी को जेल से मुक्त करके पुनः सिंहासन पर बिठाया। अपने माता-पिता को भी मुक्त किया और राज दरबार में सम्मानपूर्वक प्रतिष्ठित किया। उन्होंने माता यशोदा और बाबा नंद को भी मथुरा आमंत्रित किया वे आये भी, लेकिन कुछ दिन रुककर लौट गये। कन्हैयाजी ने उन्हें सम्मानित करके विदा किया। वे चाहते तो स्वयं मथुरा के शासक बन सकते थे। उन्होंने स्वयं सत्ता नहीं संभाली और अपने परिवार और कुटुम्बी जनों को सम्मानित किया। द्वारिका की सत्ता सृजित करके भी वे शासक नहीं बने उन्होंने अपने ज्येष्ठ भ्राता बलराम को राजा बनाया।

परिवार, कुटुम्ब को सम्मानित करने के साथ परिवार कुटुम्ब सहित सभी सामान्य नागरिकों का संरक्षण किया। कंस वध के बाद मथुरा पर मगध नरेश जरासंध का आक्रमण हुआ। वह बहुत बलशाली था। उसका समाना मथुरा की सेना नहीं कर सकती थी। युद्ध के मैदान में श्रीकृष्ण जी ने मथुरा का विनाश न करने और किसी सामान्य नागरिक को कोई क्षति न पहुँचाने का आग्रह किया। जरासंध ने कन्हैयाजी के सामने युद्ध मैदान से पीठ दिखाते हुये अकेले निकलने की शर्त रखी। श्रीकृष्ण जी ने शर्त स्वीकार कर ली। वे युद्ध मैदान छोड़कर चले गये। इस घटना के कारण उनका नाम 'रणछोड़' पड़ा।

इस प्रकार मथुरा त्यागकर उन्होंने द्वारिका नगरी बसाई और अपने समूचे परिवार और कुटुम्ब को वहीं बुलाया। अर्जुन से विवाह के बाद उनकी बहन सुभद्रा द्वारिका में ही रही। चूंकि पांडव वनवास को चले गये थे। अभिमन्यु का जन्म और पालन पोषण भी उन्हीं के संरक्षण में हुआ था।

गो-संवर्धन और आत्मनिर्भरता

भारत की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि और कुटीर उद्योग रहे हैं। इन दोनों कार्यों में गाय की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। गाय के बछड़े जहां कृषि की जुताई-बोआई में महत्वपूर्ण रहे वहीं ढुलाई का माध्यम भी। जबकि गाय के मक्खन और घी नगर में लाकर बेचने के प्रसंग भी कृष्ण काल में मिलते हैं। गाय से दूध, मक्खन और घी के अतिरिक्त गो-मूत्र से औषधियों का वर्णन भी मिलता है। इसलिये भारतीय समाज की आत्मनिर्भरता और आरोग्य में गाय को महत्वपूर्ण माना गया है। कृष्णजी का पूरा जीवन गो-संवर्धन के लिये समर्पित रहा। वह स्वयं बालवय से गो-पालन करते थे। उन्होंने पूरे क्षेत्र में गो-पालन का अभियान चलाया। पढ़ने के लिये उज्जैन आये तो यहां भी गो-सेवा निरंतर रही। द्वारिका में उनकी विशाल गो-शाला थी। जिनके चिन्ह बेट द्वारिका में सुरक्षित हैं। इसी विशेषता से उनका एक नाम 'गोपाल' हुआ।

सामाजिक समरसता और मित्रता का आदर्श

सामाजिक समरसता और मित्रता का निर्वाह करने में भगवान श्रीकृष्ण जी को आदर्श माना जाता है। सामाजिक समरसता का उदाहरण उनकी गोवर्धन पर्वत पूजन में मिलता है। उन्होंने प्रत्येक घर से खाद्यान्न सामग्री मंगवाई और मिलकर भोजन तैयार हुआ। यहीं से 'छप्पन भोग' परंपरा आरंभ हुई। बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक घर से भोजन आना चाहिए। दूसरा बचपन में उनकी टोली में गोकुल के प्रत्येक घर के बालक थे। छोटा, बड़ा, धनी, निर्धन का कोई भेद नहीं था। उनकी टोली में दिव्यांग बालक भी सम्मानित थे और सबका ध्यान कन्हैया जी रखते थे। सामाजिक समरसता का स्वरूप शिक्षा के दौरान उज्जैन में और द्वारिका में भी रहा। गुरु सांदीपनि आश्रम में उनकी प्रसिद्ध मित्रता किसी राजकुमार से नहीं अपितु एक निर्धन सुदामा से हुई। समय आने पर उन्होंने अपने इस मित्र को संपन्न बनाया। मित्रता का दूसरा उदाहरण अर्जुन के साथ है। वे द्वारिकाधीश थे। फिर भी आवश्यकता पड़ने पर महाभारत युद्ध में अर्जुन के सारथी बने।

ज्ञान-विज्ञान के अद्भुत अध्येता

भगवान श्रीकृष्ण के बचपन में साहस, बल और विलक्षण बुद्धि का परिचय मिलता है। उसी प्रकार उनके जीवन के विभिन्न प्रसंगों में ज्ञान विज्ञान के अध्येता का अद्भुत स्वरूप उभरता है। मथुरा में सत्य और सनातन आधारित राज्य की स्थापना करके पढ़ने के लिये सांदीपनि गुरु आश्रम उज्जैन आये। वे केवल 64 दिनों में चारों वेद, 18 पुराण, 108 उपनिषद, 64 कलाओं और सोलह विद्याओं में निष्णात हो गये थे। उन्हें नारायण के छठे अवतार भगवान परशुराम जी ने गीता का ज्ञान दिया और सुदर्शन चक्र भेंट किया।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

गेल (इंडिया) लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

ITUWTSA NEW DELHI 2024

विभिन्न विभागों में करियर के अवसर

गेल (इंडिया) लिमिटेड सार्वजनिक क्षेत्र की एक महारत्न तथा भारत की अग्रणी प्राकृतिक गैस कंपनी है जोकि प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला (अन्वेषण एवं उत्पादन, प्रोसेसिंग, संचरण, वितरण एवं विपणन सहित) के समस्त पहलुओं तथा इससे संबंधित सेवाओं को एकीकृत कर रही है। गेल तेज़ी से बदलते व्यापारिक परिवेश में हरित ऊर्जा गलियारों का चतुर्भुज बनाकर स्वच्छ ईंधन औद्योगीकरण के नए युग का सूत्रपात कर रहा है जो भारत के बड़े उपभोक्ता केंद्रों को प्रमुख गैस क्षेत्रों, एलएनजी टर्मिनलों तथा सीमा पार के अन्य गैस स्रोतों से जोड़ता है। देश की नंबर 1 गैस कंपनी गेल विकास, सफलता और सीखने के अवसर एवं अच्छे पारिश्रमिक प्रदान करती है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड देश के विभिन्न राज्यों में स्थित कार्य केन्द्रों/ईकाईयों के लिये गैर–कार्यपालक वर्ग में विभिन्न पदों को भरने के लिये पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है। नीचे दी गई **तालिका–I** में प्रत्येक पद के सामने श्रेणी–वार रिक्तियाँ **(बैकलॉग रिक्तियों सहित)** दर्शाई गईं हैं:–

तालिका–I

क्र. सं.	पद का नाम	ग्रेड	अनारक्षित	ईडब्ल्यू एस	ओबीसी (एनसीएल)	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल	निम्नलिखित श्रेणियों में पी.डब्ल्यू.बी.डी. हेतु यथा उपयुक्त चिह्नित पद
1	कनिष्ठ इंजीनियर (केमिकल)	एस–7	0	0	0	0	2	2	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं
2	कनिष्ठ इंजीनियर (मैकेनिकल)	एस–7	0	0	0	0	1	1	ख) डी, एचएच ग) ओएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं
3	फोरमैन (इलेक्ट्रिकल)	एस–5	0	0	0	0	1	1	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं
4	फोरमैन (इंस्ट्रूमेंटेशन)	एस–5	0	0	0	5	9	14	ख) डी, एचएच ग) ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं
5	फोरमैन (सिविल)	एस–5	3	0	3	0	0	6	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, ओएएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम, एमओडी), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
6	कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा)	एस–5	1	0	1	2	1	5	क) बी, एलवी ख) डी, एचएच ग) ओए, बीए, बीएल, ओएल, ओएएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी, एमडीवाई घ) एएसडी (एम, एमओडी), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (क) से (घ) शामिल हैं।
7	जूनियर केमिस्ट	एस–5	3	0	3	2	0	8	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें (ख) से (घ) शामिल हैं।
8	कनिष्ठ लेखाकार	एस–5	7	1	3	2	1	14	क) बी, एलवी ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, बीए, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम, एमओडी), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (क) से (घ) शामिल हैं।
9	तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)	एस–3	0	0	0	3	0	3	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
10	ऑपरेटर (केमिकल)	एस–3	31	6	16	15	5	73	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
11	तकनीशियन (इलेक्ट्रिकल)	एस–3	21	4	8	6	5	44	ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
12	तकनीशियन (इंस्ट्रूमेंटेशन)	एस–3	21	4	12	5	3	45	ख) डी, एचएच ग) ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
13	तकनीशियन (मैकेनिकल)	एस–3	19	3	11	4	2	39	ख) डी, एचएच ग) ओएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
14	तकनीशियन (टेलीकॉम एवं टेलीमेट्री)	एस–3	7	1	2	0	1	11	ख) डी, एचएच ग) ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (ख) से (घ) शामिल हैं।
15	ऑपरेटर (अग्नि)	एस–3	20	3	7	6	3	39	पी.डब्ल्यू.डी. हेतु अनुपयुक्त

www.gailonline.com #EnergizingPossibilities Follow us on

क्र. सं.	पद का नाम	ग्रेड	अनारक्षित	ईडब्ल्यू एस	ओबीसी (एनसीएल)	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल	निम्नलिखित श्रेणियों में पी.डब्ल्यू.बी.डी. हेतु यथा उपयुक्त चिह्नित पद
16	**ऑपरेटर (ब्वॉयलर)**	एस–3	5	0	2	1	0	8	क) एलवी ख) डी, एचएच ग) ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एसएलडी ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (क) से (घ) शामिल हैं।
17	**लेखा सहायक**	एस–3	6	1	3	2	1	13	क) **बी**, एलवी ख) डी, एचएच ग) ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, बीए, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी घ) एएसडी (एम, एमओडी), एसएलडी, एमआई ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (क) से (घ) शामिल हैं।
18	**व्यापार सहायक**	एस–3	30	6	18	7	4	65	क) बी, एलवी ख) डी एचएच ग) ओए, ओएल, ओएएल, बीए, बीएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी, एमडीवाई घ) एएसडी (एम,एमओडी),एसएलडी, एमआई, आईडी ड.) एमडी जिसमें उपर्युक्त (क) से (घ) शामिल हैं।
			174	**29**	**89**	**60**	**39**	**391**	

उपर्युक्त 391 रिक्तियों में से संदर्भित दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए आरक्षित 22 रिक्तियों का श्रेणी–वार और पद–वार विवरण नीचे दिया गया है :

तालिका–I–ए

क्र.सं.	पद का नाम	ग्रेड	तालिका–I के अनुसार संदर्भित दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूबीडी) की चिह्नित श्रेणियों के लिए आरक्षित				
			श्रेणी–क	**श्रेणी–ख**	**श्रेणी–ग**	**श्रेणी–घ एवं ड.**	**कुल पीडब्ल्यूबीडी**
1	जूनियर केमिस्ट	एस–5	0	1	0	0	1
2	कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा)	एस–5	1	0	0	0	1
3	कनिष्ठ लेखाकार	एस–5	1	1	0	0	2
4	लेखा सहायक	एस–3	2	0	0	1	3
5	व्यापार सहायक	एस–3	3	1	1	1	6
6	ऑपरेटर (केमिकल)	एस–3	0	1	1	0	2
7	तकनीशियन (इलेक्ट्रिकल)	एस–3	0	1	1	1	3
8	तकनीशियन (इंस्ट्रूमेंटेशन)	एस–3	0	0	1	1	2
9	तकनीशियन (मैकेनिकल)	एस–3	0	1	0	1	2
	कुल		**7**	**6**	**4**	**5**	**22**

प्रयुक्त संक्षिप्तियां

संक्षिप्तियां	स्पष्टीकरण	संक्षिप्तियां	स्पष्टीकरण
पीडब्ल्यूबीडी	दिव्यांगजन (Persons with Benchmark Disabilities)	**एलसी**	कुष्ठ रोग से स्वस्थ (Leprosy Cured)
बी	नेत्रहीन (Blind)	**डीडब्ल्यू**	बौनापन (Dwarfism)
एलवी	कम दृष्टि (Low Vision)	**एएवी**	तेज़ाब हमले के पीड़ित (Acid Attack Victims)
डी	बधिर (Deaf)	**एमडीवाई**	मांसपेशीय कुपोषण (Muscular Dystrophy)
एचएच	अल्प बधिर (Hard of Hearing)	**एएसडी**	आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार (एम = हल्का, एमओडी मध्यम) Autism Spectrum Disorder (M = Mild, MoD Moderate)
ओए	एक हाथ (One Arm)		
ओएल	एक पैर (One Leg)	**आईडी**	बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability)
बीए	दोनों हाथ (Both Arms)	**एसएलडी**	विशिष्ट अध्ययन अक्षमता (Specific Learning Disability)
बीएल	दोनों पैर (Both Legs)	**एमआई**	मानसिक बीमारी (Mental Illness)
ओएएल	एक हाथ और एक पैर (One Arm and one Leg)	**एमडी**	बहु दिव्यांगता (Multiple Disability)
सीपी	मस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy)	**एनसीएल**	नॉन क्रीमी लेयर (Non Creamy Layer)

चिह्नित पद (जैसा कि उपर्युक्त **तालिका–I** में इंगित है) हेतु संबंधित श्रेणी/श्रेणियों के **दिव्यांगजन भी आवेदन कर सकते हैं भले ही उनके लिए कोई रिक्ति विशेष रूप से आरक्षित नहीं हों।** ऐसे अभ्यर्थियों पर चयन/नियुक्ति के लिये सामान्य वर्ग के मानक लागू होंगे।

पीडब्ल्यूबीडी की संबंधित श्रेणी के अभ्यर्थी, जो विशेष रूप से उनके लिए आरक्षित पद हेतु आवेदन करते हैं, को आरक्षण/ छूट का लाभ प्राप्त होगा, **यदि उनकी निर्दिष्ट अक्षमता 40% से कम नहीं है।**

1. उपर्युक्त पदों के लिए न्यूनतम अनिवार्य योग्यता(ओं), न्यूनतम अनिवार्य अनुभव और ऊपरी आयु सीमा नीचे तालिका–II में उल्लेख के अनुसार होगी :

तालिका–II

क्र.सं.	पद का नाम	ग्रेड	अनिवार्य योग्यताएं	न्यूनतम अनिवार्य अनुभव/प्रत्यय–पत्र
1	**कनिष्ठ इंजीनियर (केमिकल)** वेतनमानः रु. 35,000 – 1,38,000/– ऊपरी आयु सीमाः अ.ज.जा. श्रेणी के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी–अ.ज.जा. के लिए 55 वर्ष	एस–7	न्यूनतम **60% अंकों** सहित केमिकल/पेट्रोकेमिकल/केमिकल टेकनोलॉजी/पेट्रोकेमिकल टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **केमिकल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **08 (आठ)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
2	**कनिष्ठ इंजीनियर (मैकेनिकल)** वेतनमानः रु. 35,000 – 1,38,000/– ऊपरी आयु सीमाः अ.ज.जा. श्रेणी के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी–अ.ज.जा. के लिए 55 वर्ष	एस–7	न्यूनतम **60% अंकों** सहित मेकेनिकल/प्रोडक्शन/प्रोडक्शन एवं इंडस्ट्रियल/मैन्युफैक्चरिंग/मैकेनिकल एवं ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **मैकेनिकल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **08 (आठ)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
3	**फोरमैन (इलेक्ट्रिकल)** वेतनमानः रु. 29,000 – 1,20,000/– ऊपरी आयु सीमाः अ.ज.जा. श्रेणी के लिए 33 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी–अ.ज.जा. के लिए 43 वर्ष	एस–5	न्यूनतम **60% अंकों** के साथ इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **इलेक्ट्रिकल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।

क्र.सं.	पद का नाम	ग्रेड	अनिवार्य योग्यताएं	न्यूनतम अनिवार्य अनुभव/प्रत्यय–पत्र
4	**फोरमैन (इंस्ट्रूमेंटेशन)** वेतनमानः रु. 29,000 – 1,20,000/– ऊपरी आयु सीमाः अ.जा./अ.ज.जा. श्रेणी के लिए 33 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी–अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 43 वर्ष	एस–5	न्यूनतम **60% अंकों** के साथ इंस्ट्रूमेंटेशन/इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रिकल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
5.	**फोरमैन (सिविल)** वेतनमानः रु. 29,000 – 1,20,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित पदों के लिए 28 वर्ष, ओबीसी (एनसीएल)/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–5	न्यूनतम **60% अंकों** के साथ सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **सिविल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
6	**कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा)** वेतनमानः रु. 29,000 – 1,20,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित पदों के लिए 28 वर्ष, ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–5	न्यूनतम **55% अंकों** के साथ 03 वर्ष की अवधि की **हिन्दी साहित्य/हिन्दी** में स्नातक डिग्री तथा स्नातक में **अंग्रेजी** एक विषय होना चाहिए। स्नात्तक के डिग्री प्रमाण–पत्र में स्पष्ट रूप से **हिन्दी साहित्य/हिन्दी** वर्णित होना चाहिए। अभ्यर्थी को कार्यालय परिवेश में कंप्यूटर एप्लीकेशनों (एमएस ऑफिस आदि) का बुनियादी ज्ञान और कौशल होना चाहिए।	राज्य/केंद्र सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में योग्यता पश्चात् **विभिन्न रिपोर्टों, दस्तावेजों, पत्रों आदि का अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद और हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद का न्यूनतम 03 (तीन)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
7	**जूनियर केमिस्ट** वेतनमानः रु. 29,000–1,20,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित पदों के लिए 28 वर्ष, ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–5	न्यूनतम **55% अंकों** के साथ केमिस्ट्री में **02 वर्ष** की अवधि की स्नातकोत्तर डिग्री (एम.एससी.)।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **क्वालिटी कंट्रोल लेबोरेट्री** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
8	**कनिष्ठ लेखाकार** वेतनमानः रु. 29,000–1,20,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 28 वर्ष, ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–5	सीए/आईसीडब्ल्यू में इंटरमीडियट अथवा उसके समकक्ष। **अथवा** न्यूनतम **60% अंकों** के साथ वाणिज्य (एम.कॉम) में न्यूनतम **2 वर्ष** का स्नातकोत्तर डिग्री। अभ्यर्थी को पर्सनल कंप्यूटर के प्रचालन में दक्ष होगा चाहिए तथा उसके पास कार्यालय परिवेश में कंप्यूटर अप्लीकेशन (एमएस ऑफिस आदि) में सामान्य ज्ञान एवं कौशल होना चाहिए।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) अथवा निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के **वित्त/लेखा** विभागों में उस संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में योग्यता पश्चात् न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
9	**तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अ.जा. श्रेणी के लिए 31 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी–अ.जा. के लिए 41 वर्ष	एस–3	न्यूनतम **55% अंकों** के साथ **03 वर्षीय** विज्ञान (बी.एससी.) (केमिस्ट्री सहित) में स्नातक डिग्री।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **क्वालिटी कंट्रोल लेबोरेट्री** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **01 (एक)** वर्ष का इन–लाइन.अनुभव।
10	**ऑपरेटर (केमिकल)** वेतनमानः रु. 24,500 – 90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष, ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	न्यूनतम **55% अंकों** के साथ फिज़िक्स, केमिस्ट्री तथा मैथमैटिक्स विषयों के साथ न्यूनतम **3 वर्ष** का विज्ञान (बी.एससी.) में स्नातक डिग्री। **अथवा** न्यूनतम **55% अंकों** के साथ केमिस्ट्री में न्यूनतम **3 वर्ष** का बी.एससी (ऑनर्स)।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **केमिकल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **01 (एक)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
11	**तकनीशियन (इलेक्ट्रिकल)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष, ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	मैट्रिक के साथ इलेक्ट्रिकल/वायरमैन ट्रेड में आईटीआई ट्रेडमैनशिप/राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण–पत्र।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **इलेक्ट्रिकल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
12	**तकनीशियन (इंस्ट्रूमेंटेशन)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	मैट्रिक के साथ इंस्ट्रूमेंटेशन ट्रेड में आईटीआई ट्रेडमैनशिप/राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण–पत्र।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
13	**तकनीशियन (मैकेनिकल)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	मैट्रिक के साथ फिटर/डीज़ल मैकेनिक/मैकेनिस्ट/टर्नर ट्रेड में आईटीआई ट्रेडमैनशिप/राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण–पत्र।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **मैकेनिकल विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
14	**तकनीशियन (टेलीकॉम एवं टेलीमेट्री)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष ओबीसी(एनसीएल)/अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	मैट्रिक के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स/दूरसंचार ट्रेड में आईटीआई ट्रेडमैनशिप/राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण–पत्र।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **टेलीकॉम/टेलीमेट्री** विभाग में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
15	**ऑपरेटर (अग्नि)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा. श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	**10+2 अथवा इसके समतुल्य** के साथ न्यूनतम **06 माह** का फायरमैन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं भारी वाहन/फायर टेंडर के लिए ड्राइविंग लाइसेंस; पंप/अन्य अग्निशमन उपकरण चलाने में दक्षता।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **अग्नि एवं संरक्षा विभाग** में योग्यता पश्चात न्यूनतम **02 (दो)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर
नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर
खण्डवा रोड भंवर कुंआ इंदौर

दूरभाष नं. : 0731-2920465, E-mail : gpetcindore2014@gmail.com

क्रमांक/पीईटीसी/2024/317-18 इंदौर, दिनांक 16.08.2024

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने वाले अनु. जाति, अनु. जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली राज्य सिविल सेवा की आगामी प्रारंभिक परीक्षा 2025 में नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिये, सम्मिलित होने वाले प्रदेश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र उम्मीदवारों द्वारा निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। प्रशिक्षण प्रारंभ होने की संभावित तिथि 01.10.2024 होगी। आवेदन कार्यालयीन समय में दिनांक 23.09.2024 तक जमा किये जा सकेंगे।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की शर्तें :–

1. वो आवेदक जो स्नातक में न्यूनतम 55% अंकों से उत्तीर्ण हुये हों, आवेदन के साथ 2025 की प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने का घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
2. आवेदक म.प्र. का मूल निवासी एवं अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग का हो।
3. सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त आय प्रमाण-पत्र (आय सीमा 6.00 लाख) जाति प्रमाण-पत्र एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र लगाने अनिवार्य होंगे।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष व अधिकतम 35 वर्ष है।
5. आवेदक ने अनुसूचित जाति विकास के अंतर्गत संचालित किसी भी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्व में प्रशिक्षण न प्राप्त किया हो।
6. आवेदन पत्र के साथ अभिप्रमाणित अंकसूचियां, आधार कार्ड, स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की छायाप्रति एवं 02 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो अनिवार्य रूप से संलग्न करें। अधूरे आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
7. आवेदक किसी अन्य संस्था/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नियमित छात्र/छात्रा न हो।
8. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
9. पात्रतानुसार 500 रु. प्रतिमाह शिष्यवृत्ति की पात्रता होगी। 10. छात्रावास सुविधा नहीं है।
11. पात्रता रखने पर आवास भत्ता नियमानुसार जिला कार्यालय से प्रदाय होगा।

आवेदन जमा करने का पता - कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. तक्षशिला परिसर इंदौर। दूरभाष क्र. 0731-2920465

प्राचार्य
(शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर)

संभावित प्रशिक्षण प्रारंभ दिनांक 01.10.2024 अजा./अजजा.

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर
म.प्र. लोक सेवा आयोग 2025 की प्रारंभिक परीक्षा के प्रशिक्षण हेतु आवेदन-पत्र

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में .....अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम :– .....
3. माता का नाम :– .....
4. जन्म दिनांक :– .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिन कोड सहित :–ग्राम.....तहसील.....जिला.....पिनकोड.....
6. स्थाई निवास का पता :– ग्राम.....तहसील.....जिला.....पिनकोड.....
7. जाति :– ..... उपजाति .....
8. परिवार के मुखिया का व्यवसाय :– .....मुखिया की वार्षिक आय .....
9. स्वयं के मोबाइल नंबर :– .....पिता का मो.नं. .....
10. आवेदक का ई-मेल आई.डी. .....
11. शैक्षणिक योग्यता :–

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	रिमार्क
1	हाईस्कूल ( )					
2	हायर सेकेंड्री ( )					
3	स्नातक					
4	अन्य					

12. संलग्न :– 1. आय, जाति, मूल निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां। 2. हाईस्कूल, हा.से. एवं स्नातक की अंकसूचियों की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां। 3. आधार कार्ड की छायाप्रति। 4. आधर के लिंक स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की फोटोकॉपी। 5. एक अतिरिक्त रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो भी संलग्न करें।

दिनांक :– हस्ताक्षर आवेदक .....
नाम :– .....
पता :– .....
मो.नं. :– .....

घोषणा पत्र

मैं .....घोषणा करता हूं/करती हूं कि संस्थान में अनुशासन, मर्यादा, समय प्रबंधन का पालन करते हुये संस्था में नियमित उपस्थित रहकर सभी मूल्यांकन दूंगा/दूंगी। म.प्र. लोक सेवा आयोग 2025 की प्रारंभिक परीक्षा में अवश्य सम्मिलित होउंगा/होउंगी एवं रोल नं. प्राप्त होने पर तत्काल संस्था को अवगत कराऊंगा/कराऊंगी। उल्लंघन करने पर मेरा नाम तत्काल प्रभाव से खरिज किया जा सकता है।

स्थान :– हस्ताक्षर आवेदनकर्ता
दिनांक :– नाम.....

जी-15282/49985/2024

(पिछले पृष्ठ का शेष)

क्र.सं.	पद का नाम	ग्रेड	अनिवार्य योग्यताएं	न्यूनतम अनिवार्य अनुभव/प्रत्यय–पत्र
16	**ऑपरेटर (ब्वॉयलर)** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित पद के लिए 26 वर्ष, ओबीसी(एनसीएल)/अ.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	मैट्रिक पास के साथ आईटीआई ट्रेडमैनशिप/राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण–पत्र तथा द्वितीय श्रेणी का ब्वॉयलर एटेंडेंट दक्षता प्रमाण पत्र। **अथवा** न्यूनतम **55% अंकों** के साथ फिज़िक्स, केमिस्ट्री तथा मैथमैटिक्स विषयों के साथ विज्ञान (बीएससी) में स्नात्तक डिग्री एवं द्वितीय श्रेणी का ब्वॉयलर एटेंडेंट दक्षता प्रमाण पत्र।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों) और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **ऑपरेशन एंड मेंटेनेन्स ऑफ ब्वॉयलर** में द्वितीय श्रेणी का ब्वॉयलर एटेंडेंट दक्षता प्रमाण पत्र के उपरान्त न्यूनतम **01 (एक)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
17	**लेखा सहायक** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष, ओबीसी (एनसीएल)/अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए लागू आयु छूट सहित	एस–3	न्यूनतम **55%** अंकों के साथ वाणिज्य (बी.कॉम) में **न्यूनतम 03 वर्ष** की अवधि की स्नातक डिग्री। अभ्यर्थी को कार्यालय परिवेश में कंप्यूटर एप्लीकेशनों (एमएस ऑफिस–एक्सेल, पॉवर प्वाइंट, वर्ड आदि) का बुनियादी ज्ञान और कौशल होना चाहिए।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों)/ और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **वित्त/लेखा विभाग** में योग्यता पश्चात् न्यूनतम **01 (एक)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।
18	**व्यापार सहायक** वेतनमानः रु. 24,500–90,000/– ऊपरी आयु सीमाः अनारक्षित/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए 26 वर्ष, ओबीसी (एनसीएल)/एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आयु सीमा में छूट लागू	एस–3	न्यूनतम **55%** अंकों के साथ व्यवसाय प्रशासन (बीबीए/बीबीएस/बीबीएम) में न्यूनतम **03 वर्ष** की अवधि की स्नातक डिग्री। अभ्यर्थी को कार्यालय परिवेश में कंप्यूटर एप्लीकेशनों (एमएस ऑफिस–एक्सेल, पॉवर प्वाइंट, वर्ड आदि) का बुनियादी ज्ञान और कौशल होना चाहिए।	राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग(गों)/संस्थान(नों)/उपक्रम(मों)/ और/अथवा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित बड़े संगठन(नों)/संस्थान(नों)/ कंपनी(कंपनियों) के संयंत्र/उपक्रम/संगठन के कार्मिक के रूप में **मानव संसाधन/वित्त/लेखा/संविदा एवं प्रापण/क्रय/भंडार/प्रशासन/लिपिकीय/सचिवीय/विपणन क्षेत्र में** योग्यता पश्चात् न्यूनतम **01 (एक)** वर्ष का इन–लाइन अनुभव।

2. **अनारक्षित/ओबीसी (एनसीएल)/ईडब्ल्यूएस श्रेणी हेतु अनिवार्य योग्यता के लिए अंक निर्दिष्ट किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों हेतु लागू 5% की छूट इन श्रेणियों में उपलब्ध रिक्तियों के लिए प्रदान की जाएगी।**
3. अ.जा./अ.ज.जा. श्रेणी के अभ्यर्थी यदि ऐसे पदों के लिए आवेदन कर रहे हैं, जो ऐसी श्रेणी के लिए आरक्षित नहीं है, तो उनकी योग्यता पर सामान्य मानक के तहत विचार किया जाएगा और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में उत्तीर्ण अंकों के प्रतिशत और साथ ही आयु सीमा में कोई छूट प्रदान नहीं की जाएगी।
4. पी.डब्ल्यू.बी.डी. श्रेणी के अभ्यर्थी यदि ऐसे पदों के लिए आवेदन कर रहे हैं, जो ऐसी श्रेणी के लिए आरक्षित नहीं है, तो उनकी योग्यता पर सामान्य मानक के तहत विचार किया जाएगा और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में उत्तीर्ण अंकों के प्रतिशत में कोई छूट प्रदान नहीं की जाएगी। तथापि, पी.डब्ल्यू.बी.डी. श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा में छूट लागू होगी, भले ही पद उनके लिए आरक्षित हों अथवा नहीं, बशर्ते कि संबंधित पद पी.डब्ल्यू.बी.डी श्रेणी के अभ्यर्थी के लिए उपयुक्त हों ।
5. ग्रेड–वार पदों की सं., विभाग, योग्यता मानदंड के विस्तृत विवरणों, ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए सामान्य शर्तों और अनुदेशों से सम्बंधित सूचना दिनांक **08.08.2024** को **1100** बजे से दिनांक **07.09.2024 को 1800 बजे** तक गेल वेबसाइट **www.gailonline.com के 'कॅरियर्स'** सेक्शन पर उपलब्ध है।
6. उपर्युक्त विज्ञापन में किसी संशोधन, स्पष्टीकरण, परिशिष्ट, शुद्धिपत्र, समय विस्तार, आदि को केवल गेल की वेबसाइट **www.gailonline.com** के **"कॅरियर्स"** खंड में अपलोड किया जाएगा और किसी भी मीडिया में अलग से कोई अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे खुद को अपडेट रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें। इसके अलावा, अभ्यर्थियों को यह भी सलाह दी जाती है कि किसी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए गेल वेबसाइट **(https://gailonline.com/CRApplyingGail.html)** पर विज्ञापन के तहत होस्ट किए गए FAQs देखें।
7. आवेदक द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सिफारिश किए जाने से उसकी उम्मीदवारी अयोग्य घोषित कर दी जाएगी। इस विज्ञापन के एवज में भर्ती के संबंध में उत्पन्न कोई भी विवाद **दिल्ली उच्च न्यायालय** के क्षेत्राधिकार के अधीन होगा।
8. गेल एतद्द्वारा आम जनता को सतर्क करता है कि वे संदिग्ध एजेंसियों/संगठनों/व्यक्तियों/लोगों के बहकावे में न आएं जिनका उद्देश्य मासूम लोगों से पैसा हड़पना होता है। ई–मेल, फर्जी सोशल मीडिया एकाउंट्स आदि के माध्यम से परिचालित गेल (इंडिया) लिमिटेड के किसी भी विज्ञापन/नौकरी की घोषणा पर भी कृपया विश्वास न करें। कृपया गेल (इंडिया) लिमिटेड से संबंधित किसी भी कॅरिअर संबंधी जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.gailonline.com** पर अपलोड की गई जानकारी पर ही भरोसा करें।

गेल के 'कॅरियर्स' सेक्शन पर जाने के लिए QR कोड स्कैन करें

नोट : इस विज्ञापन के हिन्दी रूपांतरण में निहित किसी भी शर्त की किसी व्याख्या के संबंध में कोई संदेह/अस्पष्टता होने की स्थिति में विज्ञापन का अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड

रावतभाटा राजस्थान साइट
पोस्ट-अणुशक्ति, वाया-कोटा (राज.) पिन-323303
(भारत सरकार का उद्यम)

विज्ञापन सं. आर.आर. साइट/मा.सं.प्र./04/2024
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की आरम्भ तिथि: 22/08/2024 को 10:00 hrs. बजे से
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख: 11/09/2024 को 16:00 hrs. बजे तक

एनपीसीआईएल, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक अग्रणी उद्यम है, जो कि भारत में एक ही स्थान पर नाभिकीय प्रौद्योगिकी के सभी पहलुओं यथा नाभिकीय रिएक्टरों के लिए स्थल चयन, अभिकल्पन, निर्माण, कमिशनिंग, प्रचालन, अनुरक्षण, पुनरुद्धार, आधुनिकीकरण, अपग्रेडेशन, संयंत्र आयु विस्तार, अपशिष्ट प्रबंधन एवं डीकमिशनिंग की व्यापक क्षमता रखता है. रावतभाटा राजस्थान साइट पात्र भारतीय नागरिकों से विभिन्न चुनौतीपूर्ण उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है:-

क्र. सं.	पदों के नाम	कुल (A)	वर्तमान रिक्तियां						बैकलॉग रिक्तियां					कुल (A+B)
			अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व. (गैर-क्रीमी लेयर)	ईडब्ल्यू-एस	अना.	बे.निज	कुल (B)	अ.जा.	अज़जा.	अ.पि.व. (गैर-क्रीमी लेयर)	बे.निज	
1.	श्रेणी-II वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) प्रचालक	152	26	20	30	15	61	07	01	00	00	00	01	153
2.	श्रेणी-II वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) अनुरक्षक	115	19	14	23	11	48	05	11	00	06	00	05	126
	कुल	267	45	34	53	26	109	12	12	00	06	00	06	279

विधावार वितरण

श्रेणी-II वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) अनुरक्षक

क्र. सं.	विधा	वर्तमान रिक्तियां							बैकलॉग रिक्तियां					
		कुल (A)	अ.जा.	अज़जा.	अ.पि.व. (गैर क्रीमी लेयर)	ईडब्ल्यू-एस	अना.	बे.निज	कुल (B)	अ.जा.	अज़जा.	अ.पि.व. (गैर क्रीमी लेयर)	बे.निज	कुल (A+B)
a	इलेक्ट्रिशियन	26	04	03	05	03	11	01	02	00	00	00	02	28
b	फिटर	52	09	07	10	05	21	02	02	00	00	00	02	54
c	इलेक्ट्रॉनिक्स	08	01	01	02	01	03	-	06	00	06	00	00	14
d	इंस्ट्रूमेंटेशन	25	04	03	05	02	11	01	01	00	00	00	01	26
e	मशीनिस्ट/टर्नर	02	00	00	01	00	01	-	00	00	00	00	-	02
f	वेल्डर	02	01	00	00	00	01	01	00	00	00	00	-	02
	कुल	115	19	14	23	11	48	05	11	00	06	00	05	126

Note: i) उपरोक्त पदों में कुल 12 रिक्तियां क्षैतिज रूप से बे.निज अभ्यर्थियों के लिए वर्तमान की कुल 267 रिक्तियों में से आरक्षित हैं.
ii) एनपीसीआईएल में बेंचमार्क निःशक्तजन हेतु चिन्हित रिक्तियां हैं निःशक्तता 40% से कम नहीं होनी चाहिए.
iii) संक्षिप्त अजा-अनुसूचित जाति, **अजजा**-अनुसूचित जनजाति, **अपिव**- (गैर क्रीमी लेयर) अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमी लेयर), **बे.निज**-बेंचमार्क निःशक्तजन, **ईडब्ल्यूएस**-इकॉनोमिकली विकर सेक्शन (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग,), **अना.**-अनारक्षित.

अनिवार्य अर्हता, आयु सीमा, वेतन लेवल :

क्रम सं.	पदों के नाम	अनिवार्य अर्हता	आयु सीमा 11/09/2024	वेतन लेवल (सातवें सीपीसी के संशोधित वेतन अनुसार)
1.	श्रेणी- II वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) प्रचालक	HSC (10+2) अथवा ISC विज्ञान विषयों के साथ (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित विषय के साथ) सामूहिक रूप से कम से कम 50% अंक होने चाहिए. कम से कम एसएससी स्तरीय परीक्षा में अंग्रेजी एक विषय के रूप में होना चाहिए.	18 से 24 वर्ष	रु. 21,700/- (वेतन मैट्रिक्स में वेतन लेवल-3)
2.	श्रेणी- II वृत्तिकाग्राही प्रशिक्षु (एसटी/टीएन) अनुरक्षक	SSC (10th) विज्ञान एवं गणित विषय में अलग-अलग 50% न्यूनतम अंक एवं संबंधित ट्रेड (इलेक्ट्रिशियन/फिटर/इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स/मशीनिस्ट/टर्नर/वेल्डर) में दो वर्ष का आईटीआई प्रमाणपत्र. उन ट्रेडों के लिए जिनकी ITI कोर्स की अवधि 2 वर्ष से कम हैं, संबंधित अभ्यर्थियों को कोर्स समाप्ति के बाद संबंधित क्षेत्र में कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए. कम से कम SSC स्तरीय परीक्षा में अंग्रेजी एक विषय के रूप में होना चाहिए. **नोट: 1)** आईटीआई का प्रमाणपत्र उस संकाय (ट्रेड) में होना चाहिए जिसका संबंध ओ एंड एम में प्रशिक्षण एवं नियुक्ति के क्षेत्र से हों. **2)** उन संकाय (ट्रेडों) में जिनकी आईटीआई के पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्षों से कम है तथा अभ्यर्थी ने पाठ्यक्रम समाप्त होने के पश्चात विभिन्न उद्योगों/संस्थाओं में उस संकाए में एक वर्ष का शिक्षुता प्रशिक्षण पूर्ण किया हो तो उसे एक वर्ष का अनुभव माना जाएगा. इंटरशिप की अवधि को अनुभव नहीं माना जाएगा.		

विस्तृत विज्ञापन एनपीसीआईएल की वेबसाइट **"https://www.npcilcareers.co.in"** पर दिनांक **22/08/2024 10:00** बजे से उपलब्ध होगा. इस भर्ती से संबंधी कोई अन्य सूचना/शुद्धिपत्र/अनुशेष आदि **"https://www.npcilcareers.co.in"** पर अपलोड किए जाएंगे.

उप प्रबंधक (मा.सं.प्र.)

एनपीसीआईएल, महिला-पुरुष समानता वाला कार्यबल तैयार करने के लिए प्रयत्नशील है और महिला आवेदकों को आवेदन हेतु प्रोत्साहित किया जाता है.

न्यूक्लियर विद्युत - एक स्वच्छ टिकाऊ भविष्य

''स्वच्छ रहो, स्वस्थ रहो''
एनपीसीआईएल, भारत सरकार द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत मिशन को प्रोत्साहित करता है.
न्यूक्लियर विद्युत -एक अपरिहार्य विकल्प

हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड

(एनटीपीसी, सीआईएल, आईओसीएल, एफसीआईएल और एचएफसीएल का संयुक्त उद्यम)

विज्ञापन संख्या : E/4/2024

नियमित आधार पर कार्यपालकों की भर्ती

क्र. सं.	पद/संवर्ग	विभाग	ऊपरी आयु सीमा (वर्षों में)	रिक्तियों की संख्या	न्यूनतम शैक्षिक योग्यता	योग्यता के बाद आवश्यक कार्यपालक कार्य अनुभव के न्यूनतम वर्ष	प्रस्तावित लगभग सीटीसी (लाख रुपए में)
1.	अपर मुख्य प्रबंधक	रासायनिक (अमोनिया)	44	01	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ रासायनिक/रासायनिक प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री/ एएमआईई.	16	33.50
	वरिष्ठ प्रबंधक		42			14	29.78
	प्रबंधक		40	02		12	26.06
2.	अपर मुख्य प्रबंधक	रासायनिक (यूरिया)	44	01	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ रासायनिक/रासायनिक प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री/ एएमआईई.	16	33.50
	वरिष्ठ प्रबंधक		42			14	29.78
	प्रबंधक		40	03		12	26.06
3.	अपर मुख्य प्रबंधक	रासायनिक (ओ एंड यू)	44	01	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ रासायनिक/रासायनिक प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री/ एएमआईई.	16	33.50
	वरिष्ठ प्रबंधक		42			14	29.78
	अभियंता		30	02		02	13.92
4.	अपर मुख्य प्रबंधक	रासायनिक (प्रोसेस इंजीनियरिंग)	44	02	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ रासायनिक /रासायनिक प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री/ एएमआईई.	16	33.50
	वरिष्ठ प्रबंधक		42			14	29.78
5.	अपर मुख्य प्रबंधक	विपणन	44	01	यूजीसी/एआईसीटीई द्वारा मान्यताप्राप्त बी.एससी. (कृषि) के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ कृषि में एम.एससी. अथवा (बी.एससी. (कृषि)/किसी भी विषय में बी.टेक.) के साथ (विपणन/कृषि-व्यवसाय विपणन/ग्रामीण प्रबंधन) में पूर्णकालिक एमबीए /पीजीडीबीएम (न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक).	16	33.50
	वरिष्ठ प्रबंधक		42			14	29.78
6.	वरिष्ठ प्रबंधक	वित्त	42	02	सीए या सीएमए या वित्त में विशेषज्ञता के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ दो वर्षीय एमबीए (दोहरी विशेषज्ञता या सामान्य एमबीए वाले उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे).	14	29.78
7.	प्रबंधक	विधिक	40	01	मान्यताप्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय/संस्थान से पूर्णकालिक आधार पर न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ विधि में 3 वर्षीय स्नातक डिग्री (एलएलबी)/5 वर्षीय एकीकृत विधि डिग्री.	12	26.06
8.	अभियंता	मैकेनिकल	30	01	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पूर्णकालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री /एएमआईई.	02	13.92
9.	अभियंता	इंस्ट्रूमेंटेशन	30	05	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ (इंस्ट्रूमेंटेशन या इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल या औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन या प्रोसेस कंट्रोल इंस्ट्रूमेंटेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंट्रोल या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन) में पूर्ण-कालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री/एएमआईई.	02	13.92
10.	अभियंता	इलेक्ट्रिकल	30	01	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पूर्णकालिक संस्थागत इंजीनियरिंग डिग्री/एएमआईई.	02	13.92
11.	अधिकारी	ईएंडक्यूसी	30	02	न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ (रसायन विज्ञान या अकार्बनिक रसायन विज्ञान या विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान या भौतिक रसायन विज्ञान या औद्योगिक रसायन विज्ञान) में पूर्णकालिक संस्थागत विज्ञान परास्नातक डिग्री.	02	13.92

परिलब्धि

क्र.सं.	पदनाम	वेतनमान
1.	अपर मुख्य प्रबंधक	90000-240000
2.	वरिष्ठ प्रबंधक	80000-220000
3.	प्रबंधक	70000-200000
4.	अधिकारी/अभियंता	40000-140000

महत्वपूर्ण तिथियां

क्र.सं.	विवरण	तिथि
1.	आवेदन जमा करना आरंभ होने की तिथि (अपराह्न 1:00 बजे से)	06.08.2024
2.	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि (अपराह्न 5:00 बजे बंद)	31.08.2024
3.	आयु एवं अनुभव की गणना हेतु कट-ऑफ तिथि	30.06.2024

कोर 3 एवं 4, 9वीं मंजिल, स्कोप मीनार, लक्ष्मी नगर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, दिल्ली-110092

विवरण के लिए हमारी वेबसाइट : www.hurl.net.in (कॅरिअर खंड) देखें.

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मंडीदीप जिला-रायसेन (म.प्र.)

क्रमांक/2543/स्थापना/दिव्यांगजन पदपूर्ति/2024 **मंडीदीप, दिनांक: 21.08.2024**

दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था./एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए 11 (ग्यारह) पद का नाम - सफाई संरक्षक (चतुर्थ श्रेणी) के आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में **आवेदन पत्र भर कर दिनांक 05.09.2024 कार्यालयीन समय सायं 5.00 बजे तक** आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्यांजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है :–

सरल क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टिबाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता		
1.	सफाई संरक्षक	चतुर्थ	4440-7440 +1300 लेवल 01	1	1	1	1	पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण	पृथक से डाक एवं मेल के माध्यम से सूचित किया जावेगा।
2.	सफाई संरक्षक (संविदा)		8000/- प्रतिमाह का वर्तमान प्रचलित कलेक्टर दर पर जो भी अधिक हो	2	1	2	2		
योग :–				3	2	3	3	कुल 11	

मुख्य शर्तें :–

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावें।
3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग - अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/निःशक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।
4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है।
6. निःशक्तता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा। दिव्यांगता के डिजिटल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता दिनांक 01.06.2021 से लागू की गई है। अतः उक्त तिथि के पूर्व जारी मैन्युअल दिव्यांगता प्रमाण-पत्र भी मान्य होंगे।
7. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा।
8. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
9. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
10. भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निगम/निकाय से प्राप्त की जा सकती है।
11. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।
12. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि पूर्ण करता है।
13. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
14. सीधी/बैकलॉग के पदों पर आवेदक राष्ट्रीय पेंशन योजना, 2005 अंतर्गत नियुक्ति होंगे।
15. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।
16. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण है एवं विहित प्रारूप में नहीं है वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हो जो रूपांतरित किये गये हो, वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गये हो, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे।
17. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग है यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।
18. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के निःशक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।
19. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यर्थी जिसके 02 से अधिक जीवित संतानें हैं, जिसमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हुआ है तो ऐसा अभ्यर्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक संतानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा।
20. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी, 3-13/2019/3/एक भोपाल, दिनांक 12 दिसंबर 2019 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर चयन होने पर अभ्यर्थी 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर नियुक्त होगा। परिवीक्षा अवधि में अभ्यर्थी को प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायपेंड के रूप में दी जायेगी।
21. दिव्यांजनों हेतु चिह्नांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगरपालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी।
22. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी के पास सुरक्षित होंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, मण्डीदीप
जिला-रायसेन, (म.प्र.)

मंकीपॉक्स के नियंत्रण-बचाव करने के लिए गाइड लाइन का पालन हो

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मध्यप्रदेश में मंकीपॉक्स से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि मंकी पॉक्स से बचाव के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन सुनिश्चित किया जाये और आवश्यक प्रबंध किए जायें। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उल्लेखनीय है कि मंकीपॉक्स बीमारी का केंद्र वर्तमान में अफ्रीका के देशों में है। इस बीमारी का प्रथम प्रकरण भारत में 14 जुलाई 2022 को केरल में पाया गया था, उसके बाद 30 लेबोरेटरी कन्फर्म प्रकरण केरल एवं दिल्ली में पाये गये, 27 मार्च 2024 के बाद कोई नया प्रकरण नहीं पाया गया है।

व्यक्तियों की पहचान करने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन अनुसार सभी संदिग्ध प्रकरणों को चिह्नांकित स्वास्थ्य सुविधाओं में अलग रखा जाएगा। उपचार करने वाले चिकित्सक द्वारा आइसोलेशन समाप्त करने का निर्णय लेने पर ही स्वास्थ्य संस्था से डिस्चार्ज करने के निर्देश हैं। ऐसे सभी संभावित प्रकरण एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के जिला सर्विलेंस अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। संभावित संक्रमण की स्थिति में मंकीपॉक्स वायरस परीक्षण के लिए प्रयोगशाला का सैंपल एनआईवी पुणे भेजे जाएंगे। मंकीपॉक्स का पॉजिटिव प्रकरण पाये जाने पर कांटैक्ट ट्रेसिंग कर विगत 21 दिनों में रोगी के संपर्क में आये व्यक्तियों की पहचान करने के निर्देश हैं।

वायरल जूनोटिक बीमारी है

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 14 अगस्त, 2024 को (मंकीपॉक्स) बीमारी को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न (पीएचईआईसी) घोषित किया गया है। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के ऊष्ण कटिबंधीय वर्षा वन क्षेत्रों में पायी जाती है। मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी को सामान्यतः बुखार, रेश और लिम्फ नोड्स में सूजन पाई जाती है। कुछ रोगियों में चिकित्सकीय जटिलताएं हो सकती हैं। मंकीपॉक्स एक स्व-सीमित संक्रमण है जिसके लक्षण सामान्यतः 2-4 सप्ताह में समाप्त हो जाते हैं।

आपस में फैलने का भय

मंकीपॉक्स वायरस पशुओं से मनुष्य में और मनुष्य से मनुष्य में भी फैल सकता है। उक्त वायरस कटी-फटी त्वचा, रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट या म्यूकस मेम्ब्रेन (आंख, नाक या मुंह) के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। संक्रमित पशु एवं वन्य पशु से मानव में वायरस का संचरण काटने, खरोंचने, शरीर के तरल पदार्थ एवं घाव से सीधे अथवा अप्रत्यक्ष संपर्क (जैसे दूषित बिस्तर) के माध्यम से हो सकता है। मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण मुख्य रूप से लार्ज रेस्पिरेटरी ड्रॉपलेट्स के माध्यम से सामान्यतः पर लंबे समय तक निकट संपर्क से होता है। वायरस शरीर के तरल पदार्थ, घाव के सीधे संपर्क के माध्यम से और घाव के साथ अप्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से भी प्रसारित हो सकता है।

खेल मंत्री से पर्वतारोही भगवान सिंह ने की मुलाकात

भोपाल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की सबसे ऊंची माउंट कोसियुज्को पर तिरंगा लहरा कर भोपाल पहुंचने पर पर्वतारोही श्री भगवान सिंह कुशवाह को उनकी प्रशंसा कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री कुशवाह ने 15 अगस्त के दिन वहाँ पर सर्वप्रथम पहुंचकर 'हर घर तिरंगा' अभियान अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज लहराया। श्री कुशवाह खेल एवं युवा कल्याण विभाग की राज्य वॉटर स्पोर्ट अकादमी के कर्मचारी हैं। श्री कुशवाह माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले पहले मध्यप्रदेश के पर्वतारोही भी हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2023 में श्री कुशवाह को साहसी खेल में विक्रम अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए ऊर्जा विभाग शासकीय सेवा में सहायक ग्रेड-3 के पद पर नियुक्ति प्रदान की है।

आवेदन का प्रारूप

स्व-प्रमाणित पासपोर्ट साइज का फोटो चस्पा करें

प्रति,
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, मंडीदीप
जिला-रायसेन (म.प्र.)
पता - वार्ड-12 मंगल मार्केट मंडीदीप-462046

1. आवेदक/आवेदिका का पूरा नाम .....
2. आवेदक/आवेदिका के पिता/पति का नाम .....
3. आवेदक/आवेदिका की माता का नाम .....
4. आवेदक/आवेदिका की जन्मतिथि (जन्म प्रमाण पत्र/हाईस्कूल की अंकसूची अनुसार) वर्ष ..... माह.....दिन.....
5. दिनांक .....को आयु वर्ष .....माह .....दिन.....
6. आवेदक/आवेदिका का लिंग (पुरुष/महिला/अन्य) .....
7. निःशक्तता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी (हां/नहीं) .....
8. दिव्यांगता की श्रेणी एवं दिव्यांगता का प्रतिशत .....
9. आवेदक/आवेदिका की जाति .....
10. आवेदक/आवेदिका का यदि विवाहित हो तो विवाह के प्रमाण-पत्र अनुसार विवाह की दिनांक .....
11. जीवित संतानों का विवरण .....
12. वर्तमान पता/पिन कोड .....
13. स्थाई पता/पिन कोड .....
14. पत्राचार का पता/पिन कोड .....
15. रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन क्रमांक एवं रोज़गार कार्यालय का नाम .....
16. सीधी भर्ती/संविदा पद हेतु अनुभव का विवरण .....
17. शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यताएं (प्रमाण-पत्रों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न करें)

क्र.	परीक्षा का नाम	संस्था बोर्ड/ विश्वविद्यालय का नाम	विषय	कुल अंक	प्राप्त अंक	प्रतिशत	श्रेणी

18. अनुभव यदि हो तो उसका विवरण .....
19. अतिरिक्त विशेष योग्यता यदि हो तो उसका विवरण .....
20. ई-मेल आई.डी. .....
21. मोबाइल नंबर 1. ..... 2. .....

आवेदक के हस्ताक्षर एवं पूरा पता
.....

घोषणा-पत्र

''मैं घोषणा करता हूं/करती हूं कि उपरोक्त सभी जानकारी जो मेरे द्वारा दी गई है। यह मेरे विवेक एवं ज्ञान से पूर्णतः सत्य है। कोई भी जानकारी असत्य पाई जाने पर मेरा आवेदन निरस्त किया जावें।''

आर-49976/2024 **आवेदक के हस्ताक्षर**

बहनों के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास के रचेंगे नए-नए कीर्तिमान

उज्जैन, बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश में विकास के नए-नए कीर्तिमान रचेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने बहनों को मान-सम्मान दिलाने का काम किया है। पंचायत एवं स्थानीय निकायों के निर्वाचन में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान जारी रहेगा, जिससे बहनों का सशक्त नेतृत्व प्रदेश को मिलता रहेगा। उज्जैन के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के ग्राम लेकोडा में लाड़ली बहना रक्षाबंधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है।

लाड़ली बहनों के खाते में प्रतिमाह डाली जाने वाली 1250 रुपये की राशि के अतिरिक्त रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर शगुन के रूप में 250 रुपये की अलग से राशि अंतरित की गई है। उपस्थित सभी बहनों ने अपने हाथ खड़ा कर अपने खाते में राशि आने की सहमति जताई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सच्चे अर्थों में हमारे गांव संबंधों के महत्व को प्रदर्शित कर रहे हैं। तीज-त्योहार की संस्कृति आज भी गांवों में जीवित है। हमारे गांव और गांव के लोग बहनों के आदर सम्मान की शिक्षा पूरे विश्व को दे रहे हैं। भारत की कुटुंब परंपरा में माता-पिता और बहन के आशीर्वाद से ही सभी देवी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय उज्जैन से होगा संचालित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के संचालनालय के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

उज्जैन, मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि बाबा महाकाल की नगरी से धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय संचालित होगा। उज्जैन के गौरव में वृद्धि करने यह अवसर इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को एक नये शहर का गौरव देने का क्रम प्रदान किया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के संचालनालय के शुभारंभ अवसर को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष से उज्जैयिनी की एक अलग पहचान है। काल के प्रभाव में समय बदलता है। हर काल, हर युग, हर कल्प, हर समय और हर अवस्था में इस नगरी का अस्तित्व मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उज्जैन नगरी की बड़ी विशेषता है। हर काल में यह अलग-अलग नाम से विख्यात रही है। जिस युग में जैसा अनुभव आता हो इसकी मान्यता उसके अनुरूप हो जाती है। इसलिए उज्जैन के अनेक नाम हैं। एक नाम अवंतिका भी जिसका कभी अंत नहीं हुआ।

देवस्थलों के विकास के लिये 500 करोड़ का बजट प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सलकनपुर, दतिया और ओरछा सहित देव स्थानों का विकास किया जायेगा। प्रदेश में अलग-अलग देव स्थलों पर 13 लोक बनाए जा रहे हैं। मंदिर से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं के लिए यह कार्यालय बेहतर प्रबंधन करेगा। संचालनालय खुलने के साथ दो निर्णय लिए गए हैं। एक निर्णय जहां भगवान श्रीराम के चरण चिह्न पड़े हैं वहां पर तीर्थ के रूप में विकसित करेंगे। भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां लीलाएं हुई हैं वहां भी देव स्थान की तरह विकसित किया जायेगा और वे पर्यटन का केंद्र बनें। यही संचालनालय अपनी भूमिका निभाएगा। इसके लिये 500 करोड़ रुपये की राशि बजट में रखी है।

उज्जैन से संचालित होगा कार्यालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमिश्नरी का नया कार्यालय उज्जैन से संचालित होगा। बाबा महाकाल सहित सभी देव स्थानों के लिए धनराशि की मंजूरी इसी विभाग से होती है। मंदिरों के रख-रखाब की मंजूरी होती है। देव स्थान के लिए जाने वाली धर्मयात्राओं का संचालन इसी विभाग से होता है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए सूची का चयन और अन्य व्यवस्था भी यही विभाग करता है। मंदिरों के निर्माण के लिए भी 26 करोड़ रुपये का बजट भी इसी विभाग की कमिश्नरी के माध्यम से होगा।

प्रत्येक युवा को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना चाहिए

सागर, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि देश के हर युवा को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना चाहिए। तभी आने वाले समय में हम कई प्रकार की परेशानियों से बच पाएंगे। यह बात श्री राजपूत ने भारत भ्रमण पर 'एक पेड़ माँ के नाम' का संकल्प लेकर निकले युवकों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए कही।

श्री राजपूत ने कहा कि देश के हर युवा को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का पर्यावरण के लिए संदेश, संकल्प 'एक पेड़ माँ के नाम' अब जन अभियान बन चुका है और लोग जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने तीनों युवाओं के लिए नई साइकिल और जरूरी सामग्री इस अभियान के लिये दी।

'एक पेड़ माँ के नाम' का संकल्प तथा संदेश को लेकर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चंदौनी से विशाल ठाकुर, हीरालाल प्रजापति, राकेश ठाकुर साइकिल से निकले हैं। ये युवा पूरे भारत में भ्रमण करते हुए पौधरोपण करेंगे तथा जगह-जगह पौधा लगाते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएंगे।

समय-सीमा में पूर्ण करें भर्ती प्रक्रिया

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में मैनपावर उपलब्धता के संबंध में की जा रही कार्यवाही और अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सक, विशेषज्ञ, सहायक चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक स्टाफ की भर्ती के लिए सभी आवश्यक कार्यवाहियों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेषज्ञों की सीधी भर्ती के लिए प्राथमिकता के आधार पर प्रथम श्रेणी के 1085 पदों और द्वितीय श्रेणी के 895 चिकित्सा अधिकारी के पदों के लिए विज्ञप्ति जारी हो चुकी हैं।

रेशम से दवाइयां बनाने के लिये कार्य प्रारंभ

भोपाल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की 'रेशम से समृद्धि योजना' में नवाचार किये जा रहे हैं। नर्मदापुरम जिले के रेशम विकास केन्द्र मालाखेड़ी में रेशम से दवाइयों का उत्पादन करने के लिये कार्यवाही तेज कर दी गयी है। यहां दवाइयां बनाने के लिये गत माह फाई ब्रोहित कंपनी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, भोपाल के बीच एक अनुबंध हुआ। इस अनुबंध के तहत मालाखेड़ी रेशम विकास केन्द्र में रेशम के धागे से पॉवडर, क्रीम, सेरी बैंडेज एवं सिजेरियन बैंडेज आदि का निर्माण (उत्पादन) किया जाएगा। रेशम के धागे से दवाइयों के अलावा अन्य प्रकार के उत्पादन करने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। इस दिशा में जरूरी अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिये 50 करोड़ रुपये की आवश्यकता का मांग पत्र राज्य शासन को भेजा गया है।

न्यू सिल्क ईको सिस्टम किया विकसित

आयुक्त रेशम श्री मोहित बुंदस ने बताया कि रेशम के विकास एवं विस्तार से जुड़ी सेवाओं के त्वरित क्रियान्वयन (संपादन) के लिये रेशम से समृद्धि योजना में 'न्यू सिल्क ईको सिस्टम' विकसित किया गया है। इसके लिये मध्यप्रदेश सिल्क फेडरेशन को 100 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। रेशम विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन में जरूरत के अनुसार इस राशि का उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि रेशम संचालनालय की योजनाओं का क्रियान्वयन अब मध्यप्रदेश सिल्क फेडरेशन के माध्यम से किया जायेगा।

क्लस्टर एप्रोच मोड में क्रियान्वयन

आयुक्त रेशम ने बताया कि रेशम विकास के लिये एक और नवाचारी कदम उठाया जा रहा है। प्रदेश में रेशम विकास गतिविधियों का क्रियान्वयन अब क्लस्टर मोड में करने की शुरुआत कर दी गई है। रेशम गतिविधियों की पुनर्संरचना करते हुए न्यू सिल्क ईको सिस्टम विकसित करने के साथ ही पचमढ़ी में सिल्क टेक पार्क भी प्रारंभ किया गया। इसमें चार प्रकार के रेशम कोकून का उत्पादन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों से बंधवाई राखी

नागदा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रक्षाबंधन के दिन अचानक नागदा में बादीपुरा आजादपुर स्थित लाड़ली बहन आशा बौरासी के निवास पर पहुंचे। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अपने मुख्यमंत्री भैया को घर की चौखट पर देख लाड़ली बहना श्रीमती आशा बौरासी और श्रीमती अनीता बौरासी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। भावुक बहनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक उठे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बहनों को उपहार भेंट करते हुए लाड़ली बहना की राशि प्राप्त होने की जानकारी भी ली। बहनों ने सहर्ष बताया कि उनके खाते में इस बार 1250 रुपये के अलावा रक्षाबंधन की शगुन राशि 250 रुपये भी खाते में आए हैं।

प्रत्येक जिले में

स्थापित होंगे इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर

भोपाल, मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित होंगे, जिसके नोडल अधिकारी जिले के कलेक्टर रहेंगे। इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में संपन्न उच्च स्तरीय बैठक में आगामी 28 अगस्त को ग्वालियर में होने वाली रीजनल बिजनेस कॉन्क्लेव की तैयारियों की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने बैठक के साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए कॉन्क्लेव के सत्रों के आयोजन के बारे में चर्चा की। कॉन्क्लेव में लगभग 2500 प्रतिनिधि शामिल होंगे। कॉन्क्लेव के दौरान औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन का कार्य भी होगा। मुख्यमंत्री ने पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण और आईटी के क्षेत्र में संभावनाओं के पूर्ण दोहन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव में निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए भरपूर प्रयास किए जाएं। स्थानीय एवं बाहरी निवेशक दोनों का स्वागत करें। स्थानीय उद्योगपतियों की भी समस्याओं को जानकर उन्हें आवश्यक सहयोग करें। सभी कलेक्टर्स अपने जिलों में उपलब्ध ऐसी भूमि की जानकारी रखें जहां उद्योगों की स्थापना हो सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में कलेक्टर उद्योगपतियों से निरंतर संवाद बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में लघु और कुटीर उद्योगों के सहायता समूह की गतिविधियों के कार्यों को बढ़ाया जाए। साथ ही हैंडलूम और उद्यानिकी में भी कार्य हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीजनल बिजनेस कॉन्क्लेव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए

साइबर तहसील के संचालन के लिये तहसीलदारों की संख्या की गई दोगुनी

भोपाल, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने बताया कि साइबर तहसील के सुचारु संचालन के लिये तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की संख्या को बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। वर्तमान में साइबर तहसील भोपाल में 8 नायब तहसीलदार और 3 तहसीलदार पदस्थ थे। तहसीलदार और नायब तहसीलदार के 7-7 पद बढ़ाये गये हैं। अब साइबर तहसील में 10 तहसीलदार और 15 नायब तहसीलदार पदस्थ होंगे।

साइबर तहसील भोपाल द्वारा प्रदेश के सभी 55 जिलों में किसानों की जमीन के क्रय-विक्रय के लिए नामांतरण की ऑनलाइन कार्यवाही की जाती है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में जमीन की रजिस्ट्री होने के बाद किसानों को नामांतरण के लिये आवेदन नहीं करना पड़ता और तहसील के चक्कर भी नहीं लगाना पड़ते। रजिस्ट्री होते ही ऑनलाइन जानकारी साइबर तहसील पहुंचती है। साइबर तहसील में तहसीलदार द्वारा नामांतरण की पूरी कार्यवाही कर नामांतरण आदेश जारी किया जाता है। यह कार्यवाही 20 दिन की अवधि में पूरी हो जाती है। कार्यवाही पूरी होने पर नामांतरण आदेश और खसरा की प्रति संबंधित के मोबाइल पर व्हाट्स-अप और एसएमएस से भेजी जाती है। राजस्व मामलों में होने वाली विभिन्न कठिनाइयों को देखते हुए प्रदेश में साइबर तहसील की अवधारणा को सामने लाया गया है, इससे तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और प्रदेश को बनाएंगे नंबर वन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर के कराहल में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों के बोनस वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया

श्योपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर जिले के कराहल में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों के बोनस वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास का कारवां देश एवं प्रदेश में चल रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रदेश में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का बजट पारित किया गया है। हमारे प्रयास हैं कि हम अगले 5 वर्षों में इसे 7 लाख करोड़ रुपये तक ले जाएंगे। हमारा संकल्प देश और प्रदेश को नंबर एक बनाना है। उन्होंने कहा कि श्योपुर-विजयपुर-कराहल क्षेत्र में प्राकृतिक दृश्य अत्यंत समृद्ध है, परंतु विकास में अभी तक पिछड़ा हुआ था, अब हम इसे पीछे नहीं रहने देंगे। जनजातीय क्षेत्रों के विकास में भी कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 30 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2023 की 115 करोड़ रुपये की बोनस राशि का वितरण किया। इसी के साथ उन्होंने 37 करोड़ 67 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया, जिनमें 21 करोड़ 28 लाख रुपये के लोकार्पण एवं 16 करोड़ 39 लाख रुपये के शिलान्यास शामिल हैं। उन्होंने अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का वितरण भी किया।

एक लाख उपादान की सुविधा की घोषणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अनुसूचित जनजातियों के विकास और कल्याण में कोई कमी नहीं रखेगी। तेंदूपत्ता संग्राहकों में लगभग 50 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग शामिल हैं। ये लघु वनोपजों पर ही अपना जीवन यापन करते हैं। इन्हें वनोपज का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश में वर्ष 2007 तक तेंदूपत्ता संग्राहकों को 750 रुपये प्रति मानक बोरा दिए जाते थे, जिसे बढ़ाकर अब 4000 रुपये प्रति मानक बोरा निर्धारित किया गया है। आज प्रदेश के 30 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों के 13 लाख परिवारों को 953 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से बोनस का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केवल ग्वालियर सर्कल में ही 2 करोड़ से अधिक रुपये का बोनस बांटा जा रहा है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के शुद्ध लाभ को 50 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत किया गया है। प्रदेश में 500 बोरा तक संग्रहण वाली वनोपज समितियां के प्रबंधकों का मानदेय 13000 रुपये से बढ़ाकर 14000 रुपये तथा 500 से 2000 प्रति मानक बोरा तक संग्रहण वाली समितियां के प्रबंधकों के मानदेय को बढ़ाकर 15000 रुपये और जिन समितियों द्वारा 2000 मानक बोरे से अधिक का तेन्दूपत्ता संग्रहण किया जा रहा है उनके प्रबंधकों का मानदेय 15000 रुपये से बढ़ाकर 16000 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिति प्रबंधकों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति और एक लाख उपादान की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की।

बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजाति के पढ़े-लिखे युवाओं की करें सीधी भर्ती

भोपाल, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने गैस राहत संचालनालय के सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक ली। डॉ. शाह ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम जन-मन) की प्रगति की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि पीएम जन-मन के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश पूरे देश में अव्वल स्थान पर है। पीएम जन-मन में मध्यप्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजातीय बहुल 24 जिलों में चल रहे विभिन्न श्रेणी के विकास कार्यों में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। अब तक करीब 80 प्रतिशत मंजूर कार्य पूरे हो चुके हैं। जनजातीय कार्य मंत्री ने पीएम जन-मन की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया एवं सहरिया के पढ़े-लिखे युवाओं को शासन के नियमानुसार शासकीय सेवाओं में सीधी भर्ती के लिये अभियान चलायें। इन जनजातियों की बहुलता वाले हर जिले में पांच-पांच गांव आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किये जायें। इन गांवों में हर जरूरी विकास कार्य कराये जायें। बच्चों को विशेष पोषण आहार एवं देखभाल के लिये इन गांवों में मॉडल आंगनवाड़ियां भी तैयार की जायें।

राज्य सरकार प्रयास कर रही है

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि पीएम जन-मन के तहत स्वीकृत सभी प्रकार के विकास, कौशल उन्नयन एवं अधोसंरचात्मक निर्माण कार्य 31 अक्टूबर तक पूरे करने का प्रयास करें। इस योजना में सरकार 'गांव-गांव तक सड़क' बनाकर 'सबको पक्का घर' एवं 'हर-घर बिजली' पहुंचाने के लिये प्रयास कर रही है। पीएम जन-मन के तहत प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजाति की 11 लाख 42 हजार 719 आबादी के समग्र विकास के लिये केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर प्रयास कर रही है।

बच्चों के संस्कार में आना चाहिये कि जल अमृत है, इसे व्यर्थ न बहायें

देवास, आज जरूरी है कि बच्चों के संस्कार में आना चाहिये कि जल अमृत है, इसे व्यर्थ न बहायें। यदि यह कार्य शत-प्रतिशत होता है, तो देवास देश को मार्गदर्शन देने वाला शहर बन जायेगा। यह बात नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने देवास के मल्हार स्मृति मंदिर में हुए अमृत संचय अभियान को संबोधित करते हुए कही।

नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जल संचय के लिये अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि इंदौर में इस सीजन में अब तक जन-भागीदारी से 51 लाख पेड़ लगाये जा चुके हैं। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि एक पीपल का पेड़ 10 हजार से एक लाख लीटर पानी जमीन में पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि नर्मदा के किनारे नगरीय निकायों में एसटीपी लगाने का कार्य किया जायेगा।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मल्हार स्मृति मंदिर में पौध-रोपण भी किया। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि पूर्व में देवास में इंदौर से नर्मदा मैया का पानी लाना पड़ता था। अब क्षिप्रा नदी पर डेम बनने से देवास में तीसरी मंजिल तक पानी पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि अगले साल तक हमें एक हजार करोड़ लीटर वर्षा का जल बचाना है। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री विज्ञान भारती श्री प्रवीण रामदास ने भी संबोधित किया।

प्रदेश के 6 विद्यार्थियों को मिला केंद्रीय शिक्षा मंत्री से संवाद का मौका

नई दिल्ली, केन्द्र सरकार की पीएमश्री योजना के अंतर्गत संचालित पीएमश्री स्कूलों के 6 विद्यार्थियों को नई दिल्ली भ्रमण के दौरान केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान से परस्पर संवाद करने का मौका मिला। संवाद में इन विद्यार्थियों ने पीएमश्री स्कूल की गतिविधियों और इसमें अध्यापन व्यवस्था की जानकारी दी। पीएमश्री स्कूल के 6 छात्र पिछले दिनों 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिये नई दिल्ली गये थे। जिन छात्रों को यह अवसर मिला, उनमें भोपाल की महक, पन्ना के उमेश, सीधी के अमन, बैतूल की प्रणाली, जबलपुर की नितिशा और खंडवा की पारुल शामिल हैं। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के 100 विद्यार्थी नई दिल्ली पहुंचे थे।

प्रदेश में इन विद्यार्थियों का चयन प्रेरणा उत्सव, कला उत्सव, इंस्पायर अवॉर्ड, एनएमएमएस और कुश्ती गतिविधियों में उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। चयनित छात्रों ने भ्रमण के दौरान नई दिल्ली में इंडिया गेट और प्रधानमंत्री संग्रहालय का भ्रमण भी किया।

प्रथम चलित न्यायालय 17 अक्टूबर को

भोपाल, प्रदेश में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण के लिये चलित न्यायालय लगाये जायेंगे। इन न्यायालयों में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत प्रदेश एवं केन्द्र शासन द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित दिव्यांगजनों की समस्याओं का निराकरण मौके पर किया जायेगा। चलित न्यायालयों की व्यवस्थाओं के संबंध में आयुक्त नि:शक्तजन कार्यालय में सांसद सीधी डॉ. राजेश मिश्र की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। राज्य आयुक्त नि:शक्तजन श्री संदीप रजक ने बताया कि दिव्यांगजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये जिला स्तर पर चलित न्यायालय आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश का प्रथम चलित न्यायालय 17 अक्टूबर को सीधी और सिंगरौली जिले में आयोजित किया जायेगा।

राज्य सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय हो

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने हमीदिया चिकित्सालय भोपाल को 5 वर्षों के लिए एनएबीएच मान्यता प्राप्त करने पर डीन जीएमसी डॉ. कविता सिंह, हमीदिया चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन और पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल प्रदेश के लिए गौरव का विषय है, बल्कि राज्य सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। हमीदिया चिकित्सालय की यह मान्यता सरकार की उस दिशा में की गई कोशिशों का परिणाम है, जिससे प्रदेश के मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं और संतुष्टि सुनिश्चित की जा सके।

एनएबीएच मान्यता प्राप्त हुई

अधीक्षक हमीदिया चिकित्सालय डॉ. सुनीत टंडन ने बताया कि हमीदिया चिकित्सालय भोपाल को 5 वर्ष के लिए एनएबीएच मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है कि हमीदिया चिकित्सालय देश में सबसे अधिक बेड संख्या में एनएबीएच मान्यता प्राप्त करने वाले शासकीय चिकित्सकीय संस्थानों में शीर्ष पर है। हमीदिया चिकित्सालय भोपाल में 1 हजार 820 बिस्तरों की सुविधा है। भारत के किसी भी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों में भी इतनी बिस्तर संख्या पर एनएबीएच की पूर्णकालिक मान्यता (5 वर्ष) नहीं है।

उल्लेखनीय है कि 2005 में नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एण्ड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) की स्थापना की गई थी।

पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण जरूरी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा 'बदलते शैक्षणिक एवं सामाजिक परिवेश में लाइब्रेरी की भूमिका और चुनौतियां' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ सत्र को वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण, स्वचालन, नेटवर्किंग, डिजिटलीकरण, ग्रीन लाइब्रेरी और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पुस्तकालय के महत्व जैसे विषयों पर चिंतन और विचार विमर्श जरूरी है। इससे पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण और सम-सामयिक शिक्षा प्रणाली में उनकी उपयोगिता बनाए रखने का मार्ग प्रशस्त होगा। सूचना प्रौद्योगिकी के कारण बदलते परिवेश में पुस्तकालय समाज में ज्ञान के स्रोत की भूमिका निरंतर निभाते रहें, इसके लिए जरूरी है कि हम सभी पुस्तकालयों को समाज का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

संरक्षण और प्रसार करते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकालय मानव इतिहास की बड़ी संपदा है। पुस्तकालय ज्ञान का संरक्षण, संवर्धन और प्रसार ठीक उसी तरह से करते हैं, जैसे बैंक समाज और राष्ट्र की धन संपदा के संरक्षण और संवर्धन की भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालयों का विशेष महत्व रहा है। नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला के पुस्तकालय विद्या के केन्द्र और ज्ञान के भंडार थे, दुर्भाग्यवश यह महान केन्द्र विदेशी आक्रांताओं का निशाना बने। उज्जैन धर्म, आध्यात्म एवं ज्ञान-विज्ञान का संगम रहा है। बाबा महाकाल, काल गणना के केन्द्र बिन्दु में विराजित हैं और उज्जैन का सांदीपनि आश्रम भगवान श्रीकृष्ण और बलराम का गुरुकुल रहा है।

प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर स्थापित उज्जैन का विक्रम विश्वविद्यालय पुस्तकालय विज्ञान में प्रशिक्षण देने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय था। उज्जैन का सिंधिया ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट अपने विशाल और दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संग्रह के लिए जाना जाता है। भारत में पुस्तकालय विज्ञान के पितामाह पद्मश्री डॉ. रंगनाथन इस विश्वविद्यालय के पहले विजिटिंग प्रोफेसर रह चुके हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध करायी जायेंगी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं

भोपाल, मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उप स्वास्थ्य केंद्रों में जिला चिकित्सालय स्तर की सेवाओं के लिए चिकित्सक, विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाओं के प्रदाय के प्रयास किए गये हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय होगा साथ ही जिला चिकित्सालय में भी दबाव कम होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र को प्रायोरिटी क्षेत्र में शामिल कर विशेष फोकस प्रदान किया है। यह बात उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल में आयोजित निजी न्यूज चैनल के 'जनता मांगे जवाब' कार्यक्रम में कही।

श्री शुक्ल ने कहा कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में मरीज को विधिवत रूप से अटेंड किया जाये। आवश्यक जांच समय से हों, जांच उपरांत विधिवत उपचार और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो इसके लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आगंतुकों को अच्छा अनुभव हो, सहयोगी वातावरण उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करना सरकार का लक्ष्य है।

श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के विभिन्न मानकों में देश के अग्रणी राज्य में शामिल करने के लिए अधोसंरचना विकास, जांच सुविधा, चिकित्सकीय सहायक, चिकित्सकीय स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता के प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सशक्त और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्य मानकों के सुधार के रूप में शीघ्र परिलक्षित होंगे।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

चितरंगी दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा सिंगरौली जिले की चितरंगी दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिये 1320.14 करोड़ रुपये (सैंच्य क्षेत्र 32,125 हेक्टेयर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परियोजना से सिंगरौली जिले की चितरंगी तहसील के 132 ग्राम (सैंच्य क्षेत्र 28,192 हेक्टेयर) एवं देवसर तहसील के 10 ग्राम (सैंच्य क्षेत्र 3,933 हेक्टेयर) लाभान्वित होंगे। मंत्रिपरिषद द्वारा साइबर तहसील परियोजना के लिये पर्याप्त अमला उपलब्ध कराये जाने की स्वीकृति दी गई। पूरे प्रदेश में विस्तार किये जाने के लिए तहसीलदार संवर्ग के जिलों के लिए स्वीकृत 619 पदों में से तहसीलदार के 10 पद, प्रतिनियुक्ति के लिए रक्षित नायब तहसीलदारों के 55 पदों में से 15 पद और 03 सहायक वर्ग-3 श्रेणी के कर्मचारियों के पद सहित प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय में साइबर तहसील के लिए अंतरित करने की स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार 02 भृत्य को आउटसोर्स से नियुक्त किये जाने की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 43-क में शब्द 'दो वर्ष' के स्थान पर 'तीन वर्ष' स्थापित किये जाने के लिए संशोधन के संबंध में मध्यप्रदेश नगर पालिका अध्यादेश 2024 पर स्वीकृति दी गई।

रीवा हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकास एवं विस्तार देने के लिए मंत्रिपरिषद की पूर्व बैठक 26.09.23 एवं 13.12.22 द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को चाही गई आवश्यक भूमि का आवंटन और मुआवजा राशि का भुगतान करने का निर्णय लिया गया था। हवाई अड्डे के निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई भूमि में सतना जिले की ग्राम केरार एवं पैपखरा, तहसील रामपुर बघेलान की भूमि भी आई थी। आपसी सहमति से भूमि क्रय के लिए एक प्रतिशत सर्विस टैक्स सहित कलेक्टर सतना द्वारा 87 लाख 50 हजार रुपये की मुआवजा राशि का आवंटन चाहा गया था, जो आवंटित किया जा चुका है।

मिशन शक्ति अंतर्गत 364 पदों की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी संशोधित निर्देशों के अनुसार महिला सशक्तिकरण केंद्र की प्रदेश के समस्त जिलों में 15वें वित्त आयोग की अवधि 2025-26 तक संचालित करने की स्वीकृति दी गयी। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण की सुविधा प्रदान करना एवं ऐसा वातावरण तैयार करना, जिसमे महिलाएं अपनी पूरी क्षमता को समझकर उसका उपयोग कर सकें। प्रत्येक जिला हब में जिला मिशन समन्वयक-01, जेंडर स्पेशलिस्ट-02, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ 01, एकाउंट असिस्टेंट-01, आईटी असिस्टेंट-01 तथा एम.टी.एस.-01 के पदों की स्वीकृति दी गई। इस प्रकार प्रदेश के सभी जिला हब को मिलाकर कुल 364 पदों की स्वीकृति दी गयी।

अंतरिक्ष विज्ञान की नई तकनीक से प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन

भोपाल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि अंतरिक्ष विज्ञान की नई तकनीक के प्रयोग से हम हमारे प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन कर सकते हैं और हमारा देश एवं प्रदेश अधिक सक्षम और समृद्धिशाली बन सकता है। अंतरिक्ष सूचनाओं के आधार पर हम प्रदेश के जल संसाधनों का योजनाबद्ध तरीके से प्रबंधन कर सकते हैं। जल संसाधनों के विकास, योजना निर्माण तथा निर्मित संरचनाओं की निगरानी एवं उनके प्रबंधन में यह विज्ञान अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। हमें इसका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

जल संसाधन मंत्री ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रांगण में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त के परिप्रेक्ष्य में 'जल के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान का उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला का आयोजन जल संसाधन विभाग एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में इसरो सहित अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिक, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा जल एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले शोधार्थी शामिल हुए। श्री सिलावट ने शोधार्थियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री से पर्वतारोही कु. प्रीति परमार ने की भेंट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंत्रालय में पर्वतारोही कु. प्रीति परमार ने भेंट की। सीहोर जिले की 12 वर्षीय बेटी कु. प्रीति परमार ने यूरोप के सबसे ऊंचे पर्वत एल्ब्रस के शिखर तक की चढ़ाई करने में सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सफलता के लिए कु. प्रीति को बधाई दी। भेंट के अवसर पर आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर उपस्थित थे। कु. प्रीति ने इस सफलता का श्रेय परिजन और बड़े भाई श्री चेतन परमार को दिया है जो उनके कोच और मार्गदर्शक भी हैं।

परिवहन विभाग में लर्निंग ड्रायविंग लायसेंस से संबंधित सेवाएं फेसलेस

भोपाल, प्रदेश में लर्निंग ड्रायविंग लाइसेंस से संबंधित अधिकांश सेवाएं फेसलेस प्रक्रिया के तहत प्रारंभ की गई हैं। अब इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिये आवेदक को परिवहन कार्यालयों में आने की आवश्यकता नहीं है। आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर तथा निर्धारित प्रक्रिया को पूर्ण कर अपना लर्निंग लायसेंस प्राप्त कर सकता है।

वाहनों से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों से होने वाले प्रदूषण के कारण पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से प्रदूषण जांच केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र वाहन पोर्टल पर इंटिग्रेट किया जाकर ऑनलाइन जारी किये जा रहे हैं।

प्रारंभ में इस व्यवस्था को भोपाल जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस व्यवस्था को अब परिवहन विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है।

समाज एवं उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रमों का निर्माण प्राथमिकता

भोपाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में भोपाल स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए गठित टॉस्क फोर्स की बैठक हुई।

श्री परमार ने कहा कि भारत पुरुषार्थी और शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में सर्वश्रेष्ठ रहा है। हम सभी को अपने गौरवशाली इतिहास, दर्शन और गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। सामाजिक परिवेश में भारतीयता के भाव की जागृति की आवश्यकता है। भारत का समाज परंपरागत कौशल में निपुण समाज रहा है। श्री परमार ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में परंपरागत कौशल (स्किल) को आधुनिक तकनीक से समृद्ध बनाने की दिशा में क्रियान्वयन हो। युगानुकूल आवश्यकता अनुरूप भारतीय ज्ञान परम्परा का तकनीकी शिक्षा में तथ्यपूर्ण समावेश किया जाए। श्री परमार ने स्थानीय एवं परंपरागत कौशल एवं तकनीकों के संरक्षण को लेकर कार्ययोजना बनाने को कहा। प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को बेहतर और सर्वोत्कृष्ट बनाए जाने के लिए आवश्यक हर संभव क्रियान्वयन हो, जिससे प्रदेश देश में तकनीकी शिक्षा में प्रभावी प्रदेश के रूप में स्थापित हो सके।

श्री परमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एआईसीटीई के निर्धारित प्रावधान एवं क्रियान्वयन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण, नवीनतम पाठ्यक्रमों का समावेश, बहु विषयक शिक्षा, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, क्रेडिट फ्रेमवर्क, स्टूडेंट परफॉरमेंस इंडेक्स एवं संस्थानों की रैंकिंग सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री परमार ने तकनीकी शिक्षण संस्थानों में मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट, ऑनलाइन एवं डिजिटल शिक्षा, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं वैल्यू एजुकेशन, शोध एवं अनुसंधान, मातृभाषा (हिंदी) में पाठ्यक्रम, पुस्तकें एवं परीक्षा, मातृभाषा में पुस्तकों का अनुवाद, रोजगार, स्टार्टअप एवं उद्यमिता, डिजिटल यूनिवर्सिटी और कोडिंग लैब सहित विभिन्न विषयों पर भी व्यापक विमर्श कर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। श्री परमार ने इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों की राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रैंकिंग के लिए आवश्यक सभी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार के लिए भी निर्देशित किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, छतरपुर एवं पिपरिया में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अटेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति ने

प्रधानमंत्री अहमद हचानी को पद से किया बर्खास्त

ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद ने बिना कोई कारण बताए अपने प्रधानमंत्री अहमद हचानी को बर्खास्त कर दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस संबंध में एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के अनुसार राष्ट्रपति सईद ने हचानी के स्थान पर सामाजिक मामलों के मंत्री कामेल मदौरी को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। हचानी को अगस्त, 2023 में नजला बौडेन की जगह प्रधानमंत्री बनाया गया था। बौडेन को भी बिना किसी आधिकारिक कारण बर्खास्त किया गया था।

मोहम्मद एस्लामी

ईरान के उप-राष्ट्रपति बने

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने मोहम्मद एस्लामी को देश का नया उप-राष्ट्रपति और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) का प्रमुख नियुक्त किया है। राष्ट्रपति पेजेशकियान ने एस्लामी की नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि एस्लामी के प्रबंधकीय अनुभवों के कारण उन्हें उप-राष्ट्रपति और परमाणु ऊर्जा संगठन का प्रमुख बनाया गया है। 67 वर्षीय मोहम्मद एस्लामी ने ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के प्रशासन में दो पदों पर काम किया है।

गोविंद मोहन

देश के गृह सचिव बने

केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने वरिष्ठ अधिकारी गोविंद मोहन को देश का नया गृह सचिव नियुक्त किया है। उन्होंने मौजूदा गृह सचिव अजय कुमार भल्ला की जगह ली है, अजय कुमार का कार्यकाल 22 अगस्त को खत्म हो गया है। उन्हें गृह मंत्रालय में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। गोविंद मोहन वर्ष 1989 बैच के सिक्किम कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वह अक्टूबर, 2021 से संस्कृति मंत्रालय में सचिव के तौर पर कार्यरत हैं। वह गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव के रूप में काम कर चुके हैं।

अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन

केंद्र सरकार ने प्रदान किया एफसीआरए लाइसेंस

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पूर्व निशानेबाज और ओलंपिक चैम्पियन अभिनव बिंद्रा द्वारा संचालित अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन को पांच वर्ष के लिए विदेशी अंशदान अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस प्रदान किया है। यह लाइसेंस मिलने के बाद इस संगठन को विदेशी अनुदान प्राप्त करने की अनुमति होगी। यह फाउंडेशन गैर लाभकारी संगठन है, जो सभी खेल गतिविधियों के लिए खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराता है। फाउंडेशन के प्रवक्ता ने बताया कि हमे एफसीआरए लाइसेंस मिल गया है। हमारी सामाजिक पहल जमीनी स्तर पर खेल विकास, शिक्षा और पर्यावरण पर केंद्रित है।

थॉमस बाक

वर्ष 2025 में आईओसी के अध्यक्ष पद से हटेंगे

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक वर्ष 2025 में अपने पद से हट जाएंगे। थॉमस बाक ने कहा कि वह वर्ष 2025 में रिटायरमेंट लेंगे। उन्होंने कहा कि वह आईओसी अध्यक्ष के रूप में तीसरा कार्यकाल नहीं चाहते हैं। 10 सितंबर, 2013 को आईओसी की बैठक में थॉमस को आईओसी का नौवां अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने जैक्स रोगे की जगह ली थी। थॉमस वर्ष 2019 में दोबारा आईओसी के अध्यक्ष चुने गए, उनका कार्यकाल वर्ष 2025 तक है। थॉमस बाक ओलंपिक चैम्पियन रह चुके हैं। उन्होंने वर्ष 1976 के मोंट्रियल ओलंपिक में जर्मनी का प्रतिनिधित्व करते हुए तलवारबाजी में स्वर्ण पदक जीता था।

शाहरुख खान को

स्विट्जरलैंड में मिला पार्डो अल्ला कैरियरा अवॉर्ड

भारत के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान को स्विट्जरलैंड में आयोजित लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में पार्डो अल्ला कैरियरा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। शाहरुख यह अवॉर्ड पाने वाले पहले भारतीय हैं। समारोह में शाहरुख द्वारा अभिनीत फिल्म देवदास प्रदर्शित की गई। अवॉर्ड हासिल करने के बाद शाहरुख ने लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के आयोजकों और स्विट्जरलैंड की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि कला जीवन को बाकी सब चीजों से ऊपर मानने का कार्य है। यह इंसानों द्वारा बनाई गई सीमाओं से परे मुक्ति की ओर जाती है। शाहरुख ने 100 से ज्यादा हिन्दी फिल्मों में अभिनय किया है। वर्ष 2005 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था।

पी. हरीश

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत नियुक्त

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ राजनयिक पी. हरीश को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत का राजदूत नियुक्त किया है। वह रुचिरा कंबोज की जगह लेंगे, कंबोज जून में सेवानिवृत्त हो गई थीं। हरीश वर्ष 1990 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं और जर्मनी में भारत के राजदूत के रूप में पदस्थ हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार वह जल्द ही न्यूयॉर्क में अपना कार्यभार संभालेंगे। हरीश इससे पहले विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (आर्थिक संबंध) रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने विदेश मंत्रालय के आर्थिक कूटनीति विभाग का नेतृत्व किया था।

तुर्किये में मिला

दुनिया का सबसे प्राचीन सौर कैलेंडर

ब्रिटेन के पुरातत्वविदों ने तुर्किये के अनातोलिया के पहाड़ों में लगभग 12 हजार वर्ष पुराने स्मारकों के स्तंभों पर तारीखों के चिह्न खोजे हैं। पुरातत्वविदों का दावा है कि यह एक प्राचीन टाइमकीपिंग सिस्टम है और संभवतः दुनिया का सबसे पुराना सौर कैलेंडर हो सकता है। इस अध्ययन से पता चला कि 150 ईसा पूर्व ग्रीस के लोग 10 हजार वर्ष से पहले की तारीखों को सटीक रूप से दर्ज कर रहे थे। अध्ययन के दौरान विशेषज्ञों को एक स्तंभ पर उकेरे हुए 'वी' के 365 निशान मिले। हर निशान एक दिन का प्रतिनिधित्व करता है। इस कैलेंडर में 11 अतिरिक्त दिन के साथ 12 चंद्र महीनों को भी प्रदर्शित किया गया है।

नासा ने

मंगल ग्रह की सतह के नीचे खोजा पानी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह को लेकर नया दावा करते हुए कहा कि मंगल ग्रह पर पानी मौजूद है। नासा के अनुसार मंगल ग्रह की सतह के नीचे तरल पानी का एक विशाल भंडार छिपा हो सकता है। यह इतना बड़ा भंडार है कि यह पूरे ग्रह को एक महासागर से ढंक ले। नासा के इनसाइट लैंडर के डाटा पर आधारित इस शोध से पता चलता है कि मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवी जीवन के लिए अतीत या भविष्य में अनुकूल परिस्थितियां हो सकती हैं। नासा का इनसाइट लैंडर वर्ष 2018 से अपने मिशन के समापन तक पृथ्वी पर डाटा भेज रहा है। इस लैंडर ने मंगल ग्रह का भूकंपीय डाटा भी दिया, जिससे वैज्ञानिकों को पानी के संभावित भंडार की जानकारी मिली।

फुमियो किशिदा ने

पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से किया इनकार

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। किशिदा ने पार्टी के पदाधिकारियों को सूचित किया है कि वह सितंबर में प्रस्तावित पार्टी प्रमुख पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। किशिदा के एलडीपी अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर होने का मतलब है कि जापान को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। जापान में सत्ताधारी पार्टी का अध्यक्ष ही प्रधानमंत्री होता है। एलडीपी को जापानी संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल है, ऐसे में पार्टी प्रमुख निर्वाचित होने वाला नेता देश के प्रधानमंत्री के रूप में किशिदा की जगह ले सकता है।

पैटोंगटार्न शिनावात्रा

थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री बनीं

थाइलैंड में राजनीतिक उलटफेर के बीच पैटोंगटार्न शिनावात्रा देश की नई प्रधानमंत्री बन गई हैं। 37 वर्षीय पैटोंगटार्न थाइलैंड की 31वीं और सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं। पैटोंगटार्न थाइलैंड की सत्ताधारी फेउ थाई पार्टी की नेता हैं। थाइलैंड की संसद में उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए उनके पक्ष में 310 वोट पड़े, जबकि 145 सदस्यों ने उनके खिलाफ वोट किया। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने श्रेथा थाविसिन को प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया है। थाविसिन ने अपने मंत्रीमंडल में जेल जा चुके एक पूर्व वकील को नियुक्त किया था। वह बीते 16 वर्षों में चौथे थाई प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें कार्यकाल खत्म होने से पहले अदालत के फैसले की वजह से पद से हटाया गया है।

राहुल नवीन

प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक बनेंगे

केंद्र सरकार ने आईआरएस अधिकारी राहुल नवीन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का नया निदेशक नियुक्त किया है। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की है। राहुल प्रवर्तन निदेशालय में विशेष निदेशक (कार्यवाहक निदेशक) के रूप में कार्यरत हैं, अब उन्हें ईडी का पूर्णकालिक निदेशक बनाया गया है। उनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से अगले दो वर्ष का होगा। राहुल वर्ष 1993 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी हैं, उन्हें 15 सितंबर, 2023 को संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल खत्म होने के बाद ईडी का कार्यवाहक निदेशक बनाया गया था।

सत्य प्रकाश सांगवान

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय दल के शेफ डी मिशन होंगे

भारतीय पैरालंपिक समिति ने सत्य प्रकाश सांगवान को आगामी पेरिस पैरालंपिक खेलों के लिए भारतीय एथलीट दल का शेफ डी मिशन (मिशन प्रमुख) नियुक्त किया है। सांगवान को पैरालंपिक अभियान के साथ जुड़े रहने का एक दशक से भी अधिक समय का अनुभव है। मिशन प्रमुख के रूप में वह पेरिस पैरालंपिक खेलों में 84 खिलाड़ियों के भारत के अब तक के सबसे बड़े दल का नेतृत्व करेंगे। मिशन प्रमुख बनाए जाने के बाद सांगवान ने कहा कि यह जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि हमारे खिलाड़ियों के पास पेरिस पैरालंपिक में सफल होने और भारत को गौरवान्वित करने के लिए सभी आवश्यक चीजें हों।

स्मृति शेष

मराठी सिनेमा के अभिनेता विजय कदम का निधन

मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता विजय कदम का निधन हो गया है। वह कैंसर से जूझ रहे थे। विजय अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हास्य के साथ ही गंभीर भूमिकाएं भी संजीदगी से निभाई हैं। वह 1980 और 90 के दशक में बेहद लोकप्रिय अभिनेता रहे थे। उन्होंने अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत थिएटर से की थी, इसके बाद उन्होंने मराठी सिनेमा का रुख किया। विजय कदम ने 'चश्मेबहादुर', 'पुलिसलाइन', 'हल्द रूसली कुंकु हसलाम' और 'अमी दोघ राजा रानी' जैसी कई सुपरहिट मराठी फिल्मों में काम किया है।

यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुजैन वाज्स्की का निधन

अमेरिका की दिग्गज बिजनेस प्रतिनिधि और यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुजैन वाज्स्की का 56 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह लंबे समय से नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर से पीड़ित थीं। वाज्स्की के पति डेनिस ट्रापर ने सोशल मीडिया के जरिए उनके निधन की जानकारी दी। सुजैन वर्ष 1999 में गूगल से जुड़ी थीं, वह गूगल और इसकी मूल कंपनी एल्फाबेट के सलाहकार के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वह वर्ष 2014 से 2023 तक यूट्यूब की सीईओ रही हैं।

पाकिस्तान की गायिका हानिया असलम का निधन

पाकिस्तान की मशहूर गायिका हानिया असलम का निधन हो गया है। 40 वर्षीय हानिया को दिल का दौरा पड़ा था। हानिया को कोक स्टुडियो के 'लैली जान', 'बीबी सनम', 'पैमोना', 'चल दिए' और 'चुप' जैसे बेहतरीन गानों के पहचाना जाता है। हानिया ने वर्ष 2007 में अपनी बहन जेब बंगश के साथ 'जेब-हानिया' बैंड बनाकर अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। उन्होंने रोहेल हयात और ए.आर. रहमान जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ भी काम किया है। हानिया ने आलिया भट्ट की फिल्म 'हाइवे' में भी एक गाना गया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011, M.P. (India)
(CIN : U51102MP1977SGC001392)
Tel. : (91) 0755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505
E-Mail: helpdesk@mpidc.co.in, Website: www.invest.mp.gov.in
क्र. 193/एमपीआईडीसी/स्था./से.नि.-17/2024/8636 दि. : 21.08.24

विज्ञप्ति

एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(Website : www.invest.mp.gov.in)

एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल द्वारा **''दिव्यांगजनों'' हेतु प्रबंधक एवं सहायक यंत्री के** आरक्षित पदों पर भर्ती प्रक्रिया एमपी ऑनलाइन के माध्यम से सम्पादित कराई जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी निगम की वेबसाइट **www.invest.mp.gov.in** अथवा एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट **www.mponline.gov.in** पर यथाशीघ्र प्रदर्शित होने वाले विस्तृत विज्ञापन के अनुसार निर्धारित तिथि तक एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116028/2024 **कार्यकारी संचालक (प्रशा.)**

R-49972/2024

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./10671/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 22.08.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1198 UPG

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of work : UPG (MPRRDA SSR : 01.01.2024)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Datia	1	52533000.00
2.	Dhar	5	168894000.00
3.	Mandsour	1	11753000.00
4.	Narsinghpur	8	355893000.00
5.	Shivpuri	1	24131000.00
6.	Ujjain	2	70371000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **23.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/116033/2024 R-49973/2024 **(TENDER)**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103
क्र. 1018 /पय/मप्रपुहाइडेकालि/24 उज्जैन, दिनांक : 20.8.2024

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 13/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-13/2024-25 दिनांक 20.08.2024 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय शाजापुर में तृतीय तल पर क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_364640 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 04.09.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115994/2024 R-49971/2024 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल

चयन भवन, मेन रोड नं. 1. चिनार पार्क ईस्ट, भोपाल-462011
दूरभाष : 0755-2578801

आम-सूचना

''सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अन्तर्गत आई.टी.आई. में प्रशिक्षण अधिकारियों के पदों की भर्ती चयन परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाना है। उक्त परीक्षा बिना किसी विवाद के संचालित हो सके इस संबंध में मण्डल द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर, खंडपीठ इंदौर एवं ग्वालियर म.प्र. के समक्ष केवियट दायर की जा रही है। यदि किसी अन्य द्वारा इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की जाती है, तो उसकी एक प्रति बोर्ड के अधिवक्ता **(01) श्री राहुल दिवाकर, अधिवक्ता, 751 अग्रवाल कॉलोनी, जबलपुर (2) श्री कौस्तुभ पाठक अधिवक्ता-102 बी ब्लॉक प्रकृति कार्पोरेट 18/2 वाय.एन. रोड, इन्दौर एवं (3) श्री विवेक खेडकर अधिवक्ता- विन्चुरकर की गोठ चावड़ी बाजार लश्कर, ग्वालियर म.प्र.** को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।''

विज्ञापन क्रमांक-35/2024
म.प्र. माध्यम/116047/2024 R-49975/2024 **संचालक**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
ई-मेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2467680
क्र./जनसं/का.यं./2024/1807 ग्वालियर, दिनांक : 23-08-2024

// प्रेस विज्ञप्ति //

निविदा सूचना **No./E.E./2024/Gwalior/1735 date 16.08.2024** रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अन्तर्गत हाउस कीपिंग कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा **Annual Contract for Machanized House Keeping Services at RVSKVV, Gwalior 2024-25 (2024_RVSKV_365354_1)** आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाईन क्रय की अंतिम तिथि **11.09.2024** तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल https://www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री,
R-49987/2024 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो. विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल
क्र./1040/तशा/प.यं./2024 दिनांक - 22.08.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में सिविल/विद्युत कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_365513_1, 2024_MPPHC_365514_1 दिनांक 02.09.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/116068/2024 R-49982/2024 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

(म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के अधीन)
तृतीय तल, विकास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल
क्र. 10747 दिनांक : 23.08.2024

विज्ञप्ति

प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय तथा मुख्यालय/विभिन्न पीआईयू में महाप्रबंधक पद के 38 रिक्त पदों की पूर्ति (प्रतिनियुक्ति/से.नि. उपरांत संविदा) हेतु अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

पूर्णत: भरे हुये आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम दिनांक 13.09.2024 है। इस सम्बन्ध में विस्तृत विज्ञप्ति विभागीय वेबसाइट **mprrda.org/default.html** पर उपलब्ध है। प्राधिकरण द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति को एवं चयन की समस्त प्रक्रिया को किसी भी समय बिना कोई कारण बताये निरस्त किया जा सकेगा।

म.प्र. माध्यम/116067/2024 R-49981/2024 **मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन)**

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल

चयन भवन, मेन रोड नं. 1. चिनार पार्क ईस्ट, भोपाल-462011
दूरभाष : 0755-2578801

आम-सूचना

''सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा समूह-3 उपयंत्री संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाना है। उक्त परीक्षा बिना किसी विवाद के संचालित हो सके इस संबंध में मण्डल द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर, खंडपीठ इंदौर एवं ग्वालियर म.प्र. के समक्ष केवियट दायर की जा रही है। यदि किसी अन्य द्वारा इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की जाती है, तो उसकी एक प्रति बोर्ड के अधिवक्ता **(01) श्री राहुल दिवाकर, अधिवक्ता, 751 अग्रवाल कॉलोनी,जबलपुर (2) श्री कौस्तुभ पाठक अधिवक्ता-102 बी ब्लॉक प्रकृति कार्पोरेट 18/2 वाय.एन. रोड, इन्दौर एवं (3) श्री विवेक खेडकर अधिवक्ता- विन्चुरकर की गोठ चावड़ी बाजार लश्कर, ग्वालियर म.प्र.** को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।''

विज्ञापन क्रमांक -34/2024
म.प्र. माध्यम/116046/2024 R-49974/2024 **संचालक**

भिण्ड नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, भिण्ड

भागवती पैलेस, पुस्तक बाजार, भिण्ड (म.प्र.) पिन- 477001 फोन : 07534-233019
e-mail : Bnsbankmydt@bnsbmbhind.com web www.bnsbmbhind.com
RCS Registration number:- JR/GWR/5 RBI License No.: UBD/MP/1266P

विज्ञप्ति क्रमांक/43/2024-25 भिण्ड, दिनांक : 05-08-2024

आवश्यकता है

भिण्ड नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, भिण्ड में नीचे दिये पद की पूर्ति हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन फार्म बैंक के प्रधान कार्यालय- भागवती पैलेस, पुस्तक बाजार, भिण्ड में उपलब्ध है। जो निर्धारित शुल्क रुपये 100/- (+GST) अदा कर प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन फार्म दिनांक 01-09-2024 से दिनांक 16-09-2024 को सायं 4 बजे तक प्रधान कार्यालय- भागवती पैलेस, पुस्तक बाजार, भिण्ड में पूर्ण रूप से विधिवत जानकारी भरकर कार्यालयीन समय में जमा करने हेतु स्वयं अथवा डाक से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बैंक द्वारा जारी किये गये आवेदन फॉर्म ही मान्य किये जावेंगे।

क्र.	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता	वेतनमान एवं अनुमानित मासिक परिलब्धियां
(1)	शाखा प्रबंधक	01 (एक)	शासन द्वारा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक तथा सुपरवाइजरी पद का 02 वर्ष का अनुभव आवश्यक है। वांछनीय योग्यता:- किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर ज्ञान बाबत् डिप्लोमा कोर्स, को वरीयता एवं सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान अति आवश्यक।	9300-34800 तथा ग्रेड पे 3600 (7th Pay Level-9) कुल प्रारंभिक परिलब्धियां लगभग रुपये 36200/- प्रतिमाह

भर्ती संबंधित नियम एवं शर्तों को ध्यान से पढ़ने के पश्चात आवश्यक योग्यताओं को पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी ही उपरोक्त पद हेतु आवेदन करें। भर्ती संबंधित नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी बैंक के प्रधान कार्यालय- भागवती पैलेस, पुस्तक बाजार, भिण्ड में एवं बैंक की वेबसाईट **www.bnsbmbhind.com** पर भी देखी जा सकती हैं।

प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी
R-49977/2024 भिण्ड नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, भिण्ड

ATUL

Centre for Distance and Online Education (CDOE)

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA (DAVV)
NAAC "A+"
www.cdoedavv.ac.in, E-mail : ddedavv@outlook.com

Direct Admission - No Entrance Exam

Open and Distance Learning Mode, at par with Regular Programs

MBA (02 Yrs, ODL)	MCA (02 Yrs, ODL)
Specializations from Second Year Marketing/Finance/Human Resource/Logistics & Supply Chain/Business Analytics/ Energy Management	Job oriented curriculum, matching industry needs, providing theoretical and practical computer application knowledge

UGC and AICTE Approved 02 Years PG Programs
Pursue Two PG Degrees Simultaneously*

Apply online through **https://daunivadm.samarth.edu.in** latest by **30th September 2024****. Date for counseling shall be announced later through CDOE Website. For eligibility, documents required and other details **visit : www.cdoedavv.ac.in, www.dauniv.ac.in**.

* As per UGC Norms, ** may be extended

M.P. Madhyam/115991/2024 **REGISTRAR**

R-49970/2024

RAI SAHEB BHANWAR SINGH COLLEGE

(NAAC B++)

(APPROVED BY NCTE AND MP GOVT & AFFILIATED TO BARKATULLAH UNIVERSITY, BHOPAL)
RALA, NASRULLAGANJ, SEHORE PIN 466331 (M.P.) PH: 9425651620, 9617758182

REQUIRES

Teacher Educator for teaching in B.Ed (Education Department)
(Asst. Professor under College Code-28)

Asst. Prof. for teaching Curriculum and Pedagogic Courses - 02

Qualification :- Postgraduate Degree in Sciences/ Mathematics/ Language/ Social Science with minimum 55% Marks, M.Ed degree with minimum 55% Marks and NET or Ph.D. and other qualifications as per NCTE Norms.

NOTE: Salary as per Norms & Residential Facility Optional.
Apply with all documents to the address given above within 15 days. or E-mail to rsbcollege@yahoo.in

VIKALP ADVT

R-49979/2024

REQUIREMENTS

● Principal ● Professors
● Associate Professors ● Assistant Professors
● Librarion ● Sports Incharge, For

Hindi, English, Botany, Chemistry, Physical Science, Art & Caraft, Economics, History, Geography, Sociology, Computer / IT, Mathematics, Accounts, Psychology

Qualification : As per UGC / NCTE / DAVV Norms.
Salary : As per Norms

Interested Candidates May Send Their Updated CV Along With Photocopy Of All Testimonials At Institutes Address Within 7 Days Or Mail

Shiva College Of Education Indore M.P.
COLLEGE COMPUS : Village & Post Dudhia, Indore M.P.
CITY OFFICE : H-54, Nalanda Parisar, Behind Chanakya Complex, In Front Of The Chameli Devi School, Kesar Bagh Road, Indore M.P. Email :- collegeshiva84@gmail.com
CONTACT NO :- 0731-3507017

SHIV PATE

R-49978/2024

राज्य निर्वाचन आयोग में ई-फाइल सिस्टम लागू

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग में अब किसी अधिकारी के टेबल पर फाइल नहीं नजर आती। कर्मचारी भी फाइल लिये इधर-उधर अधिकारियों के कक्ष में नहीं दिखते। यह सब हुआ है पूरे आफिस में ई-फाइल सिस्टम लागू होने से। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने बताया है कि इस सिस्टम को लागू करने से फाइलों के निराकरण में तेजी आई है और उनके संधारण की समस्या भी खत्म हो गयी है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि पेपर लेस ऑफिस बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिये पूरी टीम ने तन्मयता से कार्य कर ई-फाइल सिस्टम को मूर्त रूप दिया है।

क्रमांक 2715001/2024/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1494

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 579/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 14.08.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 03.09.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_300706	महाना, रूसल्ला बुजुर्ग, भगवानपुरा, रेंझाघाट स्टॉप डैम तहसील ईसागढ़ एवं सोवत, केकडा, मुल्लाखेड़ी, स्टाप डेम कम काजवे के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	अशोकनगर	4.34
2.	2024_WRD_347038	पाटनरोड़ पुनर्वास कॉलोनी, राजगढ़ पर स्थित बोरवेल हेतु सबमर्सिबल पम्प सेट, एच.डी.पी.ई. पाइप एवं केबल उपलब्ध कराने एवं लगाने का कार्य।	भोपाल	2.23
3.	2024_WRD_347388	पाटनरोड़ पुनर्वास कॉलोनी, राजगढ़ पर स्थित कम्युनिटी हॉल में लाइट, वायरिंग कार्य एवं पानी सप्लाई हेतु एच.डी.पी.ई. पाइप उपलब्ध कराने एवं लगाने का कार्य।	भोपाल	5.76
4.	2024_WRD_347389	पाटनरोड़ पुनर्वास कॉलोनी, राजगढ़ पर स्थित ट्रांसफार्मर डी.पी. के चारों तरफ जी.आई. चैन लिंक फेंसिंग लगाने का कार्य।	भोपाल	4.26
5.	2024_WRD_347390	मोहनपुरा वृहद् बांध राजगढ़ पर स्थित स्पिलवे गार्ड रूम में लाईट्स वायर एवं पंप इत्यादि हेतु विद्युतीकरण का कार्य।	भोपाल	2.65
6.	2024_WRD_347392	कुण्डालिया बांध वृहद् परियोजना पर स्थित रेस्ट हाउस नवीन बिल्डिंग का विद्युतीकरण का कार्य।	भोपाल	2.42
7.	2024_WRD_347394	मोहनपुरा बांध, राजगढ़ पर स्थित गैन्ट्री क्रेन का सुधार कार्य।	भोपाल	1.69
8.	2024_WRD_347395	मोहनपुरा वृहद् बांध, राजगढ़ के 17 नग रेडियल हाईड्रोलिक होईस्ट गेट्स का सुधार कार्य।	भोपाल	14.23
9.	2024_WRD_349252	ला.म.वि./या. उपसंभाग संबलगढ़ हेतु नवीन बोर बेल इंस्टालेशन का कार्य।	ग्वालियर	4.96
10.	2024_WRD_351874	उपसंभाग खिलचीपुर के बांधों पर वर्षाकाल एवं रबी सिंचाई में चौकीदार रखने का कार्य।	राजगढ़	7.10
11.	2024_WRD_351876	उपसंभाग जीरापुर के बांधों पर वर्षाकाल एवं रबी सिंचाई में चौकीदार रखने का कार्य।	राजगढ़	7.10
12.	2024_WRD_351879	उपसंभाग राजगढ़ के बांधों पर वर्षाकाल एवं रबी सिंचाई में चौकीदार रखने का कार्य।	राजगढ़	7.10
13.	2024_WRD_351880	उपसंभाग ब्यावरा के बांधों पर वर्षाकाल एवं रबी सिंचाई में चौकीदार रखने का कार्य।	राजगढ़	7.10
14.	2024_WRD_358303	उपसंभाग जावरा लघु तालाबों के जलद्वारों के मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य बाबत।	उज्जैन	1.51
15.	2024_WRD_358877	वि/यॉ एफ.ओ.एम. उपसंभाग, भोपाल एवं खंडवा हेतु 1 नग निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.15
16.	2024_WRD_359455	उपसंभाग सैलाना के लघु तालाबों के जलद्वारों के मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य बाबत।	उज्जैन	3.59
17.	2024_WRD_359476	संजय सागर परियोजना के रेडियल गेट क्र. 01 व 07 के हाईड्रोलिक सिस्टम का सुधार व मरम्मत का कार्य।	भोपाल	5.24
18.	2024_WRD_359479	हथाईखेड़ा एवं घोड़ापछाड़ मरम्मत का कार्य।	भोपाल	4.03
19.	2024_WRD_359487	बघरूं बांध, 05 नग रेडियल गेट्स के आईलिंग, ग्रीसिंग, इलेक्ट्रिकल कण्ट्रोल पैनल सिस्टम एवं हाईड्रोलिक पॉवर पैक का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	4.42
20.	2024_WRD_359488	उपसंभाग सुल्तानपुर के 14 नग माईनर टैक्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	3.98
21.	2024_WRD_359492	अपर पलकमती, लोअर पलकमती हेड स्लूस गेट्स एवं अलाइड कैनाल्स के सी.आर. व एस्केप गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य	भोपाल	1.72
22.	2024_WRD_359494	वि/यां. उपसंभाग, जीरापुर के कुंडालिया वृहद बांध हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.15
23.	2024_WRD_359496	वाहन क्र. एम.पी. 02 ए.व्ही. 4057, एम.पी. 02 ए.व्ही. 2880 एवं एम.पी. 02 ए.व्ही. 4105 का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	0.57
24.	2024_WRD_359733	पवई मध्यम सिंचाई बांध में स्थापित रेडियल गेटों के पावर पेक पर विविध विद्युतीय सुधार एवं अन्य कार्य।	सागर	3.87
25.	2024_WRD_359734	कुटनी पोषक बांध में स्थापित रेडियल गेटों के पावर पेक पर विविध विद्युतीय सुधार एवं अन्य कार्य।	सागर	4.71
26.	2024_WRD_359735	सिंहपुर बैराज बांध में स्थापित विभिन्न उपकरणों सहित पावर पेक पर विविध विद्युतीय एवं यांत्रिकीय एवं अन्य सुधार कार्य।	सागर	3.61
27.	2024_WRD_359736	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के.व्ही. विद्युत लाइन के प्रतिस्थापन (ग्राम चितवा से सेमरा के समीप) एवं अन्य कार्य।	सागर	19.99
28.	2024_WRD_359737	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के.व्ही. विद्युत लाइन के प्रतिस्थापन (ग्राम अटिला से सेमरा) एवं अन्य कार्य।	सागर	19.61
29.	2024_WRD_359739	बण्डा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के.व्ही. विद्युत लाइन के प्रतिस्थापन (ग्राम पहरगुवा से मोतियाहार) एवं अन्य कार्य।	सागर	19.98
30.	2024_WRD_360829	उपसंभाग खिलचीपुर के बैराज/स्टाप डेमों के गेट लगाने का कार्य।	राजगढ़	6.42
31.	2024_WRD_360830	उपसंभाग व्यावरा के बैराज/स्टाप डेमों के गेट लगाने का कार्य।	राजगढ़	6.54

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा (म.प्र.)

क्रमांक 701/व.ले.लि./2024-25 **दिनांक : 14.08.2024**

निविदा सूचना

म.प्र. राज्यपाल की ओर से पंजीकृत ट्रेवल एजेन्टस/निवेशकर्ताओं से कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा, के अंतर्गत निम्न प्रकार के वाहन शासकीय निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर लेने हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 23.08.2024 से 05.09.2024 सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा के साथ रु. 25000/- की अमानत राशि कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, हरदा के नाम से देय होगी। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	वाहन का प्रकार	धरोहर राशि	मॉडल वर्ष	वाहन जहां उपयोग में लिया जाना है।
1.	बोलेरो वाहन 01 नग	25000/- प्रति वाहन	01/2023 या इसके पश्चात	संभाग
2.	बोलेरो वाहन 01 नग	20000/- प्रति वाहन	01/2023 या इसके पश्चात	उपसंभाग

जिन ट्रेवल एजेंट्स/निवेशकर्ता के पास उपरोक्तानुसार वाहन टैक्सी कोटे में रजिस्ट्रेशन हो। जो ट्रेवल एजेंट्स/निवेशकर्ता पंद्रह दिन में रजिस्ट्रेशन का एफिडेविट प्रस्तुत कर देंगे व आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय में दिनांक 23.08.2024 से 05.09.2024 तक आवश्यक दस्तावेज के परीक्षण कराने के उपरांत रु. 1000/- नगद जमा कर प्राप्त किए जा सकते हैं। डाक से निविदा प्राप्त करने हेतु रु. 50/- अतिरिक्त देय होंगे। डाक द्वारा विलम्ब से निविदा प्राप्त होने की जवाबदारी विभाग की नहीं होगी।

निविदा दिनांक 06.09.2024 को प्रातः 10.30 बजे इच्छुक निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण व शर्तें किसी भी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-15205/49967/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल

माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)

भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्र. 04/एन.एच.एम/2024-25/836 **भोपाल, दिनांक : 14.08.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से **(www.mptenders.gov.in)** (Department of Directorate of Health Services) तीन लिफाफा पद्धति से प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :

ई-निविदा सूचना क्रमांक-04/2024-25 दिनांक 14.08.2024

स. क्र.	टेण्डर नं. 2024_DHS	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रु.	टेण्डर दर राशि रु.	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1.	362223	जिला बैतूल विकासखण्ड **बैतूल एवं चिचोली** में 12 उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन मय सीएचओ आवासगृह का निर्माण कार्य। **तृतीय आमंत्रण**	660.96	660960	20000/-	18 माह
2.	362224	जिला रायसेन विकासखण्ड उदयपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र **कैतोधान एवं कुचवाडा** भवन का निर्माण मय विद्युतीय कार्य सेनेटरी फिटिंग इत्यादि सहित। **द्वितीय आमंत्रण**	269.44	269440	15000/-	12 माह
3.	362225	जिला बैतूल विकासखण्ड घोडाडोंगरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र **पाडर भवन** का निर्माण मय विद्युतीय कार्य सेनेटरी फिटिंग इत्यादि सहित। **द्वितीय आमंत्रण**	134.72	134720	12500/-	12 माह
4.	362226	जिला रायसेन विकासखण्ड सिलवानी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र **बामोरी भवन** का निर्माण मय विद्युतीय कार्य सेनेटरी फिटिंग इत्यादि सहित। **द्वितीय आमंत्रण**	134.72	134720	12500/-	12 माह
5.	362227	जिला रायसेन विकासखण्ड उदयपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र **छातेर भवन** का निर्माण मय विद्युतीय कार्य सेनेटरी फिटिंग इत्यादि सहित। **द्वितीय आमंत्रण**	134.72	134720	12500/-	12 माह
6.	362228	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुरा जिला रायसेन में अतिरिक्त वार्ड (सिविल एवं विद्युतीकरण सहित) निर्माण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण**	142.37	142370	12500/-	12 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है। 2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 20.08.2024 प्रातः 10.30 से दिनांक 04.09.2024 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं। 3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी। 4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-15226/49969/2024 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संभाग भोपाल**

32.	2024_WRD_360832	उपसंभाग राजगढ़ के बैराज/स्टाप डेमों के गेट लगाने का कार्य।	राजगढ़	8.50
33.	2024_WRD_360833	पाड़ल्याखेड़ी तालाब की एप्रोच चैनल की सफाई का कार्य।	राजगढ़	1.05
34.	2024_WRD_360836	पगारा तालाब का सुधार कार्य।	राजगढ़	0.88
35.	2024_WRD_361668	पवई मध्यम सिंचाई परियोजना की मुख्य नहर पर स्केप गेट के संचालन हेतु विद्युतीकरण एवं अन्य कार्य।	सागर	11.71
36.	2024_WRD_361772	घाट बमुरिया, खेराई, केथन डायवर्सन, कुम्हार, सेमरी टेंक, बहादुरपुर, सांवलहेडो, रतवासे एवं गरेठी वियर कम काजवे तथा मढी नरखेड़ी वियर के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	अशोकनगर	2.31
			कुल योग	**211.49**

जी-15163/49966/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1496

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 580/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 22.08.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 06.09.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_351332	गुना संभाग के 09 नं. स्टापडेम/बैराज के गेट लगाने एवं खोलने का कार्य।	गुना	9.81
2.	2024_WRD_351861	उपसंभाग राजगढ़ के मूण्डला एवं बांकपुरा तालाब हेतु चौकीदार का प्रदाय।	राजगढ़	17.03
3.	2024_WRD_356043	उपसंभाग क्र. 3 नेपानगर के 6 बैराजों के गेटों को खोलने एवं बंद करना तथा मरम्मत करने का कार्य।	बुरहानपुर	4.36
4.	2024_WRD_356067	उपसंभाग क्र.1 बुराहानपुर के 17 बैराजों के गेटों को खोलने एवं बंद करना तथा मरम्मत करने का कार्य।	बुरहानपुर	9.98
5.	2024_WRD_359723	समोहा बांध हेतु कुशल/अर्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	दतिया	3.97
6.	2024_WRD_359725	मोहिनी बांध हेतु कुशल/अर्द्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	दतिया	3.97
7.	2024_WRD_259726	मड़ीखेड़ा बांध हेतु कुशल/अर्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	दतिया	3.97
8.	2024_WRD_259748	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 26 का सुधार कार्य।	सागर	0.54
9.	2024_WRD_359749	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 28 का सुधार कार्य।	सागर	0.64
10.	2024_WRD_359750	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 103 का सुधार कार्य	सागर	0.64
11.	2024_WRD_359751	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 7535 का सुधार कार्य।	सागर	0.63
12.	2024_WRD_259752	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 7854 का सुधार कार्य।	सागर	0.63
13.	2024_WRD_359753	वायबेट्री कम्पेक्टर क्र. 15 एवं 17 का सुधार कार्य।	सागर	0.84
14.	2024_WRD_359755	मशीन डी 50 ए 15 क्र. 26, 28, 103, 7535 एवं 7854 के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति।	सागर	1.14
15.	2024_WRD_359756	वायवेट्री कम्पेक्टर क्र. 15 एवं 17 के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति	सागर	0.85
16.	2024_WRD_359758	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 007 का सुधार कार्य।	सागर	0.56
17.	2024_WRD_259760	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 7540 सुधार का कार्य।	सागर	0.61
18.	2024_WRD_359761	मशीन डी 50 ए 15 क्रमांक 07 एवं 7540 के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति।	सागर	0.51
19.	2024_WRD_361066	तवा परियोजना की तवा बांध के डाउन स्ट्रीम पर आर.सी.सी. पोस्ट के साथ चेन लिंक फेनसिंग का कार्य।	नर्मदापुरम	3.60
20.	2024_WRD_361067	तवा परियोजना की इटारसी उपनहर के इस्केप चेनल का नवीनीकरण कार्य।	नर्मदापुरम	5.54
21.	2024_WRD_361289	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. संभाग नर्मदापुरम हेतु निरीक्षण वाहन किराए पर लेना।	नर्मदापुरम	3.42
22.	2024_WRD_361290	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग नर्मदापुरम हेतु निरीक्षण वाहन किराए पर लेना।	नर्मदापुरम	3.42
23.	2024_WRD_361291	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग नर्मदापुरम हेतु उपयोगिता वाहन किराए पर लेना।	नर्मदापुरम	3.35
24.	2024_WRD_361292	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग क्र. 02 पिपरिया हेतु निरीक्षण वाहन किराए पर लेना।	नर्मदापुरम	3.42
25.	2024_WRD_361628	गांधी सागर बांध के 09 स्लूस गेटों की ऑपरेटिंग मशीन व सहायक उपकरणों की पेंटिंग का कार्य।	उज्जैन	1.12
26.	2024_WRD_361629	गांधीसागर बांध के 75 टन मेन गेन्ट्री क्रेन व सहायक उपकरणों की पेंटिंग का कार्य।	उज्जैन	1.09
27.	2024_WRD_361630	गांधीसागर बांध के 10 क्रेस्ट गेटों की ऑपरेटिंग मशीन व सहायक उपकरणों ए 39 की पेंटिंग का कार्य।	उज्जैन	1.78
28.	2024_WRD_361632	गांधीसागर बांध के भानपुरा उपसंभाग का विद्युतीकरण कार्य।	उज्जैन	2.19
29.	2024_WRD_361633	उपसंभाग सुवासरा के 39 तालाबों के स्लूस गेटों का सुधार व अनुरक्षण कार्य।	उज्जैन	2.03
30.	2024_WRD_361875	तरपेड़ मुख्य नहर का रखरखाव, जंगल सफाई एवं निगरानी का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	छतरपुर	6.84
31.	2024_WRD_361890	हनौता सिंचाई परियोजना हेतु चौकीदार का प्रदाय।	सागर	9.15
32.	2024_WRD_362199	सुक्ता बांध हेतु 01 नग कुशल एवं अर्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	धार	2.06
33.	2024_WRD_362200	भाम बांध हेतु 01 नगर कुशल एवं अर्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	धार	2.06
34.	2024_WRD_362201	आवलिया बांध हेतु 01 नग कुशल एवं 02 नग अर्धकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	धार	2.87
35.	2024_WRD_362279	अमगवां जलाशय के बांध एवं नहर का सर्वेक्षण कार्य।	कटनी	1.37
36.	2024_WRD_362282	चपोहला जलाशय के बांध एवं नहर का सर्वेक्षण कार्य।	कटनी	0.68
37.	2024_WRD_362284	नौहा स्टाप डेम कम काजवे का सर्वेक्षण कार्य।	कटनी	0.42
38.	2024_WRD_362288	चन्दौल जलाशय के बंड का सुधार कार्य।	कटनी	9.35
39.	2024_WRD_362289	जल संसाधन संभाग कटनी के कॉलोनी परिसर में जी-टाइप क्वाटर का विस्तार कार्य।	कटनी	6.49
40.	2024_WRD_362290	जल संसाधन संभाग कटनी के कॉलोनी परिसर में नाली निर्माण कार्य।	कटनी	4.22
41.	2024_WRD_362293	सिजहनी जलाशय की व्ही.आर.बी. का सुधार कार्य।	कटनी	2.43
42.	2024_WRD_362294	दतला जलाशय की नहरों का सुधार कार्य।	कटनी	3.71
43.	2024_WRD_362295	खितोली जलाशय की नहरों का सुधार कार्य।	कटनी	3.16
44.	2024_WRD_362296	देवसरी इंदौर जलाशय की नहरों का सुधार कार्य।	कटनी	2.45
45.	2024_WRD_362299	बहोरीबंद मध्यम जलाशय के वेस्ट वियर में बंड का निर्माण कार्य।	कटनी	6.23
46.	2024_WRD_362311	बहोरीबंद मध्यम जलाशय के डाउनस्ट्रीम में नाला गहरीकरण कार्य।	कटनी	2.70
47.	2024_WRD_362630	मुरैना शाखा नहर के 0 से 36.08 कि.मी. तक एवं इसकी शाखाओं तथा 21 एल वितरिका के 0 से 17.77 कि.मी. तक एवं 20 एल/21 एल नहर की सफाई का कार्य।	मुरैना	19.09
48.	2024_WRD_362695	सरस्वती नगर, जवाहर चौक, भोपाल के म.नं. आई.एफ-4 के रखरखाव का कार्य।	भोपाल	5.82
49.	2024_WRD_362696	कलियासोत और सरस्वती नगर, जवाहर चौक, भोपाल में छज्जा प्लास्टर व बाहरी पुताई का कार्य।	भोपाल	18.58
50.	2024_WRD_362699	केरवा गेस्ट हाउस, भोपाल में हाउसहोल्ड मेनेजमेंट एवं अन्य विविध रखरखाव का कार्य।	भोपाल	14.00
51.	2024_WRD_362700	केरवा गेस्ट हाउस, भोपाल में गार्डन, सिविल, इलेक्ट्रीकल एवं अन्य विविध रखरखाव का कार्य।	भोपाल	9.44
52.	2024_WRD_362701	जल संसाधन विभाग, भोपाल हेतु स्टेशनरी सामग्री का प्रदाय।	भोपाल	7.30
53.	2024_WRD_362704	जल संसाधन विभाग, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	भोपाल	5.75
54.	2024_WRD_362705	मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण यंत्री कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	भोपाल	17.24
55.	2024_WRD_362706	विश्वसरैया भवन, भोपाल में ईपीएबीएक्स सिस्टम के वार्षिक रखरखाव का कार्य।	भोपाल	2.38
56.	2024_WRD_362707	विश्वसरैया भवन, भोपाल में हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	12.98
57.	2024_WRD_362708	मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, जल संसाधन विभाग, भोपाल के वार्षिक रखरखाव का कार्य।	भोपाल	18.17
58.	2024_WRD_362710	अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मण्डल, भोपाल के वार्षिक रखखाव का कार्य।	भोपाल	11.35
59.	2024_WRD_362711	जल संसाधन विभाग, भोपाल के विभिन्न कार्यालयों के कम्प्यूटर एवं उनके उपकरणों के वार्षिक रखरखाव का कार्य।	भोपाल	15.33
60.	2024_WRD_362712	जल संसाधन विभाग, भोपाल के विभिन्न कार्यालयों के प्रिन्टर की रिफलिंग व अन्य विविध वार्षिक रखरखाव का कार्य।	भोपाल	11.28
61.	2024_WRD_362713	विश्वसरैया भवन, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	भोपाल	17.24
62.	2024_WRD_363152	ईशरपुर के 05 वितरिका, सांकला वितरण तथा गुड्डीखेड़ा जलाशय की समस्त नहरों का मिट्टी कार्य एवं पिपरिया शाखा नहर की चैन क्र. 250 से 475 तक लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	18.52
63.	2024_WRD_363154	शुक्करवाड़ा के 01 वितरिका तथा 03 स्टक्चर, नसीरावाद सेमरी 04 नम्बर वितरिका एवं उसकी माइनरों का मिट्टी एवं बागरा शाखा नहर के चैन क्र. 648 से 660 तक लाइनिंग का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	18.05
64.	2024_WRD_363155	माछा वितरण अनुविभाग पिपरिया के 08 नम्बर वितरिका एवं उसकी माइनरें एवं डोकरीखेड़ा मध्यम जलाशय की समस्त नहरों में मिट्टी का कार्य।	नर्मदापुरम	13.48
65.	2024_WRD_363288	सतवासा उपनहर की चैन क्र. 50 से 115, चौतलया उपनहर की चैन क्र. 270 से 290 एवं मिसरोद की चैन क्र. 180 से 290 के मध्य मिट्टी का कार्य।	नर्मदापुरम	3.75
66.	2024_WRD_363289	मुहारी माइनर एवं मिसरोध उपनहर की चैन क्र. 19, 36 एवं 62 पर स्थित फाल का पुनर्निर्माण कार्य।	नर्मदापुरम	6.25
67.	2024_WRD_363290	खपरिया एवं विभिन्न माइनर एवं मकड़ाई वितरिका की बांयी चैन क्र. 220 से 240 मिट्टी का कार्य।	नर्मदापुरम	4.84
68.	2024_WRD_363291	मकड़ाई वितरिका की खपरिया माइनर चैन क्र. 07, 19 एवं 29 पर स्थित फाल का पुनर्निर्माण कार्य।	नर्मदापुरम	5.33
69.	2024_WRD_363292	तवा कालोनी परिसर सिवनी मालवा की फेंसिंग वॉल निर्माण कार्य।	नर्मदापुरम	4.22
70.	2024_WRD_363293	तवा कालोनी परिसर सिवनी मालवा में पानी की बाहरी पाइप लाइन बिछाने/बदलने का कार्य।	नर्मदापुरम	4.22
71.	2024_WRD_363294	तवा कॉलोनी परिसर सिवनी मालवा में कार्यपालन यंत्री के शासकीय आवास के दक्षिण दिशा की बाउण्ड्रीवॉल के मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	4.23

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

72.	2024_WRD_363295	धामनिया, दवाड़िया एवं कहारिया उपनहर का मिट्टी एवं रिसेक्शनिंग कार्य।	नर्मदापुरम	4.60
73.	2024_WRD_363296	लुहारिया, पीपलढोन, गाजनपुर, चबौरा एवं रजौरा उपनहर के मिट्टी कार्य।	नर्मदापुरम	3.32
74.	2024_WRD_363297	रायगढ़ उपनहर की चैन क्र. 732 पर व्ही.आर.बी. का पुनः निर्माण कार्य।	नर्मदापुरम	6.74
75.	2024_WRD_363345	वि./यॉ भारी मशीनरी उपसंभाग, भोपाल हेतु उपयोगिता वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.03
76.	2024_WRD_363519	माही परियोजना मुख्य बांध हेतु 01 नगर कुशल, 02 नग अर्धकुशल एवं 02 नग अकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	धार	4.81
77.	2024_WRD_363521	बरखेड़ा सिंचाई परियोजना बांध पर 01 नग कुशल, 02 नग अर्धकुशल एवं 02 नग अकुशल श्रमिकों का प्रदाय।	धार	4.81
78.	2024_WRD_363527	सेंदला बैराज के जल संसाधन संभाग धार के 10 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	14.05
79.	2024_WRD_363528	मागरपाटी बैराज के जल संसाधन संभाग धार के 10 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	12.06
80.	2024_WRD_363529	बोरिया बैराज के जल संसाधन संभाग धार के 03 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	2.65
81.	2024_WRD_363530	चिमली बैराज के विभिन्न प्रकार के जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	7.06
82.	2024_WRD_363531	देवनारायण स्टापडेम के जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	2.68
83.	2024_WRD_363532	डोबनी बैराज जल संसाधन संभाग मनावर धार के 03 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	8.28
84.	2024_WRD_363533	दोतड बैराज के 04 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	9.70
85.	2024_WRD_363535	हांडिया कुंडिया के 02 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	4.84
86.	2024_WRD_363536	कराडिया भील बैराज के 19 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	19.94
87.	2024_WRD_363537	नायापाडा बैराज के 03 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	8.27
88.	2024_WRD_363539	सारांकिया बैराज के 06 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	6.30
89.	2024_WRD_363540	तरावली बैराज के 05 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	5.25
90.	2024_WRD_363541	उदयपुरा बैराज के 07 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	5.87
91.	2024_WRD_363542	तुल्ला बैराज के 05 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	8.55
92.	2024_WRD_363543	बुडेहरा स्टापडेम के 06 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	6.30
93.	2024_WRD_363544	रायपानी बैराज के 06 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	7.91
94.	2024_WRD_353546	ढोलानाखुर्द बैराज के 02 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	5.48
95.	2024_WRD_363547	घुलसार बैराज के 06 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	16.44
96.	2024_WRD_363549	इडारिया डबरा बैराज के 06 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	16.44
97.	2024_WRD_363550	कापसी नागबाबा बैराज के 05 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	13.99
98.	2024_WRD_363551	करेरा बैराज के 02 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	5.82
99.	2024_WRD_363552	रेपुरा बैराज के 04 नग जलद्वार के प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	10.46
100.	2024_WRD_363630	मोहिनी पिकअप वियर पर फीडर केनाल के एच.आर. सर्विस गेट क्र. 1 के वायर रोप का मरम्मत कार्य।	दतिया	1.61
101.	2024_WRD_363631	आर.बी.सी. राइट बैंक केनाल का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	दतिया	4.70
102.	2024_WRD_363632	राजघाट केनाल अंतर्गत एल.बी.सी. ओ.आर.डी. से 83170 मी. का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	दतिया	4.98
103.	2024_WRD_363707	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. तिघरा बांध के विद्युत का सामग्री प्राक्कलन।	ग्वालियर	0.91
10.4	2024_WRD_363790	तिसाटा स्टाप डेम के 4 नग जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन का कार्य।	भोपाल	14.05
105.	2024_WRD_363921	सिंध परियोजना द्वितीय चरण के दांया तट नहर महुअर नदी तक की वितरिका डी-4 की टेल माइनर की आर.डी. 1530 मी. से 1920 मी. के मध्य लाइनिंग, मिट्टी कार्य एवं सी.डी. मरम्मत कार्य।	शिवपुरी	13.01
106.	2024_WRD_363922	सिंध परियोजना द्वितीय चरण की दांयी तट नहर के विभिन्न वितरिकाओं की आर.डी. का मिट्टी एवं मुख्य नहर की आर.डी. 8690 से आर.डी. 8712 मी. के तक मरम्मत एवं लाइनिंग कार्य।	शिवपुरी	16.93

कुल योग 708.61

जी-15263/49983/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्यारमेंट)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1091/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 21.08.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 13.09.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_363981	सतधारू बांध के डूब क्षेत्र में प्रभावित तेजगढ़ बहेरा मार्ग के मध्य सतधारू नदी पर हाई लेविल ब्रिज का निर्माण कार्य।	दमोह	752.65
2.	2024_WRD_363983	वर्ष 2024-25 के लिए खान डायवर्सन योजना का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	66.47
3.	2024_WRD_363986	पार्वती परियोजना अंतर्गत कुरावर डी.सी. के बड़ोदिया तालाब, जमुनिया गणेश एवं जमुनिया जोहर एवं पुनर्वास कॉलोनियों के विद्युतीकरण का कार्य।	राजगढ़	240.91
4.	2024_WRD_363987	अजल भू-जल योजना अंतर्गत पथरिया ब्लॉक के चोपरा बाँसाकला जलाशय के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य।	दमोह	261.50
5.	2024_WRD_363988	अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त चंबल दाहिनी मुख्य नहर के दांये तट पर आर.डी. 73000 से 75500 मी. के मध्य डक्ट लाइनिंग का मरम्मत कार्य एवं मिट्टी कार्य।	श्योपुर	68.01
6.	2024_WRD_363989	**टर्न की पद्धति पर :–** बोरदिया बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	उज्जैन	399.87
7.	2024_WRD_363991	आर.आर.आर. अंतर्गत नकतरा बांध योजना के शीर्ष कार्य एवं नहर का शेष कार्य।	सतना	58.03
8.	2024_WRD_363992	सागर जिले में बण्डा सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित ग्राम निमौन से कटरा के समीप 11 के.व्ही. व एल.टी. विद्युत लाइन के प्रतिस्थापन के कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	22.34
9.	2024_WRD_363993	सागर जिले में बण्डा सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित ग्राम सिमरा अहीर से पिपरिया इल्याई के समीप 11 के.व्ही. व एल.टी. विद्युत लाइन सहित डी.टी.आर. के प्रतिस्थापन के कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	22.87
10.	2024_WRD_363994	सागर जिले में बण्डा सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित ग्राम हिनौता समीप 11 के.व्ही. व एल.टी. विद्युत लाइन सहित डी.टी.आर. के प्रतिस्थापन के कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	44.34
11.	2024_WRD_363995	सागर जिले में आपचन्द सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित ग्राम बोधापिपरिया से दुधोनिया के समीप 11 के.व्ही. विद्युत लाइन (ए.जी. एवं डी.एल.) के प्रतिस्थापन का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	94.48
12.	2024_WRD_363998	सागर जिले में आपचन्द सिंचाई परियोजना के डूबक्षेत्र से प्रभावित ग्राम आपचन्द से भैसवाही के समीप 11 के.व्ही. विद्युत लाइन (ए.जी. एवं डी.एल.) सहित डी.टी.आर. के प्रतिस्थापन का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित।	सागर	74.38
13.	2024_WRD_363999	**टर्न की पद्धति पर :–** आमगढ़ा बैराज, बारोल बैराज एवं खैंचाखेड़ी बैराजों के अंतर्गत समस्त अवयवों का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	राजगढ़	981.07

जी-15281/49984/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, सागर संभाग-उज्जैन
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)
भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू.क्र.-04/एन.एच.एम./उ.सं/2024-25/862 **भोपाल, दिनांक : 14.08.2024**

प्रथम आमंत्रण निविदा सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-उज्जैन की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से **www.mptenders.gov.in** (Department of Directorate of Health Services) 02 एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एसओआर 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :–

ई-निविदा अल्प आमंत्रण सूचना क्रमांक-04/2024-25 (प्रथम आमंत्रण)

सरल क्रमांक	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	संस्था की संख्या	अनु. लागत राशि रु. लाख में
1.	2024_DHS_363907	भोपाल	भोपाल	1	221.53
2.	2024_DHS_363909	भोपाल	भोपाल	1	12.60
3.	2024_DHS_363910	भोपाल	भोपाल	1	13.35
4.	2024_DHS_363911	भोपाल	भोपाल	1	11.67

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 20.08.2024 प्रातः 10.30 से **दिनांक 03.09.2024** सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5. उपरोक्त कार्यों हेतु समान कार्य का अनुभव होना आवश्यक है।
6. उपरोक्त निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-15223/49968/2024 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-उज्जैन**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

मध्यप्रदेश पर्यटन और पुरातत्व

प्र.1 मध्यप्रदेश के किस किले का जौहर कुंड प्रसिद्ध है?
(अ) धार का किला
(ब) असीरगढ़ का किला
(स) चंदेरी का किला
(द) मंदसौर का किला
उत्तर- (स) 11वीं शताब्दी में निर्मित चंदेरी (अशोकनगर) का किला जौहर कुण्ड के लिए विख्यात है क्योंकि बाबर के आक्रमण के समय राजपूत रानियाँ इस जौहर कुण्ड में जलकर भस्म हो गई थीं। इस किले में हवा महल तथा नौखंडा महल दर्शनीय स्थल हैं।

प्र.2 मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल का नाम बताएं जो अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है और दैनिक वायु सेवा से जुड़ा है?
(अ) मांडू
(ब) सांची
(स) खजुराहो
(द) कान्हा-किसली
उत्तर- (स) खजुराहो चंदेल राजाओं की राजधानी थी। यहां पर अनेक भव्य मंदिर नागर शैली में निर्मित हैं। यह स्थल अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर चुका है तथा नियमित वायु सेवा से जुड़ा हुआ है।

प्र.3 मध्यप्रदेश के किलों/दुर्ग के संबंध में असत्य कथन को छांटिए?
(अ) धार का किला दक्षिण विजय पर मोहम्मद तुगलक ने बनवाया था
(ब) असीरगढ़ किले का निर्माण आसा अहीर ने करवाया था
(स) चंदेरी का किला प्रतिहार शासक कीर्तिपाल ने करवाया था
(द) गिन्नौरगढ़ का किला राजबंसती द्वारा बनवाया गया था
उत्तर- (द) गिन्नौरगढ़ का किला गिन्नौर पहाड़ी पर 13वीं शताब्दी में महाराजा उदयवर्मन द्वारा बनवाया गया। शेष विकल्प सत्य हैं अर्थात धार का किला मोहम्मद तुगलक ने 1344 ई. में दक्कन विजय के दौरान बनवाया था, चंदेरी का किला राजा कीर्तिपाल ने बनवाया था, असीरगढ़ का किला आसा अहीर ने बनवाया था।

प्र.4 राजा नल और दमयन्ती की प्रणय गाथा से यह किला जुड़ा है?
(अ) अजयगढ़ का किला
(ब) मंदसौर का किला
(स) नरवर का किला
(द) मण्डला का किला
उत्तर- (स) शिवपुरी के समीप एक पहाड़ी पर राजा नल की राजधानी थी, राजा नल और दमयन्ती की प्रणय गाथा नरवर के किले से जुड़ी है।

प्र.5 निम्नलिखित में से किस दुर्ग का निर्माण अलाउद्दीन खिजली ने कराया?
(अ) मंदसौर का किला
(ब) नरवर का किला
(स) मण्डला का किला
(द) गिन्नौरगढ़ का किला
उत्तर- (अ) 14वीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिलजी ने मंदसौर के किले का निर्माण कराया। नरवर का किला राजा नल ने बनवाया था।

प्र.6 मध्यप्रदेश में मदन महल कहाँ पर स्थित है?
(अ) जबलपुर (ब) ग्वालियर
(स) मंडला (द) धार
उत्तर- (अ) मदनमहल जबलपुर नगर में एक विशाल पहाड़ी पर स्थित है। गौड़ राजा मदनशाह ने इस महल का निर्माण करवाया था।

प्र.7 जयविलास महल कहाँ स्थित है ?
(अ) जबलपुर (ब) रायसेन
(स) अजयगढ़ (द) ग्वालियर
उत्तर- (द) ग्वालियर नगर में महाराजा जीवाजी राव सिंधिया का निवास जयविलास राजमहल कहलाता है, यह महल पाश्चात्य नमूने पर बना हुआ है, इस महल का संग्रहालय दर्शनीय है।

प्र.8 तानसेन का मकबरा कहां स्थित है?
(अ) काबुल (ब) ग्वालियर
(स) मैहर (द) जबलपुर
उत्तर- (ब) संगीत सम्राट तानसेन का वास्तविक नाम रामतनु था, वे अकबर के नवरत्नों में से एक थे। ग्वालियर में तानसेन का मकबरा बना हुआ है। जो मुगल स्थापत्य कला का एक सुन्दर उदाहरण है।

प्र.9 माण्डू में निम्न में से कौन-सा महल है?
(अ) रानी रूपमति महल
(ब) अशरफी महल
(स) दाई का महल
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) मध्यप्रदेश की पर्यटन नगरी माण्डू में प्रसिद्ध रानी रूपमति का महल, अशरफी महल, दाई का महल, हिण्डोला महल, जहाज महल, आदि स्थापित हैं। जो अपनी ऐतिहासिकता को समेटे हुए दिखाई देते हैं।

प्र.10 मोहम्मद गौस का मकबरा किस जगह है?
(अ) ग्वालियर (ब) माण्डू
(स) पीरखेडी (द) भोपाल
उत्तर- (अ) मोहम्मद गौस अकबर के समकालीन थे। जो सूफी फकीर समझे जाते हैं। मध्यप्रदेश के ग्वालियर दुर्ग के बाहर मोहम्मद गौस का मकबरा है। यह मुगलकाल की प्रारंभिक कला का नमूना बताया जाता है।

प्र.11 होशंगशाह का मकबरा किस लिए प्रसिद्ध है?
(अ) अपनी भव्यता के लिए
(ब) संगमरमर से बनी प्रथम इमारत के लिए
(स) विशेष शैली में बने होने के लिए
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) मध्यप्रदेश के माण्डू में मालवा के मुस्लिम शासक होशंगशाह का मकबरा स्थित है। यह मकबरा संगमरमर से बनी भारत की पहली इमारत होने के कारण प्रसिद्ध है।

प्र.12 शिवपुरी में किस वंश के दो व्यक्तियों की समाधियां हैं?
(अ) सिंधिया (ब) होल्कर
(स) परमार (द) गोंड वंश
उत्तर- (अ) म.प्र. के शिवपुरी में सिंधिया वंश के दो व्यक्ति महारानी सांख्याराजे सिंधिया तथा महाराज माधवराव सिंधिया की समाधियां बनी हैं।

प्र.13 म.प्र. के किस पर्यटन स्थल की खोज जेम्स फारसाथ ने की थी?
(अ) पचमढ़ी (ब) माण्डू
(स) भेड़ाघाट (द) अमरकंटक
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश के एक मात्र हिलस्टेशन और पर्यटन का आकर्षक केन्द्र पचमढ़ी की खोज जेम्स फारसाथ ने की थी। यहां पर चौरागढ़, बड़ादेव, जयशंकर, पाण्डवगुफा आदि दर्शनीय स्थल है।

प्र.14 मध्यप्रदेश के किस पर्यटन स्थल की खोज जेम्स फारसाथ ने की थी?
(अ) पचमढ़ी (ब) माण्डू
(स) भेड़ाघाट (द) अमरकंटक
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश के एक मात्र हिलस्टेशन और पर्यटकों का आकर्षक केन्द्र पचमढ़ी की खोज 1858 में जेम्स फारसाथ ने की थी, यहां पर चौरागढ़ जटाशंकर, पाण्डव गुफा दर्शनीय है।

प्र.15 राजा अमन का महल किस किले में है?
(अ) गिन्नौरगढ़ के किले में
(ब) अजयगढ़ के किले में
(स) चंदेरी के किले में
(द) मण्डला के किले में
उत्तर- (ब) अजयगढ़ किले का निर्माण 18वीं शताब्दी में राजा अजयपाल ने कराया था। इसमें राजा अमन का महल है जो पत्थर की बारीक पच्चीकारी का अनुपम उदाहरण है।

प्र.16 बघेलीन महल कहां स्थित है?
(अ) माण्डू (ब) चन्देरी
(स) मण्डला (द) ओरछा
उत्तर- (स) मध्यप्रदेश के मण्डला में मोती महल तथा बघेलिन महल हैं।

प्र.17 ग्वालियर के किले में गुजरी महल व मान मन्दिर का निर्माण किसने करवाया था?
(अ) मानसिंह
(ब) जयसिंह
(स) वीरसिंह
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश के ग्वालियर दुर्ग में गुजरी महल, मान मन्दिर है, जिसे राजा मानसिंह तोमर ने निर्मित कराया था।

प्र.18 मध्यप्रदेश के किस पुरास्थल से सर्वप्रथम सतीप्रथा के प्रमाण प्राप्त हुये?
(अ) कायथा (ब) बेसनगर
(स) एरण (द) डॉगवाला
उत्तर- (स) मध्यप्रदेश के सागर जिले में स्थित एरण पुरास्थल की प्रसिद्धि का कारण सतीप्रथा के प्राचीनतम् अभिलेखनीय साक्ष्य का प्राप्त होना रहा है।

प्र.19 इन्द्रगढ़ पुरास्थल किस जिले में स्थित है?
(अ) मंदसौर (ब) उज्जैन
(स) विदिशा (द) धार
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित इन्द्रगढ़ पुरास्थल से एक शिलालेख प्राप्त हुआ है।

प्र.20 भरहुत स्तूप की खोज किसने की थी?
(अ) कर्निघम (ब) शाहनी
(स) जॉन मार्शल (द) श्री वाकणकर
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश के सतना जिले में स्थित भरहुत स्तूप का निर्माण मौर्य सम्राट अशोक ने कराया था। इस स्तूप का पता 1873 ई. में कर्निघम द्वारा लगाया गया था ?

प्र.21 किस स्तूप में महात्मा बुद्ध के दो शिष्यों की अस्थियां रखी हुयी हैं।
(अ) भरहुत स्तूप
(ब) गरूड़
(स) सांची
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) सांची के स्तूप में महात्मा बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों सारिपुत्र तथा महामोगलायन के अस्थि अवशेष सुरक्षित रूप से रखे गये हैं।

प्र.22 म.प्र. में सतीप्रथा का प्रमाण एरण अभिलेख से मिलता है यह अभिलेख किसका था?
(अ) समुद्रगुप्त (ब) रामगुप्त
(स) भानुगुप्त (द) गोपराज
उत्तर- (स) गुप्त शासक भानुगुप्त के एरण अभिलेख से सतिप्रथा के प्रचलन का प्रथम प्रमाण मिलता है। जिससे गोपराज की पत्नि के सती होने की जानकारी मिलती है।

प्र.23 चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस स्थल का भ्रमण किया था?
(अ) माहिष्मती (ब) चन्देरी
(स) भूमरा (द) दशपुर
उत्तर- (अ) वर्तमान महेश्वर के नाम से जाना जाने वाला माहिष्मती चेदि जनपद की राजधानी रहा है। माना जाता है कि चीनी यात्री ह्वेनसांग ने लगभग 640 ई. में इस स्थल का भ्रमण किया था जिसके अनुसार उस समय यहां का शासक ब्राह्मण था।

प्र.24 वैश्य टेकरी कहां पर स्थित है?
(अ) उज्जैन (ब) नागदा
(स) खेडीनामा (द) ऑवरा
उत्तर- (अ) उज्जैन की उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित वैश्य टेकरी नामक टीला है। इस टिले के उत्खन्न में एक विशाल स्तूप के अवशेष प्राप्त हुए।

प्र.25 हेलियोडोरस का गरूड़ स्तम्भ कहां है?
(अ) उज्जैन (ब) विदिशा
(स) सांची (द) बुरहानपुर
उत्तर- (ब) म.प्र. के विदिशा जिले का प्राचीन नाम बेसनगर था यहां पर तक्षशिला के शासक एंटियालकीड्स के राजदूत होलियोडोरस द्वारा शुंग काल में एक गरूड़ स्तम्भ बनवाया था।

प्र.26 उज्जैन का प्राचीन नाम क्या था?
(अ) माहिष्मती
(ब) दशपूर
(स) अवन्ति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) महाकाल की नगरी में राजा विक्रमादित्य एक विद्वान और प्रतापी शासक थे उन्होंने अपनी राजधानी अवन्ति (उज्जैन) को बनाया था।

प्र.27 मध्यप्रदेश किस पर्यटन स्थल पर सिद्धनाथ घाट और नागर घाट हैं?
(अ) ओंकारेश्वर (ब) बरमान घाट
(स) भेड़ाघाट (द) नेमावर
उत्तर- (द) पर्यटन स्थल नेमावर नर्मदा का नाभिस्थल है, जो क्षेत्रवासियों के लिए धार्मिक आस्था का केन्द्र है। यहां पर सिद्धनाथ घाट, नागर घाट प्रसिद्ध हैं।

प्र.28 मध्यप्रदेश की प्रथम पर्यटक नगरी का गौरव किस जिले को प्राप्त है?
(अ) शिवपुरी (ब) सिवनी
(स) नमर्दापुरम (द) धार
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश के शिवपुरी को प्रदेश की पहली पर्यटक नगरी होने का गौरव प्राप्त है। शिवपुरी में माधव राष्ट्रीय उद्यान है।

प्र.29 ग्वालियर का दुर्ग निम्न में से किसने बनवाया था?
(अ) सूरजसेन
(ब) महिपाल
(स) मानसिंह
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) किलों का रत्न कहे जाने वाले म.प्र. का ग्वालियर दुर्ग का निर्माण राजा सूरजसेन ने आठवीं ईस्वी में कराया था। महिपाल ने सासबहू का मंदिर तथा मानसिंह तोमर ने मान मंदिर व हाथी की प्रतिमा बनवाई थी।

प्र.30 विष्णु के वराह अवतार की झाँकी की प्रतिमा निम्न में कहां पायी जाती है?
(अ) ग्वालियर में
(ब) खजुराहो में
(स) उदयगिरि की गुफा में
(द) सांची में
उत्तर- (स) म.प्र. के विदिशा जिले में गुप्तकालीन उदयगिरि गुफा में वराह अवतार की प्रतिमा है। यहां 20 गुफाएं हैं जिसमें गुफा नं. 05 में वराह की विशाल प्रतिमा बनी है।

प्र.31 आदमगढ़ क्यों प्रसिद्ध है?
(अ) पाषाण युगीन अवशेषों के लिए
(ब) जल-प्रताप के लिए
(स) प्राचीन शिलालेख के लिए
(द) बौद्ध कालीन अवशेष के लिए
उत्तर- (अ) पाषाण युगीन अवशेषों के लिए। नर्मदापुरम के बाहर नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है, यहां पर आदिमानव द्वारा चित्रित शैल गुफाएं हैं।

प्र.32 जबलपुर स्थित मदन महल किले का निर्माण किस शासक ने कराया था।
(अ) राजा मदनशाह
(ब) राजा संग्रामशाह
(स) राजा मकरंदशाह
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) जबलपुर में मदन महल किला एक दर्शनीय इमारत है। मदन महल किले का निर्माण राजा मदनशाह ने कराया था।

प्र.33 मांडू को मुगलकाल में निम्न नाम से जाना जाता था?
(अ) रानी रूपमति नगर
(ब) बाजबहादुर नगर
(स) शादियाबाद
(द) महलों का नगर
उत्तर- (स) मुख्य पर्यटन स्थल माण्डू को मुगलकाल में शादियाबाद के नाम से पहचाना जाता था जिसका अर्थ होता है, आनंद का शहर इसलिए इसे सिटी ऑफ जॉय भी कहा जाता है।

प्र.34 मध्यप्रदेश में दिल्ली दरवाजा कहां स्थित है?
(अ) अमरकंटक (ब) पचमढ़ी
(स) माण्डू (द) ओरछा
उत्तर- (स) मध्यप्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थल माण्डू में दिल्ली दरवाजा स्थित है, यह माण्डू का मुख्य दरवाजा है। माना जाता है की मुगल शासक अकबर ने इसी दरवाजे से माण्डू में प्रवेश किया था।

प्र.35 मध्यप्रदेश में आलमगीर दरवाजा किस दुर्ग में है?
(अ) ग्वालियर दुर्ग में
(ब) रायसेन दुर्ग में
(स) ओरछा दुर्ग में
(द) बांधोगढ़ का दुर्ग
उत्तर- (अ) ग्वालियर दुर्ग को किलों का रत्न भी कहा जाता है, इसमें पांच दरवाजे हैं 1. आलमगीर दरवाजा 2. हिंडोला दरवाजा 3. गुजरी महल दरवाजा 4. चतुर्भुज दरवाजा 5. हाथीपौर दरवाजा।

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

हमारा जिला : ग्वालियर

राजवंशीय परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और स्वाधीनता सेनानियों की गौरवगाथा का प्रतीक

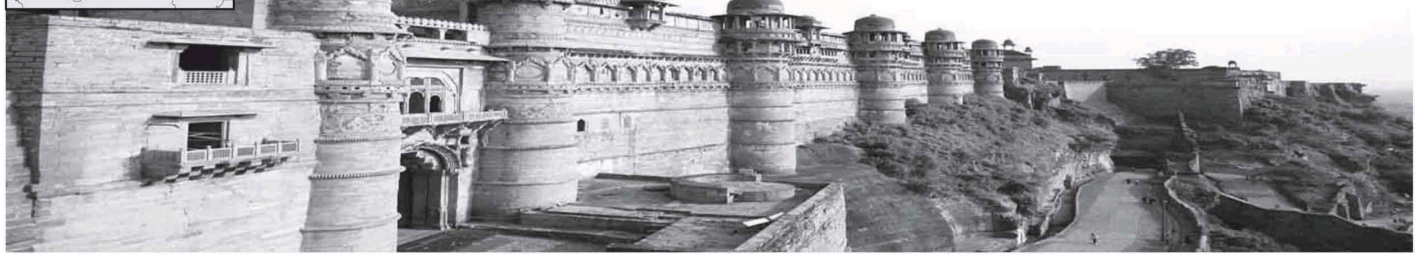

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। "रोज़गार और निर्माण" के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है ग्वालियर जिले का परिचय :-

मध्यप्रदेश का ग्वालियर जिला ग्वालियर संभाग के अन्तर्गत आता है। ग्वालियर सन् 1948 से 1956 तक मध्य भारत की राजधानी रहा। जब मध्यप्रदेश का गठन हुआ, तब इसे जिले का स्वरूप दिया गया। इस जिले के नाम को लेकर ग्वालियर के इतिहास से पता चलता है कि छठी शताब्दी में एक राजा हुए थे सूरज सेन। वे एक घातक बीमारी से पीड़ित थे। तब एक संत ग्वालिपा ने उन्हें ठीक कर जीवन दान दिया। उन्हीं संत के सम्मान में शहर का नाम ग्वालियर रखा गया। ग्वालियर का अस्तित्व पुरातन है। महान राजवंशों ने ग्वालियर पर शासन किया। विभिन्न राजवंशों के साथ, शहर ने योद्धा, राजाओं, कवियों, संगीतकारों और संतों से एक नया आयाम प्राप्त किया। यह शहर महान स्वाधीनता सेनानी तात्या टोपे और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की गौरव गाथा और स्मारकों के लिए भी प्रसिद्ध है।

जलवायु

ग्वालियर जिला ज्यादातर समतल है। हालांकि इसका दक्षिणी हिस्सा पहाड़ियों से घिरा हुआ है। ग्वालियर की जलवायु गर्मियों और सर्दियों दोनों में चरम सीमाओं पर रहती है। गर्मियों में आमतौर पर बहुत गर्मी होती है और सर्दियों में बहुत ठंडक रहती है। ग्वालियर में साधारणतया बारिश केवल मानसून के महीनों में ही होती है। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलती हैं। ग्वालियर शहर में आगमन के लिए अक्टूबर से मार्च का महीना सबसे अच्छा है।

गर्मियों के दौरान, ग्वालियर की जलवायु में भीषण गर्मी रहती है और आर्द्रता का स्तर भी बढ़ जाता है। अप्रैल के महीने से जून के महीने तक ग्वालियर में लगभग 45 से 48 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान रहता है। सर्दियों के मौसम में, ग्वालियर का तापमान न्यूनतम लगभग 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक चला जाता है।

इतिहास

ग्वालियर शिलालेख में शून्य दो संख्याओं 50 और 270 में देखा जा सकता है। अनुमान लगाया जाता है कि ये अंक 9वीं शताब्दी में अंकित किए गए थे। ग्वालियर का सबसे पुराना शिलालेख हूण शासक मिहिरकुल की देन है जिनका छठी सदी में शासन था इस प्रशस्ति में उन्होंने अपने पिता तोरमाण (493-515) का उल्लेख किया है।

गुफाओं में जैन प्रतिमाएं

सन् 1231 में इल्तुतमिश ने 11 महीने के लंबे प्रयास के बाद ग्वालियर पर कब्जा कर लिया और तब से 13वीं शताब्दी तक यह मुस्लिम शासन के अधीन रहा। सन् 1375 में राजा वीर सिंह को ग्वालियर का शासक बनाया गया और उन्होंने तोमर वंश की स्थापना की। तोमर वंश के दौरान, ग्वालियर ने अपना स्वर्णिम काल देखा। इसी शासन काल में ग्वालियर किले में जैन मूर्तियों का निर्माण हुआ।

मान मंदिर महल

राजा मान सिंह तोमर ने अपने सपनों का महल मान मंदिर पैलेस बनाया था, जो अब ग्वालियर किले में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इस किले को 'भारत के किलों के हार में मोती' और 'हवा भी इसके मस्तक को नहीं छू सकती' के रूप में वर्णित किया था। बाद में 1730 के दशक में, सिंधिया द्वारा ग्वालियर पर अधिकार कर लिया गया। सन् 1740 में गोहद के जाट राजा भीम सिंह राणा ने ग्वालियर को जीत लिया और कई वर्षों तक यहां शासन किया। सिंधिया ने एक बार फिर ग्वालियर पर अधिकार कर लिया और ब्रिटिश शासन के दौरान भी ग्वालियर रियासत बनी रही।

ऐतिहासिक स्थल

मुरार- पहले यह सैन्य क्षेत्र हुआ करता था, जिसे मिलिट्री ऑफिसर्स रेजिडेंशियल एरिया रिजर्व्ड (M.O.R.A.R.) कहा जाता था और संक्षेप में मोरार। मोरार शब्द अपभ्रंश होकर मुरार हो गया।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

पेरिस ओलंपिक-2024 फैक्ट फाइल

126 पदकों के साथ अमेरिका पहले और 6 पदकों के साथ भारत 71वें स्थान पर

पेरिस में आयोजित हुए खेलों के महाकुंभ ओलंपिक-2024 का समापन हो गया है। 26 जुलाई से 11 अगस्त, 2024 तक चले इस महाकुंभ में विश्व के लगभग 10,500 खिलाड़ियों ने कुल 329 अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पेरिस ओलंपिक की पदकों की सूची में अमेरिका ने सबसे ज्यादा पदक जीते हैं। अमेरिका ने 40 गोल्ड सहित कुल 126 मेडल जीते हैं। चीन ने 40 गोल्ड सहित 91 मेडल जीते और वह दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, 20 गोल्ड मेडल सहित 45 मेडल जीतकर जपान क्रमशः तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने सिर्फ 6 मेडल जीते हैं और वह 71वें स्थान पर रहा।

भारतीय दल में 117 खिलाड़ी

पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से कुल 117 खिलाड़ियों के दल ने हिस्सा लिया। इसमें भारत के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में जबरदस्त प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रजत और कांस्य पदक अपने नाम किये। ओलंपिक खेलों की सूची में भारत ने छह पदक जीते, जिसमें एक रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला पदक जीता। उन्होंने कांस्य पदक जीता और वह ओलंपिक शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद मनु ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतकर इतिहास रचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। स्वप्निल कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीतकर वर्ष 2024 के ओलंपिक को भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि बना दिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में कांस्य पदक जीतकर टोक्यो 2020 की सफलता को यथावत रखा। साथ ही भाला फेंक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज चोपड़ा सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपियन बन गए। अमन सहरावत कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बने।

यह खिलाड़ी पदक जीतने से चूके

भारत के खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक में छह संभावित पदकों से चूक गये, अधिकांश पदक मामूली अंतर से हार गए। इसमें लक्ष्य सेन, मीराबाई चानू और मनु भाकर शामिल थीं जो पदक हासिल कर सकती थी। ऐतिहासिक फाइनल से पहले विनेश फोगाट की अयोग्यता ने भी भारत को एक पदक से वंचित कर दिया।

पेरिस 2024 ओलंपिक में 16 खेलों तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, घुड़सवारी, गोल्फ, हॉकी, जूडो, रोइंग, सेलिंग, शूटिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस और टेनिस की कुल 69 पदक स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। नीरज चोपड़ा, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, वेटलिफ्टर मीराबाई चानू, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी भारतीय दल में शामिल हुए। भारत की तरफ से 40 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक खेलों का हिस्सा बने।

अब तक हुए ओलंपिक में कुल 41 पदक

- भारत ने ओलंपिक खेलों में वर्ष 1920 से आधिकारिक रूप से सहभागिता की है।
- अब तक भारत ने ओलंपिक में कुल 41 पदक जीते हैं।
- केडी जाधव हेलसिंकी 1952 में कुश्ती में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी बनें।
- केडी जाधव ओलंपिक पदक विजेताओं की सूची में शामिल होने वाले स्वतंत्र भारत के पहले व्यक्तिगत एथलीट थे।
- वेटलिफ्टर कर्णम मल्लेश्वरी सिडनी 2000 में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं।
- बीजिंग ओलंपिक 2008 में राइफल निशानेबाज अभिनव बिंद्रा व्यक्तिगत स्पर्धा में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे।
- टोक्यो ओलंपिक 2020 में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- आठ स्वर्ण सहित 13 पदकों के साथ पुरुष हॉकी का भारत के ओलंपिक पदक तालिका में सबसे बड़ा योगदान रहा है।

पेरिस को तीसरी बार मिला मेजबानी का मौका

पेरिस ने वर्ष 1900 और 1924 में भी ओलंपिक खेलों की मेजबानी की थी। फ्रांस का पेरिस दुनिया का दूसरा शहर है, जिसने तीसरी बार ओलंपिक की मेजबानी की है। इससे पहले ब्रिटेन का लंदन शहर 1908, 1948 और 2012 ओलंपिक की मेजबानी कर चुका है।

ब्रेकडांस पहली बार बना ओलंपिक का हिस्सा

पेरिस ओलिंपिक में ब्रेकडांस को पहली बार ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया। हालांकि यह 2028 के ओलिंपिक में शामिल नहीं होगा। यह खेल डांस का एक स्टाइल है, जिसकी शुरुआत 1970 के दौरान न्यूयॉर्क में हुई थी। जो कुछ सालों बाद कॉम्पिटिशन का हिस्सा बन गया। वहीं, बेसबॉल और कराटे पेरिस ओलिंपिक में इस बार शामिल नहीं हुए। उल्लेखनीय है कि दोनों खेल टोक्यो ओलिंपिक में शामिल किए गए थे।

वर्ष 2028 में लॉस एंजलिस में होगा ओलंपिक

पेरिस ओलंपिक के बाद वर्ष 2028 में लॉस एंजेलिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। यह खेल 14 जुलाई 2028 से शुरू होंगे और 30 जुलाई तक चलेंगे। यह तीसरा अवसर है जब लॉस एंजेलिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा।

- हितेश शर्मा

(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

29 अगस्त : राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष

खेलों के विकास की नई इबारत लिखता मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश, जिसे भारत का 'हृदय प्रदेश' भी कहा जाता है, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। मध्यप्रदेश में खेलों का भी एक विशिष्ट स्थान है, जिसे दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रतिभा के पर्याप्त अवसर दिलाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को खेलों के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयां मिल रही हैं। अधोसंरचना के विकास, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार और खिलाड़ियों को मिल रहे प्रोत्साहन से प्रदेश की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनी है। मध्यप्रदेश न केवल एक खेल राज्य के रूप में उभर रहा है, बल्कि यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रदेश के अधिकतम खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश का नाम रोशन करते रहें।

खेल सुविधाओं का विकास

मध्यप्रदेश सरकार ने खेलों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राज्य में खेल सुविधाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे प्रमुख शहरों में खेल परिसर और स्टेडियमों का निर्माण किया गया है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए सक्षम हैं। मध्यप्रदेश में 11 राज्य खेल अकादमियों की स्थापना की गई हैं, जिनके माध्यम से 18 खेल विधाओं में उभरते हुए खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का मान बढ़ा रहे हैं।

मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अब तक 492 पदक देश की झोली में डालकर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अब तक 4 हजार से अधिक पदक जीत कर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।

खिलाड़ियों का सम्मान

वर्ष 2023 में भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के तीन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार से नवाजा गया है। शूटिंग खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, हॉकी खिलाड़ी सुशीला चानू और पैरा केनोइंग क्याकिंग खिलाड़ी प्राची यादव को अर्जुन पुरस्कार तथा हॉकी कोच शिवेंद्र सिंह को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पेरिस ओलंपिक में प्रदेश के स्टार हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद ने अपनी असाधारण हॉकी खेल क्षमता से न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। उन्हें पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन और देश के लिए कांस्य पदक जीतने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि प्रदान करने की घोषणा की गई है। खिलाड़ियों का यह सम्मान राज्य सरकार की खेल और खिलाड़ियों के प्रति विशेष खेल भावना को रेखांकित करता है।

खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन

मध्यप्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान निधि, छात्रवृत्तियां और सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के लिए विशेष बीमा योजनाएं भी शुरू की हैं, ताकि उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय समस्या का सामना न करना पड़े। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।

खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत खेल अधोसंरचना और उपलब्धियों को देखते हुए शूटिंग, हॉकी और रोइंग अकादमियों को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में चुना गया है। यह चयन राज्य की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अधोसंरचना और उत्कृष्टता के आधार पर किया गया है।

खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर

खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 49 खेल केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1280 खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रत्येक केंद्र के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर प्रदान की गई है, जिससे स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने में मदद मिल रही है।

नवाचार, योजनाएं और स्पोर्ट्स कोटा

राज्य में खेल कोटे के तहत मध्यप्रदेश पुलिस में स्पोर्ट्स कोटा लागू किया गया है, जिसमें हर वर्ष 10 सब-इंस्पेक्टर और 50 कॉन्स्टेबल की नियुक्ति की जाती है। यह खिलाड़ियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है, जिससे उन्हें सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई जाती है।

मुख्यमंत्री खेल अधोसंरचना विकास योजना

मुख्यमंत्री खेल अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में खेल अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। इससे शहरी और ग्रामीण स्तर के खिलाड़ियों को प्रतिभा निखारने में मदद मिलेगी।

नई अकादमी की स्थापना

राज्य में ई-स्पोर्ट्स और ब्रेक डांस अकादमी स्थापित करने की योजना है, जो खेल के नए क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित करेगी। यह पहल नए खेलों के प्रति रुचि रखने वाले युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

खेलो एमपी यूथ गेम्स

स्कूली बच्चों को खेलों से जोड़ने के लिए राज्य में खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन प्रति वर्ष किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भाग लेते हैं। यह कार्यक्रम राज्य के युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ाने में सहायक है।

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक

पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए मध्यप्रदेश से जिन खिलाड़ियों का चयन हुआ उनमें विवेक सागर प्रसाद (हॉकी), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (शूटिंग),

कपिल परमार (पैरालंपिक जूडो) प्राची यादव और पूजा ओझा (पैरालंपिक केनोइंग क्याकिंग) तथा रुबीना फ्रांसिस (पैरालंपिक शूटिंग) शामिल हैं।

एशियन गेम्स

एशियन गेम्स, जकार्ता इंडोनेशिया 2018 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने जहां चार पदक देश को दिलाए वहीं वर्ष 2022 के एशियन गेम्स में 16 पदक भारत की झोली में डालकर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया।

इसी तरह मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने चतुर्थ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य पदक जीते। यह सफलता राज्य के खेल विभाग द्वारा दिए गए प्रशिक्षण और सुविधाओं का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

खेल अधोसंरचना का विस्तार एक मजबूत नींव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक माध्यम भी है। इस दिशा में 'मुख्यमंत्री खेल अधोसंरचना विकास योजना' के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में खेल सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है जहां खेल सुविधाओं की कमी है। इसके तहत नए स्टेडियम, खेल परिसर, और प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जा रही है।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में, राज्य को 'खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का दर्जा प्राप्त हुआ है। इस चयन में मध्यप्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना, विशेषकर शूटिंग, रोइंग, और हॉकी अकादमियों की प्रमुख भूमिका रही है। इन खेल अकादमियों में अत्याधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों का विकास

मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों का विकास एक बड़ी चुनौती रही है। हालांकि, राज्य सरकार ने ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

गांवों में खेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है और स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा को निखार सकें।

राज्य में 'खेलो मध्यप्रदेश' योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग लेते हैं। इस योजना का उद्देश्य राज्य में खेलों को लोकप्रिय बनाना और खेल प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है।

महिला खिलाड़ियों का योगदान

मध्यप्रदेश में महिला खिलाड़ियों का सराहनीय योगदान है। राज्य सरकार ने महिला खिलाड़ियों के विकास के लिए विशेष योजनाएं लागू की हैं, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की कई महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। खेलों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य में विशेष प्रशिक्षण केंद्र और खेल अकादमियां स्थापित की गई हैं।

मध्यप्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा अनेक कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। खेलों के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

माँ तुझे प्रणाम योजना

मध्यप्रदेश सरकार ने युवाओं को देश की सीमाओं और ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा कराने के लिए "माँ तुझे प्रणाम" योजना शुरू की है। इस योजना के तहत युवाओं को लेह-लद्दाख, कारगिल, आर.एस. पूरा, कोच्चि, बीकानेर, नाथूला-दर्रा, कश्मीर और अंडमान-निकोबार जैसे स्थानों की यात्रा कराई गई है।

कौशल उन्नयन कार्यक्रम

युवाओं को रोज़गार से जोड़ने और उन्हें विभिन्न विधाओं में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा रोजगारोन्मुखी (कौशल उन्नयन) कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके तहत युवाओं को कई विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

- महेन्द्र व्यास
(लेखक- सेवानिवृत जनसम्पर्क अधिकारी हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

हमारा जिला : ग्वालियर .....

थाटीपुर - रियासत काल में यहां सेना के सरकारी आवास थे, जिसका नाम थर्टी फोर लांसर था। आज़ादी के बाद यह आवास मध्यप्रदेश शासन के अधीन आ गए, जिसे थर्टी फोर की जगह थाटीपुर कहा गया।

गोरखी - पुराने रजिस्ट्रार ऑफिस से गजराराजा स्कूल तक सिंधिया वंश ने रहने का स्थान बनाया था। यहीं उनकी कुल देवी गोराक्षी का मंदिर बनाया गया। बाद में यह गोरखी बन गई।

पान पत्ते की गोठ - पूना की मराठा सेना जब पानीपत युद्ध से पराजित होकर लौट रही थी, तब उसने यहीं अपना डेरा डाला था। पहले इसे पानीपत की गोठ कहा जाता था।

कोटा की सराय - 17 जून 1857 को महारानी लक्ष्मीबाई और अंग्रेजों का अंतिम युद्ध हुआ था।

फूलबाग- 17 जून 1857 को सूर्यास्त के समय महारानी लक्ष्मीबाई का यहां बाबा गंगादास महाराज के मठ में अंतिम संस्कार हुआ। अब यहां स्मारक है।

पर्यटन स्थल

ग्वालियर किला - सेन्ड स्टोन से बना यह किला शहर की हर दिशा से दिखाई देता है। यह शहर का प्रमुख स्मारक है। एक ऊंचे पठार पर बने इस किले तक पहुंचने के लिये ऊंची चढ़ाई वाली पतली सड़क से होकर जाना होता है। इस सड़क के आसपास की बड़ी-बड़ी चट्टानों पर जैन तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियां बारीकी से गढ़ी गई हैं। किले की तीन सौ फीट ऊंचाई इस किले के अविजित होने की वजह है। इस किले के भीतरी हिस्सों में मध्यकालीन स्थापत्य के अद्भुत नमूने स्थित हैं। पन्द्रहवीं शताब्दी में निर्मित गूजरी महल उनमें से एक है जो राजपूत राजा मानसिंह तोमर और गुर्जर रानी मृगनयनी के गहन प्रेम का प्रतीक है। इस महल के बाहरी भाग को उसके मूल स्वरूप में राज्य के पुरातत्व विभाग ने सुरक्षित रखा है किन्तु आन्तरिक हिस्से को संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया है जहां दुर्लभ प्राचीन मूर्तियां रखी गई हैं जो कार्बन डेटिंग के अनुसार प्रथम शताब्दी की हैं। ये दुर्लभ मूर्तियां ग्वालियर के आसपास के इलाकों से प्राप्त हुई हैं। ग्वालियर किला से आगरा 120 किलोमीटर दूर स्थित है। इसे 'भारत का जिब्राल्टर' कहा जाता है।

जयविलास महल और संग्रहालय

यह सिंधिया राजपरिवार का वर्तमान निवास स्थल होने के साथ एक भव्य संग्रहालय भी है। इस महल के 35 कमरों को संग्रहालय बना दिया गया है। इस महल का ज्यादातर हिस्सा इटालियन स्थापत्य से प्रभावित है। इस महल का प्रसिद्ध दरबार हॉल इस महल के भव्य अतीत का गवाह है।

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल

रानी लक्ष्मीबाई स्मारक शहर के पड़ाव क्षेत्र में है। कहते हैं यहां झांसी की रानी वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की सेना ने अंग्रेजों से लड़ते हुए पड़ाव डाला। रानी 17 जून 1858 को सूर्यास्त के समय कोटा की सराय के फूलबाग में वीरगति को प्राप्त हुईं। बाबा गंगादास महाराज के मठ में महारानी लक्ष्मीबाई का गुप्त रूप से अंतिम संस्कार हुआ। 18 जून 1858 की शाम को अंग्रेजों ने ग्वालियर में महारानी लक्ष्मीबाई की खोज की रानी लक्ष्मीबाई का कुछ भी पता न चलने पर महारानी लक्ष्मीबाई को अधिकारिक रूप से मृत घोषित किया गया।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

रेलवे भर्ती बोर्ड

पद का नाम - पैरा मेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती- डायटीशियन, नर्सिंग अधीक्षक, ऑडियोलॉजिस्ट एंड स्पीच थेरेपिस्ट, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, डेंटल हाईजिस्ट, डायलिसिस तकनीशियन, स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड-3, परफ्यूसिनिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट ग्रेड-2, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, कैथ लेबोरेटरी तकनीशियन, फार्मासिस्ट (एंट्री ग्रेड), रेडियोग्राफर एक्स-रे तकनीशियन, स्पीच थेरेपिस्ट, कार्डियक तकनीशियन, ऑप्टोमेट्रिस्ट, ईसीजी तकनीशियन, लेबोरेटरी सहायक ग्रेड-2, फिल्ड वर्कर आदि।
पदों की संख्या - 1376
योग्यता - पदानुसार अलग-अलग
अंतिम तिथि - 16 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://rrcb.gov.in/

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

पद का नाम - उप महाप्रबंधक (वित्त)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त एवं प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय/संस्थान से सीए/आईसीडब्ल्यूए/वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री।
वांछनीय योग्यता - एम.बी.ए (वित्त)
अंतिम तिथि - 31 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.nbcfdc.gov.in/

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

पद का नाम - वैज्ञानिक ग्रेड-1, वैज्ञानिक ग्रेड-2, कनिष्ठ वैज्ञानिक और सहायक-2
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://nib.gov.in/

राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लिमिटेड

पद का नाम - अधिशासी निदेशक (वाणिज्य), महाप्रबंधक वाणिज्य, उपमहाप्रबंधक (वाणिज्य), प्रबंधन प्रशिक्षु (वाणिज्य), सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा), कंपनी सचिव, प्रबंधन प्रशिक्षु (वित्त एवं लेखा), उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन)
पदों की संख्या - 16
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://www.nhdc.org.in/

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार

पद का नाम - चिकित्सा अधिकारी 'एसडी' (ईएनटी)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - एम.बी.बी.एस भारतीय चिकित्सा परिषद/राज्य/राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से मान्यता प्राप्त तथा पंजीकृत ईएनटी में एम.एस/डी.एन.बी.।
अंतिम तिथि - 06 सितम्बर
वेबसाइट - https://www.shar.gov.in/

संघ लोक सेवा आयोग

पद का नाम - उप अधीक्षक पुरातत्व विज्ञानी (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय), केबिन सुरक्षा निरीक्षक (नागर विमानन महानिदेशालय, नागर विमानन मंत्रालय)
पदों की संख्या - 82
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://upsc.gov.in/

सोसायटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च

पद का नाम - लेखा अधिकारी, लोअर डिविजन क्लर्क, मल्टी टास्किंग स्टाफ
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://sameer.gov.in/recruitment

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी

पद का नाम - यंग प्रोफेशनल- एयरोस्पेस, इकोनॉमिक्स/फाइनेंस/मैनेजमेंट
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.civilaviation.gov.in/

दयाल सिंह सांध्य कॉलेज, नई दिल्ली

पद का नाम - प्रशासनिक अधिकारी, अनुभाग अधिकारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (कम्प्यूटर), कनिष्ठ सहायक/टाइपिस्ट, पुस्तकालय सहायक।
पदों की संख्या - 07
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 सितम्बर 2024
वेबसाइट - https://dsce.du.ac.in/

पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर इंजीनियर, सर्वेयर ग्रेड-4/W4, ड्राफ्ट्समैन ग्रेड-4/W4
पदों की संख्या - 38
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 अगस्त 2024
वेबसाइट- https://www.powergrid.in/

एडमिशन अलर्ट

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर

पाठ्यक्रम का नाम - विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, एकीकृत और पी.एचडी कार्यक्रम।
योग्यता- पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 31 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://msbrijuniversity.ac.in/

फेलोशिप अलर्ट

सैन्य इतिहास में अध्येतावृत्ति

पद की संख्या - 02
आयु सीमा - अधिकतम 30 वर्ष
स्टायपेंड - 31 हजार रुपये प्रतिमाह
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इतिहास/डिफेंस स्टडीज/मिलिट्री साइंस विषय में स्नातकोत्तर की डिग्री और सैन्य इतिहास से संबंधित विषय से पी.एचडी के लिए पंजीयन होना अनिवार्य।
अंतिम तिथि - 16 अक्टूबर 2024
आवेदन भेजने का पता - इतिहास प्रभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, पश्चिमी खंड-8, विंग संख्या 1 रामकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110066

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

टुरिया जंगल सत्याग्रह

जनजातियों के सत्याग्रह पर अंग्रेजी हुकूमत का क्रूरतम प्रहार

मध्यप्रदेश का जंगल सत्याग्रह स्वाधीनता संग्राम के विविध चरणों में से एक है। देशभर में जब नमक सत्याग्रह शुरू हुआ। तब जिन क्षेत्रों में समुद्र तट नहीं था वहां नमक सत्याग्रह के स्थान पर जंगल सत्याग्रह किया गया। मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में स्थित है। प्रदेश भर में अलग-अलग स्थानों पर जंगल सत्याग्रह किया गया। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा के पाठ्यक्रम में मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान विषय शामिल है। इस विषय पर केंद्रित आलेख ''रोज़गार और निर्माण'' में प्रकाशित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में जंगल सत्याग्रह के इतिहास में सिवनी जिले का टुरिया जंगल सत्याग्रह ब्रिटिश हुकूमत के बर्बरतम स्वरूप की रोंगटे खड़े करने वाली घटना है। जलियांवाला बाग में देशवासियों को गोलियों से भूनने वाली क्रूर ब्रिटिश हुकूमत ने 9 अक्टूबर, 1930 को टुरिया गांव के सत्याग्रहियों पर गोलियां बरसाई, आंदोलनकारियों को वृक्षों से बांधकर कोड़े मारे। आजादी के दीवानों को लहूलुहान किया तथा अनेक को कांजी हाउस में बंद कर दिया।

प्रदेश के टुरिया कांड के बाद सिवनी जिले के सत्याग्रह की यह चिंगारी बैतूल में प्रज्वलित हुई, लोकजन जुड़ते चले गए। अंचल का हर जनजाति जन कंधे पर कंबल डाल सत्याग्रह में शामिल हो गया। शाहपुर के समीप यह कमान गंजनसिंह कोरकू ने संभाली, उन्होंने जनजातीय सेनानियों का नेतृत्व किया। पुलिस ने जोर-जबरदस्ती की। रामू और मकडू गोंड के बलिदान से आंदोलन और प्रखर हुआ। परिणामस्वरूप महाकौशल से निमाड़, छत्तीसगढ़ जंगल सत्याग्रह से धधक उठा। सतपुड़ा के जंगल से उठा सैलाब खंडवा, बुरहानपुर, रुस्तमपुर, मूँदी, पंधाना, हरसूद, डोंगरगांव तक स्वप्रेरणा से उमड़ पड़ा। क्रांतिकारी चेतना में जन-जन शामिल हो गया।

टुरिया जंगल-सत्याग्रह को लेकर पंडित डी.पी. मिश्र ने लिखा है सिवनी के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर सीमेन उन अंग्रेज अधिकारियों में से था जो स्वयं को ब्रिटिश साम्राज्यवाद का संरक्षक समझता था। पुलिस कप्तान पैरी तो कट्टर साम्राज्यवादी तानाशाह थे।

सीमेन ने अपनी तानाशाही और अधिनायकवादी कार्यशैली में टुरिया के जंगल-सत्याग्रहियों को सबक सिखाने का आदेश दिया। सिवनी के अति उत्साही दरोगा सदरुद्दीन ने सीमेन की आज्ञा का कुछ अधिक ही पालन किया। इसके परिणामस्वरूप सिवनी से 46 किलोमीटर और खवासा से आठ किलोमीटर पर स्थित टुरिया ग्राम में खासा रक्तपात हुआ। सदरुद्दीन ने सीमेन का वह चिट जिसमें टुरिया के सत्याग्रहियों को सबक सिखाने का आदेश था, एक लिफाफे में संभाल कर रख लिया।

सदरुद्दीन ने गोली चलवा दी जिससे तीन महिलाएं और एक पुरुष की मृत्यु हो गई और तीस व्यक्ति घायल हो गये। इस त्रासदी का उल्लेख द हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट इन मध्यप्रदेश में पृष्ठ 489 पर और सिवनी प्राचीन एवं अर्वाचीन में पृष्ठ 16 पर है। आगे की दास्तान सिवनी गजैटियर 1989 में पृष्ठ 40 पर निम्नानुसार उपलब्ध है-

'चार निर्दोष और भोले भाले लोगों की हत्या मात्र से सीमेन को संतुष्टि नहीं हुई और उसने टुरिया के 18 ग्रामीणों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमे कायम करने का आदेश दिया। सिवनी के दो वकीलों सर्वश्री पी.डी. जठार और एन.एन. सील ने इनका बचाव करने का निश्चय किया ताकि प्रशासन के बर्बर रवैये का पर्दाफाश किया जा सके। जब एडवोकेट इस प्रकरण का रिकॉर्ड देख रहे थे तभी उन्हें एक सीलबंद लिफाफे में रखा सीमेन का वह चिट मिला जिसमें टुरिया के ग्रामीणों को सबक सिखाने का आदेश था। जाहिर है कि इंस्पेक्टर सदरुद्दीन ने इसे अपने बचाव के लिये रख छोड़ा था। यह चिट मिलने से अदालत में सनसनी फैल गई। यह खबर मिलते ही सीमेन आगबबूला होकर अदालत में आ धमका और यह जानना चाहा कि उसका लिखा चिट रिकॉर्ड में कैसे शामिल किया गया। सीमेन के क्रोध की परवाह न करते हुए दोनों एडवोकेटों ने अदालत में इस चिट की प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिये अर्जी लगा दी। मजिस्ट्रेट ने दोनों एडवोकेट को अपने चेम्बर में बुलाकर कहा कि यदि वे सीमेन के चिट की कॉपी हासिल करने पर जोर न दें तो सभी अभियुक्तों को जमानत पर रिहा किया जा सकता है। दोनों एडवोकेट इसके लिये राजी नहीं हुए और उन्होंने हाईकोर्ट में यह मामला सिवनी से स्थानांतरित करने के लिये, दरख्वास्त दे दी। हाईकोर्ट में मामला तो स्थानांतरित नहीं किया लेकिन सरकार ने सीमेन का तबादला कर दिया।'

पं. डी.पी. मिश्रा ने अपनी पुस्तक लिविंग एन एरा (भाग-एक) में इस घटना का पृष्ठ 166 पर विस्तार से उल्लेख किया है।

'नमक सत्याग्रह के बाद सिवनी में जोरदार जंगल सत्याग्रह हुआ क्योंकि इस जिले में बहुत सघन वन हैं। टुरिया का जंगल सत्याग्रह तो इस जिले के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में खास मुकाम रखता है। यह घटना तत्कालीन सरकार की उस बर्बर नीति का प्रतीक है जो उसने सत्याग्रहियों के प्रति अपनाई थी। मूका लुहार और उनके साथियों ने घोषणा की कि वे सिवनी से 28 मील दूर स्थित खवासा में 9 अक्टूबर, 1930 को घास काट कर सत्याग्रह करेंगे। एक पुलिस इंस्पेक्टर, एक रेंजर और एक दर्जन सशस्त्र सिपाहियों के साथ वहां पहुंच गया। सिवनी के डिप्टी कमिश्नर ने एक चिट पर लिखकर भेजा था कि 'मैं सोचता था कि टुरिया को सबक सिखा दिया गया है'।

'इंस्पेक्टर ने इशारा समझ लिया। वह जंगल से होकर गया लेकिन सत्याग्रहियों की टोली तक न पहुंच पाने के कारण कैम्प में वापस लौट आया। इसी समय लगभग 400 ग्रामीण और सत्याग्रही कैम्प की ओर रवाना हो गये क्योंकि उन्हें यह पता चला था कि उनके नेता मूका लुहार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कुछ सत्याग्रहियों के पास घास काटने के लिये हंसिये थे, लेकिन ये लोग नितांत अहिंसक थे तथा पुलिस पर हमला करने का इनका कतई इरादा नहीं था। परन्तु पुलिस बल तो अपनी ओर आ रही सत्याग्रही-टोली की प्रतीक्षा कर रहा था। पुलिस वालों ने गोली चला दी जिससे तीन महिलाओं तथा एक पुरुष की मृत्यु हो गई। लगभग तीस व्यक्ति घायल हो गये। पुलिस की गोली से रानो बाई, देमो बाई, (डेमो बाई), मुड्डे बाई (प्रडुलक बाई) और बिरजू भोई शहीद हो गए। देश के स्वाधीन होने के बाद दिनांक 26 जनवरी 1950 को समीपवर्ती गांव के लोगों ने जीवित सत्याग्रहियों का सम्मान किया तथा शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की.....।'

टुरिया जंगल सत्याग्रह के तमाम दस्तावेजों और जानकारियों से जो विवरण निकलकर आये उसके अनुसार आरंभ में सत्याग्रह के तहत सिवनी जिले के स्वयं सेवक शासकीय जंगल, चंदन बगीचा में जाकर घास काट सत्याग्रह करते थे। सत्याग्रही पहले नोटिस देते, जत्थे में जाते और घास काटते। इसकी कार्रवाई के तहत सरकार द्वारा दफा 379/114 ता.हि. एवं 26 फॉरेस्ट एक्ट के अंतर्गत मुकदमा चलाया जाता और सजा तथा जुर्माना तय किया जाता। जुर्माने की वसूली अत्यंत निर्ममता से की जाती थी। इसमें संपत्ति, जानवर, जमीन, बरतन सब कुछ कुड़की में नीलाम कर दिए जाते थे। बावजूद इसके आंदोलनकारी नहीं रुके, उनका जत्था दिनों-दिन बढ़ता जा रहा था। इसी क्रम में 'टुरिया सत्याग्रह' होना था।

टुरिया गांव सिवनी नागपुर राजमार्ग पर सिवनी से 28 मील दूर खवासा ग्राम से दाहिनी तरफ 5 मील दूरी पर स्थित है। इस वन ग्राम द्वारा नियत समय अनुसार 9 अक्टूबर, 1930 को 'चंदन बगीचा' में घास काटकर सत्याग्रह आरंभ किया जाना तय हुआ। सत्याग्रह की सूचना टुरिया ग्राम के ही सत्याग्रही अग्रणी श्री मूका ने अंग्रेजी शासन को नोटिस देकर दी कि वो 9 अक्टूबर को टुरिया के निकट जंगल में घास काटकर सत्याग्रह करेंगे। इस सूचना से तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर (कलेक्टर) सीमेन भड़क उठा और टीच देम ए लेसन का आदेश देकर पुलिस को लाव-लश्कर के साथ टुरिया भेज दिया। सत्याग्रह के पूर्व श्री रामप्रसाद तथा श्री मूका ने जोश भरे भाषण से अपने साथियों को प्रोत्साहित किया। इस अभियान में लगभग 500 व्यक्ति शामिल थे। पुलिस ने जोर-जबरदस्ती से रोकने का प्रयास किया, सत्याग्रही भला कब रुकनेवाले थे। आंदोलनकारियों ने घास काटी, उपस्थित जनसमुदाय ने श्री मूका का अभिनंदन किया। पुलिस सब इंस्पेक्टर सदरुद्दीन और रेंजर मेहता पूरी तैयारी में थे, उन्होंने सत्याग्रह आरंभ होते ही मूका को गिरफ्तार कर लिया। इस पर जनसमूह में आक्रोश उत्पन्न हुआ, ग्रामवासियों की उत्तेजना के विरोध में अंग्रेजी शासन के आदेशानुसार पुलिस गोलियां बरसाने लगी। ग्रामवासियों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। हाहाकार मच गया। अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता भोले-भाले ग्रामवासियों पर बरस रही थी। घटनास्थल पर ही मुड्डेबाई साकिन खामरीठ, रेनीबाई साकिन खंबा, देभोबाई सा. भीलवा और विरजू भोई सा. मरझोड़ू शहीद हो गए। लगभग 35-40 लोग घायल हुए। अंग्रेजों ने अपनी तानाशाही परंपरा के तहत मृतकों के शव घरवालों को नहीं दिए।

घटनास्थल पर गोलीकांड के बाद भी पुलिस की बर्बरता रुकी नहीं, ग्रामवासियों को वृक्षों से बांधा गया, उन्हें कोड़ों से पीटा, जमीन पर घसीटा तथा लातों-घूंसों से मारा गया। सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया। घायलों को रिश्तेदारों से मिलने तक नहीं दिया। उनकी तड़प और चीख से सिवनी जिला चीत्कार उठा।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक - सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

बीसीसीआई ने बढ़ाया लक्ष्मण का कार्यकाल

चेन्नई, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख बने रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एनसीए प्रमुख के रूप में वीवीएस लक्ष्मण का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। लक्ष्मण का तीन वर्ष का करार अगले महीने (सितंबर में) समाप्त होने वाला था और माना जा रहा था कि आईपीएल की किसी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं, लेकिन लक्ष्मण ने इन अटकलों पर विराम लगाया और एनसीए प्रमुख के रूप में कार्यकाल बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। बीसीसीआई ने लक्ष्मण के अलावा उनके सहयोगी सितांशु कोटक, साईराज बहुतुले और ऋषिकेश कानिटकर का कार्यकाल भी बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में लक्ष्मण को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का प्रमुख बनाया गया था।

आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप

संयुक्त अरब अमीरात में होगा आयोजित

दुबई, बांग्लादेश में राजनीतिक तख्तापलट के बाद जारी उथल-पुथल और हिंसक विरोध प्रदर्शनों का असर अब खेलों पर भी पड़ने लगा है। बांग्लादेश में हिंसक अराजक माहौल को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आगामी आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी वापस ले ली है। आईसीसी ने इस विश्वकप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया है। आईसीसी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप बांग्लादेश की जगह अब संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा।

यह विश्वकप 3 से 20 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस विश्वकप के मुकाबले दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। आईसीसी ने साफ कर दिया है कि भले ही टूर्नामेंट का आयोजन यूएई में हो रहा है, लेकिन आधिकारिक तौर पर मेजबान बांग्लादेश ही रहेगा। इस टूर्नामेंट से होने वाली आय बांग्लादेश को ही मिलेगी।

आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने कहा कि बांग्लादेश के लिए विश्वकप की मेजबानी नहीं करना निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि बांग्लादेश अच्छा मेजबान साबित होता। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस विश्वकप को बांग्लादेश में ही आयोजित कराने के कई प्रयास किए, लेकिन सभी असफल रहे।

- यूएई पहली बार किसी महिला क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करेगा।
- इस विश्वकप में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों को 5-5 टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है।
- ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और न्यूजीलैंड हैं।
- ग्रुप-बी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।
- ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 6 बार तथा इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 1-1 बार जीता है खिताब।

कई देशों ने बांग्लादेश की यात्रा से किया इनकार

बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों से हालात काफी खराब हो गए है। इन हालातों के कारण कई देशों ने बांग्लादेश के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इस विश्वकप में खेलने वाले कई देशों ने बांग्लादेश में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी, वहीं ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज खिलाड़ी और कप्तान एलिसा हीली ने बांग्लादेश में खेलने की संभावनाओं से साफ मना कर दिया है।

सुमित और भाग्यश्री होंगे भारत के ध्वजवाहक

नई दिल्ली, भारतीय पैरालंपिक समिति ने टोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी सुमित अंतिल और भाग्यश्री जाधव को पेरिस पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के लिए ध्वजवाहक के रूप में नामित किया है। पेरिस पैरालंपिक खेलों का उद्घाटन समारोह 28 अगस्त को होगा। इस बार पैरालंपिक खेलों में भारत के 84 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। सुमित ने टोक्यो पैरालंपिक में पुरुषों की भाला फेंक एफ-64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं भाग्यश्री वर्ष 2022 के होंगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं की शॉटपुट एफ-34 स्पर्धा में रजत पदक विजेता हैं।

जेसिका पेगुला ने जीता कनाडियन ओपन टूर्नामेंट

टोरंटो, अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने अपनी हमवतन खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार कनाडियन ओपन का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के फाइनल में पेगुला ने एनिसिमोवा को 6-3, 2-6, 6-1 से हराया। फाइनल मुकाबले में पेगुला के लिए पहला सेट आसान रहा, उन्होंने 6-3 से जीत दर्ज की, लेकिन दूसरे सेट में एनिसिमोवा ने वापसी की। पेगुला ने तीसरा सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया।

मोर्ने मोर्कल बने भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मोर्कल को गेंदबाजी कोच बनाने की अनुशंसा की थी, जिसे बीसीसीआई ने स्वीकार कर लिया है।

गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही मोर्ने मोर्कल के गेंदबाजी कोच बनाए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। बीसीसीआई ने इससे पहले अभिषेक नायर और रियान डेन डोस्चे को टीम इंडिया का सहायक कोच और टी. दिलीप को फील्डिंग कोच बनाया था। मोर्कल ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट, 117 वन-डे और 44 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 309 टेस्ट, 188 वन-डे और 47 ट्वेंटी-20 विकेट दर्ज हैं। वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली

डेयरडेविल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए खेल चुके हैं।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि मोर्ने मोर्कल एक सितंबर से भारतीय टीम में बतौर गेंदबाजी कोच जुड़ेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज उनका पहला असाइनमेंट होगा। मोर्कल को कोचिंग का शानदार अनुभव है। वह पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच रह चुके हैं।

गैबी लुईस ने ट्वेंटी-20 मैच में शतक लगाकर रचा इतिहास

डबलिन, आयरलैंड की दिग्गज महिला क्रिकेटर गैबी लुईस ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। लुईस ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दो शतक बनाने वाली पहली आइरिश महिला क्रिकेटर बन गई हैं। लुईस ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मैच में शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने मैच में 75 गेंदों में 119 रन बनाये। इस पारी के दौरान लुईस ने 17 चौके और दो छक्के लगाए। लुईस इससे पहले ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में जर्मनी के खिलाफ शतक बना चुकी हैं।

डेविस कप टीम के कोच जीशान ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, भारतीय डेविस कप टीम के कोच जीशान अली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले 11 वर्षों से भारतीय टेनिस टीम के कोच थे। वह वर्ष 2013 में नंदन बल की जगह कोच बनाए गए थे। जीशान ने इस्तीफे का ऐलान करते हुए कहा कि जो मैं हासिल करना चाहता था, वो मैं हासिल कर चुका हूं।

रौनक ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान, भारत के युवा पहलवान रौनक दाहिया ने जॉर्डन में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में ग्रीको रोमन वर्ग के पुरुषों की 110 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। रौनक ने कांस्य पदक के लिए खेले गए प्ले ऑफ में अपने वर्ग की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज तुर्किये के पहलवान इमरुल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। भारत का यह मौजूदा चैम्पियनशिप में पहला पदक है।

दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती के गुर सीखने वाले रौनक ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत आर्टुर मैनवेलियन पर 8-1 की जीत के साथ की। इसके बाद रौनक ने क्वार्टर फाइनल में डेनियल मसलाको को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन सेमीफाइनल में रौनक को हंगरी के पहलवान जोल्टन कजाको के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यांकोवस्की ने जीता।

ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में बने 39 रन

चेन्नई, ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड बना है। यह कारनामा बल्लेबाज डेरियस विसर ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप ईस्ट एशिया-पेसेफिक क्वालिफायर में समोआ के लिए खेलते हुए वानुआतू के खिलाफ किया। मैच में 15वां ओवर करने आये गेंदबाज नेलिन निपिको के ओवर में विसर ने 39 रन बटोरे। निपिको ने इस ओवर में कुल 3 नो बॉल सहित 9 गेंद फेंकीं। विसर ने इनमें से छह गेंदों पर छक्के लगाए। इस तरह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बटोरने का रिकॉर्ड विसर के नाम दर्ज हो गया है। हालांकि वह लगातार छह गेंदों में छह छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए।

द हंड्रेड ओवल इनविंसिबल टीम दूसरी बार बनी चैम्पियन

लंदन, ओवल इनविंसिबल टीम ने क्रिकेट के अनोखे टूर्नामेंट द हंड्रेड का खिताब जीत लिया है। ओवल इनविंसिबल ने दूसरी बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में ओवल इनविंसिबल ने सदर्न ब्रेव को 17 रन से हराया।

मैच में सदर्न ब्रेव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ओवल इनविंसिबल को विल जैक्स ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। जैक्स ने 22 गेंदों में 37 रन बनाये वहीं डेविड मलान 7 रन ही बना सके। इसके बाद सैम कुरेन (25) और जोर्डन कोक्स (25) ने पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में टॉम कुरेन (24) और टॉम लेमोंडी (16) ने ताबड़तोड़ रन बटोरे, जिसकी बदौलत ओवल इनविंसिबल ने निर्धारित 100 गेंदों में 9 विकेट खोकर 147 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सदर्न ब्रेव को ओपनिंग बल्लेबाज एलेक्स डेविस (35) और जेम्स विंस (24) ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई, वहीं लियुस डु प्लॉय ने 20 रनों की पारी खेली। इन तीनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद सदर्न ब्रेव की पारी बिखर गई। सदर्न ब्रेव की टीम 100 गेंदों में 7 विकेट खोकर 130 रन ही बना सकी।

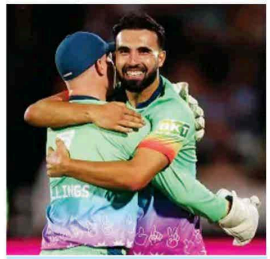

- द हंड्रेड टूर्नामेंट में प्रत्येक पारी 100-100 गेंद की होती है।
- इस फॉर्मेट में एक गेंदबाज अधिकतम 20 गेंद ही फेंक सकता है।
- ओवल इनविंसिबल ने दूसरी बार जीता है यह टूर्नामेंट।
- ओवल ने वर्ष 2023 में भी यह खिताब जीता था।

महिला वर्ग में लंदन ने जीता खिताब

महिला वर्ग में द हंड्रेड का खिताब लंदन स्पिरिट ने जीता। टूर्नामेंट के फाइनल में लंदन स्पिरिट ने वेल्स फायर को 4 विकेट से हराया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्स फायर ने निर्धारित 100 गेंदों में 8 विकेट खोकर 115 रन बनाये। वेल्स के लिए जेस जोनासेन ने 54 रनों की शानदार पारी खेली। लंदन स्पिरिट ने जॉर्जिया रेडमायने (34), हीथर नाइट (24) और डेनियल गिब्सन (22) की पारी की बदौलत लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया। दीप्ति शर्मा (16) ने हीली मैथ्यू की गेंद पर छक्का लगाकर लंदन स्पिरिट को जीत दिलाई।

सिनसिनाटी ओपन

जेनिक सिनर ने जीता खिताब

ओहियो, इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने सिनसिनाटी ओपन का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में सिनर ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफोए को रोमांचक मुकाबले में 7-6 (7-4), 6-2 से हराया। सिनर ने यह टूर्नामेंट पहली बार जीता है।

सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराने वाले सिनर ने फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में सिनर को टियाफोए से कड़ी टक्कर मिली। मैच के पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। स्कोर 6-6 से बराबर रहने के बाद पहला सेट टाइब्रेकर में गया। टाइब्रेकर में सिनर ने 7-4 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में भी सिनर का दमदार खेल जारी रहा। सिनर ने दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर खिताब जीता।

टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने जीता। महिला एकल वर्ग के फाइनल में आर्यना ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को आसान मुकाबले में 6-3, 7-5 से हराया। सबालेंका ने पहला सेट आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे सेट में पेगुला ने सबालेंका को जबरदस्त टक्कर दी, इसके बावजूद सबालेंका ने सेट 7-5 से जीत लिया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

• पुरस्कार •

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार-2024 प्रदान किए

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार-2024 प्रदान किए।राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के पहले संस्करण में चार श्रेणियों - विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम श्रेणी में प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को 33 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

विज्ञान रत्न- यह पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में आजीवन योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देश में आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के अग्रदूत प्रोफेसर गोविंदराजन पद्मनाभन को प्रदान किया गया।

विज्ञान श्री पुरस्कार- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले 13 वैज्ञानिकों को उनके संबंधित क्षेत्रों में पथ-प्रदर्शक अनुसंधान के लिए प्रदान किया गया।

विज्ञान टीम पुरस्कार- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में अभूतपूर्व शोध के लिए 3 या अधिक वैज्ञानिकों की टीम को दिया जाता है। यह पुरस्कार चंद्रयान-3 की टीम को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रयान-3 लैंडर की सफल लैंडिंग के लिए प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पौलेंड में हुए विशेष कार्यक्रम को किया संबोधित

रक्षा के क्षेत्र में पौलेंड का करीबी सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है - प्रधानमंत्री

यह अवसर भारत और पौलेंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। पैंतालीस साल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पौलेंड का दौरा किया है। मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे यह सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर मैं पौलेंड की सरकार और यहां के लोगों का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पौलेंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में यूक्रेन में फंसे हुए भारतीय स्टूडेंट्स को निकालने के लिए आपने जो उदारता दिखाई, उसे हम भारतवासी कभी नहीं भूल सकतेइस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने संबंधों को स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और पौलेंड के संबंध डेमोक्रेसी और रूल ऑफ लॉ जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। हमने संबंधों को एक नई दिशा देने के लिए कई इनिशिएटिव की पहचान की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि दो लोकतान्त्रिक देशों के रूप में हमारी पार्लियामेंट के बीच आदान प्रदान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पौलेंड में संबोधित करते हुए।

सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट पर बनी सहमति

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आर्थिक सहयोग को व्यापक रूप प्रदान करने के लिए प्राइवेट सेक्टर को जोड़ने का काम किया जायेगा। फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में पौलेंड वर्ल्ड लीडर्स में से एक है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि पौलेंड की कंपनियां, भारत में बनाये जा रहे मेगा फूड पार्क से जुड़ें। उन्होंने कहा कि भारत में तेज़ गति से हो रहे शहरीकरण से वॉटर ट्रीटमेंट, सॉलेड वेस्ट मैनेजमेंट, अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐसे क्षेत्रों में हमारे सहयोग के नए अवसर खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा क्लीन कोल टेक्नोलॉजी, ग्रीन हाइड्रोजन, रिन्यूएबल एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी हमारी साझा प्राथमिकता के विषय हैं। हम पौलेंड की कंपनियों को मेक इन इंडिया और मेक इन वर्ल्ड से जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि फिन टेक, फार्मा स्पेस ऐसे क्षेत्रों में भारत ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। हमें इन क्षेत्रों में अपना अनुभव पौलेंड के साथ साझा करने में खुशी होगी। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में करीबी सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। इस क्षेत्र में आपसी सहयोग को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इनोवेशन और टैलेंट हमारे दोनों देशों की युवा शक्ति की पहचान है। स्किल की भलाई के लिए, स्किल्ड वर्कर्स की भलाई के लिए और मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों के बीच सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट पर सहमति बनी है।

भारत और ईयू के संबंधों को बल मिलेगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और पौलेंड अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हम दोनों सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में रिफॉर्म वर्तमान समय की मांग है। आतंकवाद हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। उसी तरह क्लाइमेट चेंज हमारे लिए साझा प्राथमिकता का विषय है। उन्होंने कहा कि हम दोनों अपनी क्षमताओं को जोड़कर ग्रीन फ्यूचर के लिए काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनवरी 2025 में पौलेंड यूरोपियन यूनियन की अध्यक्षता संभालेगा। मुझे विश्वास है कि आपके सहयोग से भारत और यूरोपियन यूनियन के संबंधों को बल मिलेगा।

संघर्षों में जनहानि सबसे बड़ी चुनौती

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। किसी भी संकट में मासूम लोगों की जान की हानि पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गयी है। हम शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। इसके लिए भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पौलेंड में इंडोलॉजी और संस्कृत का बहुत पुराना और समृद्ध ट्रेडिशन रहा है। भारतीय सभ्यता और भाषाओं में गहरी रुचि से हमारे संबंधों की मजबूत नींव रखी गई थी।

यूएन के विशेष दूत को अफगानिस्तान में प्रवेश की नहीं मिली अनुमति

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट को अफगानिस्तान में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। एक राजनयिक सूत्र ने बताया कि बेनेट को कई महीने पहले बताया गया था कि उन्हें अफगानिस्तान लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्हें यह सूचना तालिबान शासन के एक प्रवक्ता ने दी थी। बेनेट ने इस पद पर रहते हुए एक जुलाई को दो साल पूरे किए। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद तालिबान ने सख्त इस्लामी कानून लागू किए हैं। तबसे महिलाओं को कई तरह की पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 'लिंग आधारित भेदभाव' के रूप में वर्गीकृत किया है। महिलाओं को माध्यमिक और उच्च शिक्षा से वंचित कर दिया गया है। कई नौकरियों में उनको काम करने से रोका गया है और सार्वजनिक पार्क, जिम और यात्रा में बिना पुरुष साथी के जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

बातों पर भरोसा नहीं किया जा सकता

तालिबान सरकार को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मान्यता नहीं मिली है और महिलाओं पर लागू प्रतिबंध इसका एक बड़ा कारण है। तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की आलोचनाओं को नजरअंदाज किया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि बेनेट को इसलिए प्रतिबंधित किया गया है, क्योंकि वे दुष्प्रचार फैलाने के लिए नियुक्त किए गए हैं और उनकी बातों पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

बांग्लादेश में स्थितियां सामान्य होने के साथ ही देश में निष्पक्ष चुनाव की अपेक्षा

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के सहयोगी ने बयान दिया है कि देश में स्थितियां काफी हद तक सामान्य हो गई हैं। हालांकि अभी भी बहुत सी चुनौतियां हैं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने जोर देते हुए कहा कि हिंसा प्रभावित देश में पूरी तरह से स्थिति सुधरने के बाद स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होंगे। मीडिया से बात करते हुए शफीकुल आलम ने कहा कि अंतरिम सरकार की प्राथमिकता देश में कानून व्यवस्था को बहाल करना है।उन्होंने कहा कि जल्द ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति की जाएगी। अंतरिम सरकार ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के तहत सभी

50 पुलिस स्टेशनों के प्रमुखों का तबादला कर दिया है। आलम से बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'आप ढाका या औद्योगिक क्षेत्र के बाहर ग्रामीण इलाकों या शहरों जैसे सभी स्थानों का दौरा करें, आप स्थिति को स्वयं देखें और निर्णय करें कि यह सामान्य है या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि हमें लगता है कि स्थिति सामान्य के करीब है हालांकि कुछ चुनौतियां भी हैं। प्रेस सचिव ने कहा कि बांग्लादेश में बड़े सुधार किए जाने के बाद स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होंगे।

600 से ज्यादा लोगों की मौत

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में बांग्लादेश में 230 से अधिक लोग मारे गए, जिससे सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य में छात्रों की तरफ से शुरू किए गए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई।बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद हुई हिंसा से देश के पर्यटन उद्योग को बड़ा नुकसान हुआ है।

भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व ने विकसित भारत@2047 की कार्य योजना पर किया विमर्श

थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी की अध्यक्षता में विकसित भारत@2047 की कार्य योजना पर विमर्श किया गया। 30 जून 2024 को थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) का पदभार संभालने के बाद से जनरल द्विवेदी के नेतृत्व में यह पहली उच्च स्तरीय बैठक थी। बैठक में भारतीय सेना की सात कमानों के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ शामिल हुए। चर्चा का मुख्य केंद्र अमृत काल के दौरान भारतीय सेना के भविष्य के पाठ्यक्रम को तैयार करने, भारत को एक विकसित देश, एक महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिनिधि और वर्ष 2047 तक दुनिया के सबसे वांछनीय देशों में से एक बनाने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाने पर था। इस मंच से भारतीय सेना के शीर्ष

अधिकारियों को रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और अगले दो दशकों में भारतीय सेना के परिवर्तन की दिशा निर्धारित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

बैठक में इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

- एक आधुनिक, चुस्त, अनुकूल, प्रौद्योगिकी-सक्षम और आत्मनिर्भर भविष्य-तैयार बल में परिवर्तित होना।
- स्पेक्ट्रम में बहु-क्षेत्रीय वातावरण में युद्धों को रोकने और जीतने में सक्षम हो। हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा और अन्य सेवाओं के लिए तालमेल साथ हो।
- भारतीय सेना ने परिवर्तनकारी पहलों के प्रति अपनी रैंक और फाइल को सैरेखित करने के लिए वर्ष 2023 को 'परिवर्तन का वर्ष' और 2024 को 'प्रौद्योगिकी अवशोषण का वर्ष' घोषित करके परिवर्तन के दशक में प्रवेश किया।
- अगले दशक में अपनाए जाने वाले कई व्यापक लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार की। सेना और कमान मुख्यालयों का पुनर्गठन, कमान, कोर और क्षेत्रीय मुख्यालय सीमाओं के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई।

सहायता करने का आह्वान किया-

थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) ने सभी हितधारकों से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने, उपकरणों, प्लेटफार्मों और हथियारों के स्वदेशीकरण में आत्मनिर्भरता हासिल करने का प्रयास करने, न केवल विश्वस्तरीय उपकरण विकसित करने में भारतीय रक्षा उद्योगों का समर्थन करने, बल्कि एक अग्रणी रक्षा निर्यातक बनने में भी सहायता करने का आह्वान किया।

मुख्य चर्चाएं और पहल

- अधिकतम दक्षता और परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए सेना मुख्यालय, कमान मुख्यालय और अन्य प्रमुख संरचनाओं का पुनर्गठन।
- सभी लड़ाकू हथियारों, लड़ाकू सहायता हथियारों और लॉजिस्टिक्स इकाइयों का आधुनिकीकरण।
- युद्ध की भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच संयुक्त संचालन और एकीकरण को बढ़ाना।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।